अज का दिन

2 मई 2008 को चीन के सिचुआन प्रांत में आए भीषण भूकंप ने भारी तबाही मचाई। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता लगभग 7.9 मापी गई थी। इस भूकंप में करीब 87 हजार लोगों की मौत हो गई, जबकि हजारों लोग लापता हो गए थे। इसके अलावा करीब चार लाख लोग घायल हुए और लाखों नागरिक बेघर हो गए। भूकंप का असर इतना व्यापक था कि कई शहर और गांव पूरी तरह तबाह हो गए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उज्ज्वल दुनिया

रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

वर्ष, 12 | पृष्ठ 12 | अंक 68 | रांची, मंगलवार, 12 मई, 2026 | मूल्य 3 रुपये | RNI No.- JHAHIN/ 2014/59794 | ujjwalduniyapress@ gmail.com

विदेशी वस्तुओं का उपयोग कम करें, ईंधन बचाएं : पश्चिम एशिया संकट के बीच मोदी की फिर अपील

एजेन्सी

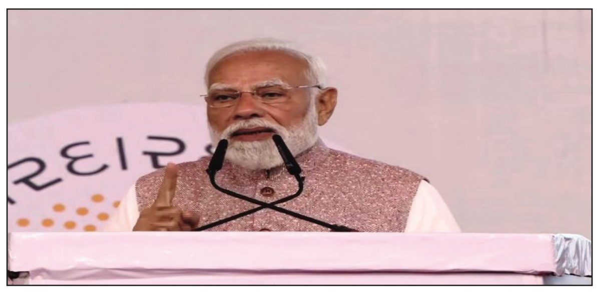

वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संकट और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच सोमवार को लगातार दूसरे दिन देशवासियों से विदेशी मुद्रा बचाने और आयातित वस्तुओं पर निर्भरता कम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश के संसाधनों पर बोझ घटाने के लिए हर नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। वडोदरा में सरदार धाम से जुड़े विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, 'हमें हर छोटे-बड़े प्रयास से ऐसे उत्पादों का उपयोग कम करना है, जो विदेश से आते हैं और ऐसे व्यक्तिगत कामों से भी बचना है, जिनमें विदेशी मुद्रा खर्च होती हो।' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हर साल लाखों करोड़ रुपये विदेशी वस्तुओं और कच्चे तेल के आयात पर खर्च करता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हुई हैं और ऊर्जा कीमतों पर दबाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जब-जब देश युद्ध या किसी बड़े संकट से गुजरा है, तब-तब नागरिकों ने सरकार की अपील पर अपने दायित्व निभाए हैं और अब भी वैसी ही सामूहिक जिम्मेदारी निभाने की आवश्यकता है। मोदी ने लोगों से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन का अधिक इस्तेमाल करने और कार पूलिंग को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि मेट्रो, इलेक्ट्रिक बसों और अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों के अधिक उपयोग से विदेशी मुद्रा की बचत में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल तकनीक ने कामकाज को आसान बनाया है और सरकारी तथा निजी संस्थानों में वर्चुअल बैठकों तथा ह्यवर्क फ्रॉम होमह्न जैसे विकल्पों को प्राथमिकता देने से ईंधन की खपत कम की जा सकती है। रविवार को हैदराबाद में अपने संबोधन में भी उन्होंने कोरोना काल की तरह ह्यवर्क फ्रॉम होमह्न, ऑनलाइन बैठकों और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को फिर से अपनाने की जरूरत पर जोर दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की बड़ी राशि सोने के आयात पर भी खर्च होती है और लोगों को फिलहाल गैर-जरूरी सोने की खरीद टालनी चाहिए। उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि विदेशी सामान की जगह स्थानीय उत्पादों को अपनाना समय की मांग है। मोदी ने कहा कि अपने गांव, शहर और देश के उद्यमियों को मजबूत करना ही आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सबसे बड़ा योगदान होगा। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी इस सदी का सबसे बड़ा संकट थी और पश्चिम एशिया में युद्ध जैसी स्थिति इस दशक के सबसे बड़े संकटों में से एक बन चुकी है। हालांकि उन्होंने विश्वास जताया कि जैसे भारत ने कोरोना संकट का सामना किया, वैसे ही वर्तमान चुनौतियों से भी सफलतापूर्वक बाहर निकलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि वैश्विक संकटों का असर देश के लोगों पर न्यूनतम पड़े। उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक बड़ी भूमिका निभाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने शिक्षा, नवाचार और स्टार्टअप क्षेत्र में हो रहे बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि छोटे शहरों से बड़े स्टार्टअप उभर रहे हैं और महिलाओं की भागीदारी भी लगातार बढ़ रही है।

सोमनाथ अमृतपर्व-2026 में प्रधानमंत्री ने किया प्रथम ज्योतिर्लिंग का पूजन

गिर सोमनाथ। गुजरात के सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित ह्यसोमनाथ अमृतपर्व-2026ह्न के ऐतिहासिक समारोह में प्रधानमंत्री एवं सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र मोदी प्रभास पाटन पहुंचे और प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ का दर्शन-पूजन किया।इस दौरान भारतीय संस्कृति, आस्था और गौरव के प्रतीक भगवान सोमनाथ महादेव मंदिर में सोमवार को ह्यसोमनाथ अमृतपर्व-2026ह्न पूरे मंदिर परिसर में शंख, डमरू और ह्यहर-हर महादेवह्न के जयघोष से भक्तिमय वातावरण बन गया।प्रधानमंत्री मोदी के आगमन पर मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार से लेकर परिसर तक जोरदार स्वागत की व्यवस्था की गई थी। भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को दशार्ती प्रस्तुतियों के माध्यम से उनका अभिनंदन किया गया। मार्ग में प्रधानमंत्री ने सोमनाथ विषय पर निर्मित आकर्षक रेत शिल्प का अवलोकन भी किया। 75 ढोलवादकों के नाद तथा तूतारी की गूंज के बीच पारंपरिक वेशभूषा में सजी लगभग 100 बालिकाओं और कन्याओं ने सिर पर अमृत कलश धारण कर प्रधानमंत्री का स्वागत किया।मंदिर परिसर में प्रवेश से पूर्व प्रधानमंत्री ने अखंड भारत के शिल्पी एवं सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के स्वप्नद्दष्टा लौहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद ऋषिकुमारों द्वारा शंख और डमरू के मंगलनाद के बीच प्रधानमंत्री विशेष मार्ग से होकर गर्भगृह पहुंचे, जहां उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान सोमनाथ की महापूजा की और देश की प्रगति तथा जन-जन के सुख-समृद्धि की कामना की।

पीएम मोदी कंप्रोमाइज्ड हैं, इसलिए वे देश चलाने में सक्षम नहीं हैं: राहुल गांधी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान पर लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तीखा हमला किया, जिसमें उन्होंने देशवासियों से सोना नहीं खरीदने, विदेश यात्रा कम करने और पेट्रोल का कम खर्च करने की अपील की थी. राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी **कंप्रोमाइज्ड** हैं, इसलिए वे देश चलाने में सक्षम नहीं हैं. विपक्ष के नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री के शब्द **विफलता का प्रमाण** हैं.गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, कल मोदीजी ने जनता से त्याग करने का आह्वान किया - सोना न खरीदें, विदेश यात्रा न करें, पेट्रोल का कम उपयोग करें, उर्वरक और खाना पकाने के तेल में कटौती करें, मेट्रो का उपयोग करें और घर से काम करें. राहुल ने कहा, 'ये सलाह के शब्द नहीं हैं. ये विफलता का प्रमाण हैं.' गांधी ने कहा कि 12 वर्षों में देश ऐसी स्थिति में आ गया है कि अब जनता को यह बताना पड़ रहा है कि क्या खरीदें और क्या न खरीदें, कहां जाएं और कहां न जाएं. उन्होंने कहा कि वे बार-बार अपनी जवाबदेही से बचने के लिए जिम्मेदारी जनता पर डाल देते हैं.गांधी ने कहा, ''समझौतावादी प्रधानमंत्री' अब देश चलाने में सक्षम नहीं हैं.' कांग्रेस ने भी मोदी के उस बयान पर हमला किया, जिसमें उन्होंने नागरिकों से पेट्रोलियम उत्पादों का विवेकपूर्ण उपयोग करने का आग्रह किया था. कांग्रेस ने कहा कि अमेरिका-ईरान युद्ध के तीन महीने बीत जाने के बाद भी प्रधानमंत्री भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के बारे में पूरी तरह से अनभिज्ञ हैं.

आलमगीर आलम को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

साहिबगंजः झारखंड सरकार के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम का सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने की खबर मिलते ही बरहड़वा प्रखंड क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ पड़ी. बरहड़वा, श्रीकुंड, कोटालपोखर, मयुरकोला आदि अन्य गांवों में कांग्रेस कार्यकताओं ने मिठाई बांटकर, पटाखे फोड़कर और एक दूसरे को गुलाल लगा कर खुशी का इजहार किया. साथ ही कांग्रेस कार्यकताओं ने कहा कि देर से ही सही न्याय की जीत हुई है. लगभग दो साल जेल में रहे आलमगीर आलम. झारखंड सरकार के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम को 15 मई 2024 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लांड्रिंग और टेंडर घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया गया था. उनके निजी सचिव (पीए) संजीव लाल के नौकर जहांगीर आलम के आवास से ईडी ने लगभग 32 करोड़ रुपए से अधिक कैश बरामद किया गया था.

असम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा का 12 मई को शपथ ग्रहण समारोह

गुवाहाटी। असम के नव नियुक्त मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां बड़े स्तर पर की जा रही हैं। यह भव्य आयोजन 12 मई को आयोजित होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, 22 राज्यों के मुख्यमंत्री, कई केंद्रीय मंत्री, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शीर्ष नेता तथा बड़े उद्योगपति शामिल होने की संभावना है। इस अवसर पर असम में भाजपा और राजग के बूथ अध्यक्षों के साथ-साथ पंचायत स्तर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है, जिससे कार्यक्रम को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप मिला है। आमंत्रित प्रमुख अतिथियों में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग सहित भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ मंत्री शामिल हैं।

हंता वायरस के फैलने का खतरा बढ़ता जा रहा

द हेग (नीदरलैंड): दुनिया में हंता वायरस के फैलने का खतरा बढ़ता जा रहा है. सोमवार को एक फ्रांसीसी महिला और दो अमेरिकी नागरिकों में हंता वायरस के लक्षण पाए गए. हालांकि, दुनिया भर के देश इस वायरस से प्रभावित एक क्रूज जहाज से यात्रियों का पता लगाने और उन्हें क्वारंटाइन करने में लगे हैं. रविवार को कैनरी आइलैंड्स में जहाज के लंगर डालने के बाद, यात्रियों को मिलिट्री और सरकारी विमान से ले जाया गया. बचाव कर्मियों ने यात्रियों को जहाज से स्पेन के टेनेरिफ के किनारे तक पहुंचाया और यह कोशिश सोमवार को भी जारी रही. फ्रांस की स्वास्थ्य मंत्री स्टेफनी रिस्ट ने सोमवार को बताया कि फ्रांस की महिला परीक्षण में हंता वायरस से पॉजिटिव पाई गई और अस्पताल में उसकी तबीयत बिगड़ गई. यह महिला उन पांच फ्रेंच यात्रियों में से एक थी जिन्हें रविवार को क्रूज शिप एमवी होंडियस से पेरिस वापस लाया गया था. रिस्ट ने मीडिया को बताया कि पेरिस की फ्लाइट में महिला को लक्षण दिखे. अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार देर रात बताया कि जहाज से निकाले गए और नेब्रास्का भेजे गए 17 अमेरिकी यात्रियों में से एक का हंता वायरस टेस्ट पॉजिटिव आया है, लेकिन उसमें कोई लक्षण नहीं दिख रहे हैं, और दूसरे में हल्के लक्षण थे. फ्लाइट सोमवार सुबह तड़के लैंड हुई और इंतजार कर रही बसों और पुलिस गाड़ियों के पास रुकी.अमेरिकी नागरिकों को सबसे पहले यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का मेडिकल सेंटर ले जाया जाएगा, जहां क्वारंटाइन की सुविधा है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वे किसी ऐसे व्यक्ति के संपर्क में आए हैं जिसमें लक्षण दिखे हैं और वायरस फैलाने का उनका जोखिम स्तर कितना है. नेब्रास्का मेडिसिन हॉस्पिटल की प्रवक्ता कायला थॉमस ने कहा, एक यात्रा को पहुंचने के बाद नेब्रास्का बायोकंटेनमेंट यूनिट ले जाया जाएगा.

मनोज कुमार अग्रवाल बने बंगाल के नए मुख्य सचिव

कोलकाता, । मनोज कुमार अग्रवाल को पश्चिम बंगाल का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया। इससे पहले हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान वे पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव आयुक्त पद पर आसीन थे। उत्तर प्रदेश के निवासी और आईआईटी कानपुर से स्नातक मनोज कुमार अग्रवाल 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। अनुभव के मामले में वे प्रमुख अधिकारियों में से एक हैं। सोमवार को प्रशासनिक बैठक के दौरान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें नए पद पर नियुक्ति की घोषणा की। मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में हिंसा मुक्त चुनाव हुए हैं। चुनाव के बाद मनोज अग्रवाल को शुभेंदु अधिकारी सरकार में नई जिम्मेदारी मिली है।

उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्रियों ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर वैज्ञानिकों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत कई अन्य मंत्रियों और राज्यो के मुख्यमंत्रियों ने आज देश के सभी वैज्ञानिकों, अभियंताओं , नवप्रवर्तकों और शोधकताओं को शुभकामनाएं दी। उपराष्ट्रपति ने एक्स संदेश में कहा कि 1998 में इस दिन पोखरण परीक्षण रेंज में किए गए परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को भारत की उल्लेखनीय वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता से परिचित कराया, जो आत्मनिर्भरता और रणनीतिक ताकत की दिशा में देश की यात्रा में एक निर्णायक क्षण था। देश के लोगों की प्रतिभा और समर्पण के बल पर विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। भारत राष्ट्रीय विकास और मानवता की प्रगति के लिए नई उपलब्धियां हासिल करता रहा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि 11 मई 1998, वह ऐतिहासिक दिन, जब पोखरण (राजस्थान) की धरती से भारत ने दुनिया को अपनी वैज्ञानिक क्षमता, आत्मविश्वास और सामरिक शक्ति का परिचय कराया। पोखरान-क्क परमाणु परीक्षण आत्मनिर्भर, सशक्त और निर्णायक भारत के उदय की घोषणा थी। इस उपलब्धि ने भारत को विश्व मंच पर नई पहचान दिलाई और हमारी सुरक्षा, संप्रभुता एवं तकनीकी सामर्थ्य को मजबूती प्रदान की। बिरला ने कहा कि इस दिवस पर हम उन वैज्ञानिकों, इंजीनियर्स और हर उस भारतीय को नमन करते हैं.

तमिलनाडु विधानसभा सत्र : मुख्यमंत्री विजय के अंदाज, सत्ता-विपक्ष की नई तस्वीर और अन्नाद्रमुक की अंदरूनी कलह बनी चर्चा का केंद्र

एजेन्सी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद गठित 17वीं विधानसभा का पहला सत्र सोमवार सुबह 9:30 बजे शुरू हुआ। नई सरकार के गठन के बाद आयोजित इस महत्वपूर्ण सत्र में कुछ एक को छोड़कर सभी नवनिर्वाचित विधायकों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। सदन की कार्यवाही के दौरान सत्ता और विपक्ष के नए राजनीतिक समीकरणों के साथ-साथ अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) में बढ़ती अंदरूनी खींचतान भी चर्चा का प्रमुख विषय बनी रही। प्रोटेम स्पीकर करुप्पैय्या ने सदन की कार्यवाही शुरू करते हुए कहा कि जो विधायक किसी कारणवश सोमवार को शपथ नहीं ले सके, उन्हें मंगलवार को शपथ ग्रहण का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव मंगलवार को कराया जाएगा। इसके बाद दिनभर की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 सीटों में फिलहाल एक सीट रिक्त है। तिरुचिरापल्ली पूर्व सीट से विधायक चुने गए जोसेफ विजय के इस्तीफे के बाद सदन में 233 विधायक मौजूद रहे। इसके बाद सभी निर्वाचित सदस्यों ने विधिवत शपथ ग्रहण की प्रक्रिया पूरी की। विधानसभा सचिवालय की ओर से सभी विधायकों को अपने निर्वाचन प्रमाणपत्र साथ लाने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि मंत्री कीर्तना अपना विजय प्रमाणपत्र लाना भूल गईं, जिसके कारण वह विधायक के रूप में शपथ नहीं ले सकीं। वहीं के.सी. करुप्पनन भी गलत प्रमाणपत्र लेकर पहुंचने की वजह से शपथ प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए। इस बीच तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री जोसेफ विजय एक बार फिर अपने पहनावे को लेकर चर्चा में रहे। मुख्यमंत्री पद की शपथ के दौरान उन्होंने पारंपरिक सफेद शर्ट और वेष्टी के बजाय काले रंग का आधुनिक कोट-सूट पहनकर सबका ध्यान आकर्षित किया था। सोमवार को विधानसभा सत्र में भी वह उसी अंदाज में नजर आए। दरअसल, तमिलनाडु की राजनीति में लंबे समय से पारंपरिक परिधान का प्रभाव रहा है, लेकिन विजय की ह्लपावर ड्रेसिंगह्व शैली को आधुनिक राजनीतिक छवि के रूप में देखा जा रहा है। विधानसभा में उनके काले कोट-सूट की चर्चा राजनीतिक गलियारों में पूरे दिन होती रही।

शुभेंदु अधिकारी की पहली कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला, बीएसएफ को मिलेगी जमीन

एजेन्सी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की नवगठित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की पहली कैबिनेट बैठक सोमवार को राज्य सचिवालय नवान्न में हुई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य की प्रशासनिक दिशा, सुशासन, सीमा सुरक्षा, केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन और संवैधानिक शासन व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा की। पहली कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री शुभेंदु ने कई बड़े फैसले किए हैं। इनमें से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को बॉर्डर पर 45 दिनों में भूमि हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पूरी करने का बड़ा निर्णय शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ह्लसुशासन, सुरक्षा और डबल इंजन सरकारह्व की जो नई यात्रा शुरू हुई है, वह देश के अन्य भाजपा शासित राज्यों के विकास मॉडल का अनुसरण करेगी। उन्होंने संविधान निमार्ता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के 'जनता के लिए, जनता द्वारा और जनता की सरकार' के आदर्श को अपनाने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि नई सरकार लोगों की सुरक्षा, विश्वास और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। बैठक में राज्य के मतदाताओं, प्रशासन और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद और बधाई दी गई। इसके अलावा राजनीतिक हिंसा के दौरान जान गंवाने वाले पार्टी के 321 कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इन सभी के परिवारों की हर संभव सहायता करेगी और राजनीतिक हत्याओं में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सीमा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बीएसएफ को आवश्यक भूमि हस्तांतरित करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करने का निर्णय लिया गया। भूमि एवं राजस्व सचिव तथा मुख्य सचिव को अगले 45 दिनों के भीतर यह प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया है। कैबिनेट बैठक में पश्चिम बंगाल सरकार ने आधिकारिक रूप से आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने का भी निर्णय लिया है। स्वास्थ्य सचिव और मुख्यमंत्री कार्यालय के सलाहकार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ आवश्यक समझौते जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री किसान बीमा योजना, पीएम श्री, विश्वकर्मा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना सहित कई केंद्रीय योजनाओं में राज्य की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला अधिकारियों को सभी आवेदन शीघ्र केंद्र सरकार को भेजने का निर्देश दिया गया है। बैठक में प्रशासनिक सुधार के तहत आईएएस अधिकारियों को केंद्रीय प्रशिक्षण प्रणाली से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अनुरूप पश्चिम बंगाल को पूरी तरह समायोजित करने का निर्णय लिया गया है। युवाओं के रोजगार अवसर बढ़ाने के लिए सरकारी नौकरियों में आवेदन की अधिकतम आयु सीमा 5 वर्ष बढ़ाने का फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु ने कहा कि पिछली सरकार ने जनगणना संबंधी केंद्रीय गृह मंत्रालय के 16 जून 2025 के निर्देश को लंबे समय तक लागू नहीं किया था, लेकिन वर्तमान सरकार ने उसे तुरंत लागू कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह सरकार व्यक्तिवाद से नहीं, सिद्धांतों से चलेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्लडर आउट, भरोसा इनह्व संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि नई सरकार जनता के विश्वास, सुरक्षा और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं को बंद नहीं किया जाएगा, लेकिन उन्हें पारदर्शी तरीके से चलाया जाएगा। किसी मृत व्यक्ति, गैर-भारतीय या अवैध व्यक्ति को इन योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। मुख्यमंत्री ने पुनः आश्वासन दिया कि बीएसएफ के लिए आवश्यक सभी भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने अवैध घुसपैठियों के हित में केंद्र सरकार और अदालत के निदेर्शों की अनदेखी की थी। बैठक में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के अलावा राज्य कैबिनेट के सदस्य दिलीप घोष अग्निमित्र पाल निश्चित प्रमाणिक अशोक कीर्तनीय के अलावा पुलिस और प्रशासन के सभी आला अधिकारी मौजूद थे।

आजादी के सात दशक बाद भी उपेक्षाओं का दंश झेलने को विवश हैं दाहुदाग के ग्रामीण

हिमांशु-कृयास/ उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। जिले के चुरुचू प्रखंड अंतर्गत इंद्रा पंचायत का दाहुदाग गांव आज भी आधुनिक भारत की तस्वीर से कोसों दूर है। यह गांव आजादी के सात दशक बीत जाने के बाद भी उपेक्षाओं का दंश झेलने को मजबूर हैं। यहां के ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं के लिए आज भी संघर्ष कर रहे हैं। चारों ओर घने जंगलों और पहाड़ों की तलहटी में बसे इस गांव के लिए पक्की सड़क आज तक नसीब नहीं है, ग्रामीणों के लिए पक्की सड़क एक सपना बनकर रह गया है।

पक्की सड़क का अभाव, पगडंडी ही सहारा

ग्रामीणों का कहना है कि चरही रेलवे स्टेशन से मात्र सात किलोमीटर की दूरी पर स्थित होने के बावजूद इस गांव तक पहुंचने के लिए कोई सुरक्षित सड़क नहीं है। ग्रामीणों को ऊबड़-खाबड़ और पथरीली पगडंडियों से होकर गुजरना पड़ता है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब जंगली रास्ता चलने लायक नहीं रहता। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन से बार-बार गुहार लगाने के बावजूद आज तक किसी अधिकारी ने गांव की सुध लेना उचित नहीं समझा है।=

शिक्षा पर गहरा संकटः एक शिक्षक के भरोसे चल रहा विद्यालय

गांव के नव प्राथमिक विद्यालय की स्थिति भी दयनीय बना हुआ है। यहां कुल 28 बच्चे नामांकित हैं, जिन्हें पढ़ाने की जिम्मेदारी महज एक सहायक शिक्षक रिजुन महतो पर है। विद्यालय के चारों ओर घना जंगल होने के कारण छात्र-छात्राएं हमेशा डर के साये में रहते हैं। विद्यालय भवन भी जर्जर हो चुका है, जिसके कारण शिक्षक बच्चों को कमरे के भीतर बैठाने से भी डरते हैं।

नेटवर्क की समस्या और मानदेय पर रोक

तकनीकी युग में भी यह गांव नेटवर्क की समस्या से जूझ रहा है। आलम यह है कि नेटवर्क न होने के कारण सहायक शिक्षक अपनी बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज नहीं कर पाते हैं। विभागीय अधिकारियों को लिखित शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान अब तक नहीं हुआ, बल्कि उपस्थिति दर्ज न होने के कारण शिक्षक का सितंबर माह का मानदेय रोक दिया गया है।

पानी और बिजली का भी बुरा हाल

गांव के चापाकल खराब पड़े हैं, जिससे पेयजल की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों को पानी के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। बिजली की आपूर्ति भी भगवान भरोसे है। खराब चापाकल की मरम्मत न होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

क्या कहती हैं मुखियाः

इंद्रा पंचायत की मुखिया राधिका देवी ने बताया कि खराब पड़े चापाकल की जानकारी उन्हें मिली है और जल्द ही इन्हें दुरुस्त करवा दिया जाएगा। ताकि ग्रामीणों के बीच पानी की समस्या न हो।

एक नजर

जनता पेट्रोल बचाए और सरकार प्रचार में करोड़ों उड़ाए? — कांग्रेस का हमला

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया उपदेश पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि देश की जनता से बार-बार 'त्याग' मांगना दरअसल केंद्र सरकार की आर्थिक विफलताओं की स्वीकारोक्ति है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों को 'सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम खर्च करो, खाने का तेल और खाद की खपत घटाओ, मेट्रो में चलो और घर से काम करो' जैसी सलाह देना यह साबित करता है कि भाजपा सरकार आम लोगों को राहत देने में पूरी तरह विफल हो चुकी है। आलोक कुमार दूबे ने कहा कि यह कोई दूरदर्शी आर्थिक नीति नहीं बल्कि भाजपा सरकार की नाकामी का सार्वजनिक प्रमाण है। 12 वर्षों के शासन के बाद भी यदि प्रधानमंत्री जनता को यह समझाने में लगे हैं कि क्या खरीदना चाहिए, क्या नहीं खरीदना चाहिए, कहां जाना चाहिए और कहां नहीं जाना चाहिए, तो यह देश की अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार हर संकट का बोझ जनता पर डालने की राजनीति कर रही है। महंगाई बढ़े तो जनता कम खाए, पेट्रोल महंगा हो तो जनता कम चले, सोना महंगा हो तो जनता खरीदना छोड़ दे, विदेश यात्रा महंगी हो तो लोग घर बैठ जाएं– आखिर सरकार की जवाबदेही क्या है. दूबे ने कहा कि यदि कांग्रेस शासनकाल में ऐसी परिस्थितियां पैदा हुई होती तो भाजपा देशभर में आंदोलन, बंद और अराजकता फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ती। लेकिन आज जब देश की जनता रिकॉर्ड महंगाई, बेरोजगारी, टैक्स के बोझ और आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, तब केंद्र सरकार समाधान देने के बजाय उपदेश देने में व्यस्त है।

देश में 28 % यादव 12% व्यवसाय से जुड़े,खेती कृषि गोपालक शिक्षा स्वास्थ व्यवसाय एवं राजनीति क्षेत्र में अधिक भागीदारी प्रमुख लक्ष्य

आज धुर्वा स्थित पुराना विधानसभा हॉल में यदुवंशी महासम्मेलन सम्पन्न

इस दौरान समाजसेवी व संरक्षक नंदन यादव अध्यक्ष सुरेश राय श्रमिक नेता गोल्डन यादव पत्रकार सुनील यादव सेवानिवृत इंजीनियर देवबिहारी यादव सुधीर गोप विभाकर यादव रजनी यादव चंद्रिका यादव सहित कई गणमान्य दीप शामिल हुए ! कार्यक्रम के दौरान कैलाश यादव ने कहा कि राजा ययाति बड़े प्रतापी पराक्रमी थे ,यदु ने यादव जाति को अन्याय अधर्म बुराई के खिलाफ त्याग संघर्ष के पद पर चल कर समाज विश्व प्रसिद्ध हुए ! यादव का इतिहास कालांतर से है ऋग्वेद वेदपुराण गरुण पुराण में स्पष्ट जिक्र है ! ययाति से यादव और पुरु से पांडव दोनों यादव समाज से जन्म लिए ! यादव जाति का इतिहास राजवंश कृषक एवं गोपालक पशुपालक रहा है, गोपालक का मतलब सिर्फ गौ दुग्ध उत्पादक नहीं था बल्कि पशुपालक देवभूमि की रक्षा गौ माता की लक्ष्मी के में संपति समझ कर बचाना रहा है ! यादव कुल में जन्म लेने वाले आराध्य देव भगवान श्रीकृष्ण है जिनके आदर्श और संकल्पों पर चलने के लिए समाज प्रतिबद्ध है ! समय के अनुसार युग परिवर्तन हुआ सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों में काफी आगे रहे लेकिन संख्या अनुपात यादव समाज को भागीदारी नहीं मिली ! देश में लगभग 28 फीसदी यादवों की आबादी है जीने करीब 12 फीसदी लोग व्यवसाय से जुड़े हुए हैं उसके बावजूद बहुसंख्य समाज को समृद्ध लाभ नहीं है ! यादव ने कहा कि यादव का विकास और साथ लिए बगैर समृद्ध राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है,यादव को अनदेखी कर सत्ता की प्राप्ति नहीं हो सकती है ! यादव जाति का इतिहास गौरवशाली रहा है क्योंकि यादव ही क्षत्रिय है राजवंशी होने के बावजूद भी पशुपालक कृषक पेशा करते रहे हैं ! भारत के अलावा नेपाल मॉरिशस बांग्लादेश पाकिस्तान सिंध श्रीलंका कनाडा सिंगापुर रसिया अफगानिस्तान जैसे अनेकों मुल्कों में राजवंश का ग्लोबल इतिहास है ! हिंदू वंश की रक्षा मैसूर पैलेस देवगिरी विराट नगर द्वारका मथुरा वृंदावन कुरुक्षेत्र कांपिल्य विदर्भ मणिपुर जैसे तमाम स्थानों पर यदुवंश शासक थे!

इलाज का झांसा देकर महिला को चाईबासा ले गया पड़ोसी, तीन दिनों तक जंगल में बंधक बनाकर किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

टुण्डी : टुण्डी थाना क्षेत्र से मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है, जहाँ एक व्यक्ति ने अपनी ही पड़ोसी महिला को इलाज का बहाना बनाकर चाईबासा के जंगलों में ले जाकर हवस का शिकार बनाया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को धर दबोचा है और पीड़िता को मुक्त करा लिया है। जानकारी के अनुसार, रतनपुर पंचायत के विसनीपतरा गांव निवासी अनवर अंसारी (40 वर्ष), जो तीन बच्चों का पिता है, ने अपने पड़ोसी गांव कोकराद की एक 30 वर्षीय आदिवासी महिला को बेहतर उपचार दिलाने का झांसा दिया। विश्वास में लेकर वह महिला को चाईबासा ले गया। वहां कुमारडूंगी थाना क्षेत्र के एक सुनसान जंगल में स्थित खंडहरनुमा मकान में उसे तीन दिनों तक बंधक बनाकर रखा और उसके साथ लगातार दुष्कर्म किया। मौका मिलते ही पीड़िता ने किसी तरह अपने पति से संपर्क कर आपबीती सुनाई। पति ने तुरंत टुण्डी थाना प्रभारी को मामले की जानकारी दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी ने अवर निरीक्षक अगनू मुंडा एवं सहायक अवर निरीक्षक अनिता देवी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर चाईबासा भेजी। टीम ने छापेमारी कर आरोपी अनवर अंसारी को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया और महिला को सुरक्षित रेस्क्यू किया। पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म और एससी-एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं (87, 64(2)(m) B.N.S. एवं 3(1)(V) SC/ST Act) के तहत मामला दर्ज किया है। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

राजगंज के अवैध डिपो के बाहर हुई मौत का सौदा दलाल ब्यास ने 9 लाख में कराया

कतरास : राजगंज थाना क्षेत्र के डोमनपुर में एक अवैध कोयला डिपो के बाहर मिनी हाईवा से हुई मौत में मुआवजा भुगतान को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, राजगंज के डोमनपुर में एक कथित कोयका डिपो से निकल रही मिनी हाईवा वाहन के द्वारा मोटरसाइकिल सवार दुलाल कुम्हार को कुचल दिया गया था, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल देखा गया और स्थानीय लोग आंदोलन पर बैठ गए। इसी बीच, मामले में कथित तौर पर बिचौलिया की भूमिका निभाने वाला ब्यास नामक एक दलाल को लेकर चर्चा तेज हो गया है। सूत्रों के अनुसार उक्त दलाल आंदोलनकारियों के बीच समझौता कराता हुआ देखा गया। बताया जा रहा है कि मृतक की पत्नी फूल कुमारी को कुल 9 लाख रुपये मुआवजा दिया गया, जिसमें 4 लाख रुपये चेक के माध्यम से और 5 लाख रुपये नकद दिए गए। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर यह राशि किसने दी? भुगतान करने वाले लोग सामने क्यों नहीं आए? यहां तक कि सार्वजनिक रूप से किसी का नाम भी नहीं लिया गया। गिरीडीह सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी ने बताया कि मुआवजा राशि भट्ठा मालिक के द्वारा दिया गया। हालांकि उन्होंने मुआवजा राशि पर असंतोष जताते हुए कहा कि यह कोई दुर्घटना नही बल्कि हत्या है। उन्होंने क्षेत्र में चल रहे अवैध डिपो और अवैध माइंस पर कार्रवाई करने की मांग की।लोगों ने सवाल उठाया है कि कोयला तस्कर जिसके द्वारा अवैध डिपो का संचालन किया जा रहा है उस पर जांच एवं कार्रवाई क्यों नही हो रहा है। अब ये तो राजगंज पुलिस ही बता पाएगी कि क्या पुलिस किसी के दबाब में कार्रवाई नही कर पा रही है या फिर लक्ष्मी जी का प्रभाव के कारण पुलिस कार्रवाई करने में दिलचस्पी नही ले रही है।

मनियाडीह पुलिस ने 16 साल से फरार स्थायी वारंटी को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

टुंडी : मनियाडीह थाना पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने साल 2008 से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, पकड़ा गया अभियुक्त अनिल किस्कू उर्फ शनिचर किस्कू उर्फ मतला किस्कू, पिता- चरखु किस्कू, ग्राम- झिनाकी बाघमारा का रहने वाला है। वह जीआर संख्या 2118/2008 के एक मामले में पिछले 16 वर्षों से पुलिस की नजरों से बचकर फरार चल रहा था। न्यायालय द्वारा उसके विरुद्ध स्थायी वारंट निर्गत किया गया था। मनियाडीह थाना प्रभारी को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त वारंटी अपने घर के आसपास देखा गया है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए झिनाकी बाघमारा क्षेत्र में छापेमारी की और उसे धर दबोचा। पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद सोमवार को उसे धनबाद न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों के निष्पादन के लिए फरार वारंटियों की धरपकड़ का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय वर्ष 2026 में अकादमिक सत्र के नियमितीकरण के लक्ष्य की ओर अग्रसर

दिनांक 28 और 29 अप्रैल से डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में स्नातक, प्रथम सेमेस्टर और स्नातकोत्तर, प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रारंभ हो गई थी। लगभग 15 दिनों तक यह परीक्षा संचालित होने के उपरांत स्नातकोत्तर प्रथम की परीक्षाएं सम्पन्न हो गई। और स्नातक की परीक्षाएं 15 मई को समाप्त हो जाएंगी। आज इन्हीं प्रथम चरण की परीक्षाओं की समाप्ति के दृष्टिगत अपराह्न 2 बजे कुलपति डॉ. राजीव मनोहर ने विश्वविद्यालय में चल रही इन परीक्षाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लगभग 17 परीक्षा कक्षों में जाकर परीक्षा संचालन की व्यवस्था का अवलोकन किया । आज लगभग 1500 विद्यार्थियों ने स्नातक के सोशल अवेयरनेस पत्र की परीक्षा में भाग लिया। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा की प्रथम चरण की परीक्षा न सिर्फ सफलतापूर्वक संपन्न हुई, बल्कि इसी क्रम में विश्वविद्यालय प्रशासन ने गत दिनों संपन्न स्नातकोत्तर परीक्षाओं के परिणामों का प्रकाशन भी प्रारंभ कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमारा यह प्रयास है कि परीक्षाओं के समय पर होने और परीक्षा परिणामों के प्रकाशन से अधिकांश अकादमिक समस्याओं का निष्पादन हो जाएगा। कुलपति ११ राजीव मनोहर ने कहा कि इन परीक्षाओं के संपन्न होने के साथ ही काफी कम अंतराल पर स्नातक तृतीय और पंचम सेमेस्टर की परिक्षाओं का आयोजन विश्वविद्यालय की प्राथमिकता में है। उन्होंने आगे कहा कि यह सामूहिक प्रयास ही विश्वविद्यालय के सत्र नियमित करने की दिशा में सार्थक कदम सिद्ध होगा। मौके पर उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार नियमित अंतराल पर परीक्षाओं के आयोजन के साथ इस बात को भी सुनिश्चित करेगा कि आयोजित की जानेवाली परीक्षाओं का संपूर्ण पाठ्यक्रम परीक्षा के पूर्व पूरा हो और उनका परीक्षा परिणाम भी त्वरित प्रकाशित हो। विश्वविद्यालय में आगामी नए सत्र में नामांकन प्रक्रिया के पहले सत्र को नियमित कर लेने का विश्वविद्यालय का हरसंभव प्रयास रहेगा। अपने निरीक्षण के दौरान कुलपति राजीव मनोहर ने परीक्षा केंद्रों पर अनुशासन, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पुनः यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि आगामी 15 मई 2026 तक इन परिक्षाओं के संपन्न होने तक विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। यह जानकारी पीआरओ डॉ राजेश कुमार सिंह ने दी।

श्री आनंद मोहन ने सीएमपीडीआई में निदेशक (तकनीकी) के रूप में पदभार ग्रहण किया

रांची। श्री आनंद मोहन ने आज दिनांक 11 मई, 2026 को सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी) के रूप में पदभार ग्रहण किया। इससे पहले, उन्होंने कोल इंडिया की अन्य सहायक कंपनियों के साथ-साथ एनसीएल, सीसीएल और ईसीएल में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। श्री मोहन ने वर्ष 1989 में नेशनल इंस्टीच्यूट आफ टेक्नोलाजी कर्नाटका (एनआईटीके), सुरथकल से माइनिंग इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और उसी वर्ष अमलोहरी परियोजना, एनसीएल, सिंगरौली से अपना करियर शुरू किया। तत्पश्चात उन्होंने 2005 में इंडियन स्कूल आफ माइन्स, धनबाद से ओपन कास्ट माइनिंग में एम0टेक की उपाधि प्राप्त की और फर्स्ट क्लास माइन्स मैनेजर्स सर्टिफिकेट आफ काम्पीटेंन्सी (डीजीएमएस) भी हासिल किया जो उनकी तकनीकी दक्षता और वैधानिक विशेषज्ञता का प्रमाण है। 36 वर्षों से अधिक के अपने समृद्ध और विविध कोयला खनन क्षेत्र के अनुभव में श्री मोहन ने कोल इंडिया की विभिन्न सहायक कंपनियों में माइन प्लानिंग, कोर आपरेशन्स, परियोजना प्रबंधन, पुनर्वास, पर्यावरण प्रबंधन और डिजिटल परिवर्तन पहलों में गहरी विशेषज्ञता शामिल है। श्री मोहन ने प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अपने पेशेवर कौशल को समृद्ध किया है, जिनमें ओडीए कार्यक्रम के तहत यूनाइटेड किंगडम के वेल्स विश्वविद्यालय में पर्यावरण आकलन और प्रबंधन का प्रशिक्षण और उन्नत वैश्विक प्रबंधन कार्यक्रम शामिल हैं। इसके तहत उन्होंने तकनीकी अध्ययन के लिए कई यूरोपीय देशों का दौरा किया। वे इंस्टीच्यूशन आफ इंजीनियर्स (इंडिया) के फेलो और एमएमईएआई और एमजीएमआई दोनों के आजीवन सदस्य हैं। पदभार ग्रहण के साथ श्री मोहन सीएमपीडीआई के अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय विकास प्रभागों के साथ-साथ अन्य प्रमुख विभागों का भी नेतृत्व करेंगे।

एचईसी के कर्मियों को वेतन के बारे में पूछने पर मिल रही सस्पेंड करने की धमकी : यूनियन

रांची। एचईसी मजदूर संघ की बैठक यूनियन कार्यालय में एचईसी की समस्याओं को लेकर जीतू लोहरा की अध्यक्षता में सोमवार को हुई। बैठक में एचईसी में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों ने कहा कि वेतन और काम की स्थिति को लेकर सवाल पूछने पर उन्हें अटेंडेंस काटने और सस्पेंड करने की धमकी दी जा रही है। कर्मचारियों के अनुसार एचईसी में कई कर्मियों का 29 से 34 महीने तक का वेतन बकाया है। इसके बावजूद कर्मचारी पूरी निष्ठा और मेहनत से कारखाने में कार्य कर रहे हैं और उत्पादन को समय पर पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि वे अपने परिवार से हजारों किलोमीटर दूर बेहतर भविष्य और रोजगार की उम्मीद लेकर यहां आए थे, लेकिन आज स्थिति यह है कि परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। घर में आर्थिक संकट गहरा गया है और बच्चों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। कर्मियों ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने भेल से आए हुए प्रभारी निदेशकों से पूछा कि कारखाने में पर्याप्त काम कब आएगा और समय पर वेतन मिलने की व्यवस्था कब होगी, तो अधिकारियों ने कथित तौर पर कहा कि पेमेंट के बारे में सवाल नहीं करने को कहा।

शिव महापुराण कथा में उमड़ा आस्था का महासागर, आठ लाख श्रद्धालुओं ने सुनी कथा

रांची। श्री शिवाला सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में आज आस्था का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा। अनुमानतः लगभग आठ लाख श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर भगवान शिव की महिमा का रसपान किया। कथा स्थल ह्लहर-हर महादेवह्व एवं ह्लश्री शिवाय नमस्तुभ्यंह्व के जयघोष से गूंजता रहा। पूज्य गुरुदेव के ओजस्वी एवं भावपूर्ण प्रवचनों ने श्रद्धालुओं को भक्ति, आस्था और धर्म के प्रति गहराई से जोड़ दिया। आज की कथा में गुरुदेव ने विशेष रूप से पशुपति व्रत के महात्म्य का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि सच्चे भाव, श्रद्धा और विश्वास के साथ किया गया व्रत व्यक्ति के जीवन की बड़ी से बड़ी बाधाओं को दूर कर सकता है। इसी क्रम में उन्होंने अपने प्रसिद्ध संदेश 'एक लोटा जल, सब समस्याओं का हल' के माध्यम से कई प्रेरणादायक प्रसंग सुनाए। गुरुदेव ने धनबाद निवासी एक व्यक्ति की मार्मिक कथा सुनाई, जिसकी किडनी गंभीर रूप से खराब हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि उस व्यक्ति ने पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ पशुपति व्रत का पालन किया तथा भगवान शिव की कृपा से उसकी किडनी स्वस्थ हो गई। इस प्रसंग को सुनकर कथा स्थल पर उपस्थित श्रद्धालु भावुक हो उठे और पूरा पंडाल बाबा भोलेनाथ के जयकारों से गूंज उठा। इसके साथ ही गुरुदेव ने दो युवतियों का प्रसंग भी सुनाया, जो पुलिस सेवा की तैयारी कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जीवन में मेहनत आवश्यक है, लेकिन जब मेहनत के साथ भगवान शिव की कृपा जुड़ जाती है तो सफलता निश्चित हो जाती है। उन युवतियों ने कठिन परिश्रम के साथ शिव आराधना की और उन्हें सफलता प्राप्त हुई। गुरुदेव ने युवाओं को संदेश दिया कि परिश्रम और प्रभु भक्ति दोनों का संतुलन जीवन को ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। आज की कथा का सबसे भावुक क्षण तब आया जब एक दंपत्ति का उल्लेख किया गया, जिन्हें विवाह के पच्चीस वर्षों बाद पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। दंपत्ति बाबा से मिलकर अपनी भावनाएं व्यक्त करने पहुंचे थे। इस प्रसंग ने कथा स्थल पर उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं की आंखें नम कर दीं और वातावरण अत्यंत भावुक हो उठा। अपने प्रवचन में गुरुदेव ने कहा कि 'सिद्ध होना सरल है, लेकिन शुद्ध होना कठिन है।' उन्होंने बताया कि मनुष्य को केवल उपलब्धियों के पीछे नहीं भागना चाहिए, बल्कि अपने विचारों, व्यवहार और जीवन को शुद्ध बनाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान शिव पर अर्पित किया गया जल कभी व्यर्थ नहीं जाता। शिवलिंग पर चढ़ाए गए जल को लेकर उन्होंने कहा कि भगवान गणेश स्वयं उस भक्त की नैया पार लगाने का कार्य करते हैं, जो सच्चे भाव से भगवान शिव की आराधना करता है। कथा के दौरान गुरुदेव ने दुंदुभीनिर्ह्लाद वध प्रसंग का भी अत्यंत प्रभावशाली वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान विष्णु द्वारा हिरण्याक्ष के वध के बाद उसका पुत्र दुंदुभीनिर्ह्लाद अत्यंत क्रोधित हो गया और देवताओं से प्रतिशोध लेने लगा। वह जानता था कि देवता यज्ञों के बल पर शक्तिशाली रहते हैं, इसलिए उसने ऋषि-मुनियों और ब्राह्मणों पर अत्याचार करना शुरू कर दिया तथा धर्म को नष्ट करने का प्रयास किया। गुरुदेव ने कहा कि दैत्य दुंदुभी मायावी था और लोगों में भय फैलाने के लिए विभिन्न रूप धारण करता था। एक समय उसने बाघ का विकराल रूप धारण कर ब्राह्मणों पर आक्रमण किया। जब धर्म संकट में पड़ गया, तब भगवान शिव स्वयं शिवलिंग से प्रकट हुए और उस बाघ रूपी दैत्य का संहार कर दिया। कथा के अनुसार, जिस स्थान पर भगवान शिव ने दुंदुभीनिर्ह्लाद का वध किया, वहां उसकी भीषण दहाड़ पूरी सृष्टि में गूंज उठी और बाद में वहीं व्याघ्रेश्वर लिंग की स्थापना होने की मान्यता है। गुरुदेव ने श्रद्धालुओं को संदेश देते हुए कहा कि जब-जब अधर्म बढ़ता है और भक्त कष्ट में होते हैं, तब-तब भगवान शिव उनकी रक्षा के लिए प्रकट होते हैं। सत्य, श्रद्धा और भक्ति ही जीवन का वास्तविक मार्ग है। पूरे कथा स्थल पर भक्ति और आस्था का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।

मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण पर हाई कोर्ट सख्त, पुनर्वास और सुरक्षा व्यवस्था पर मांगी रिपोर्ट

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। रामगढ़ जिले के प्रसिद्ध मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण से जुड़े मामले में दायर अवमानना याचिका पर सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान रामगढ़ के उपायुक्त (डीसी) वर्चुअल माध्यम से अदालत में उपस्थित हुए और मंदिर परिसर से हटाए गए वेंडरों के पुनर्वास समेत श्रद्धालुओं की सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी तैयारियों की जानकारी दी। उपायुक्त ने अदालत को बताया कि मंदिर परिसर से हटाए गए 254 वेंडरों को पहले मंदिर के निकट अस्थायी रूप से पुनर्वासित किया जाएगा। इसके बाद उनके लिए दुकानें बनाकर स्थायी पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी, ताकि किसी भी दुकानदार को आजीविका संबंधी परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर में दरी बिछाने और पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही वन भूमि पर अवैध कब्जा कर दुकान चला रहे लोगों को हटाया जाएगा। अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि का उपयोग मंदिर के पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्यों में किया जाएगा। सुनवाई के दौरान उपायुक्त ने रजरप्पा मंदिर के पुनर्निर्माण से संबंधित मास्टर प्लान अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय देने का आग्रह किया। इस पर न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को निर्धारित करते हुए उस दिन भी उपायुक्त को उपस्थित रहने का निर्देश दिया। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने भैरवी नदी के डेंजर जोन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता जताई। न्यायालय ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि लोगों की सुरक्षा के लिए दो स्तरों पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए। अदालत ने निर्देश दिया कि तत्काल लो-लेवल बैरिकेडिंग की जाए, जबकि बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए हाई-लेवल बैरिकेडिंग की अलग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता भारत कुमार ने अदालत में पक्ष रखा। उल्लेखनीय है कि पिछली सुनवाई में जल संसाधन विभाग के सचिव ने अदालत को बताया था कि भैरवी नदी के डेंजर जोन में सुरक्षा व्यवस्था के लिए लगभग 50 लाख रुपये की लागत से बैरिकेडिंग का डीपीआर तैयार किया गया है। दरअसल, उच्च न्यायालय ने पूर्व में एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए थे। अदालत ने कहा था कि मंदिर के समीप स्थित भैरवी नदी तट पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण कई लोगों की मौत हो चुकी है। ऐसे में न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुरक्षित वातावरण और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। प्रार्थी ने अवमानना याचिका दायर कर 11 अगस्त 2023 को पारित आदेश के अनुपालन की मांग की है। उस आदेश में उच्च न्यायालय ने झारखंड सरकार, पर्यटन विभाग, झारखंड पर्यटन विकास निगम और रामगढ़ जिला प्रशासन को कई अनिवार्य निर्देश दिए थे। इन निर्देशों में मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, स्थायी स्नान घाटों का निर्माण, वस्त्र बदलने के कक्ष, शौचालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराना, अतिक्रमण हटाना तथा नदी के चौड़ीकरण जैसे कार्य शामिल हैं।

एक नजर

सांसद ने स्वास्थ्य संबंधी मांगों को लेकर मुख्य सचिव से की मुलाकात

खूंटी। कालीचरण मुंडा ने सोमवार को मुख्य सचिव अविनाश कुमार से मुलाकात कर खूंटी लोकसभा क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न जनहित और स्वास्थ्य संबंधी लंबित योजनाओं पर चर्चा की। इस दौरान सांसद ने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और अधूरी योजनाओं को शीघ्र पूरा कराने की मांग उठाई। सांसद कालीचरण मुंडा ने खूंटी लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने मुरहू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वार्ड और अतिरिक्त कमरों के निर्माण की मांग रखते हुए कहा कि जनहित एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को ध्यान में रखते हुए अस्पताल भवन का विस्तार जरूरी है। इसके अलावा सांसद ने सरायकेला-खरसावां जिले में प्रस्तावित 500 बेड अस्पताल के भवन निर्माण कार्य का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल का निर्माण कार्य 12 नवंबर 2011 को शुरू किया गया था और इसके लिए 25 एकड़ भूमि भी उपलब्ध कराई गई है, लेकिन वर्षों से योजना का कार्य बंद पड़ा हुआ है। सांसद ने मुख्य सचिव से इस परियोजना को पुनः शुरू करने शौर जल्द पूरा कराने के लिए समुचित कार्रवाई करने की मांग की। सांसद ने सिमडेगा जिले में स्वास्थ्य विभाग की बुनियादी सुविधाओं को बहाल करने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में भी आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। इन सभी मांगों को लेकर सांसद कालीचरण मुंडा ने मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपा। इस पर मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने आश्वस्त किया कि सभी लंबित कार्यों और योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मौके पर मुख्य रूप से शशि भूषण राय, नईमुद्दीन खान, विजय कुमार स्वांसी उपस्थित थे।

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के परीक्षा परिणाम पर उपायुक्त नाराज

खूंटी। उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने सोमवार को जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों एवं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम की समीक्षा की। समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक-शिक्षिकाएं, जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक उपस्थित थे। बैठक में इस वर्ष आयोजित 10 वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के परिणाम, उत्तीर्ण छात्रों की स्थिति, कंपार्टमेंटल परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों और आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय के परीक्षा परिणाम पर नाराजगी जताते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में सभी विषयों की नियमित और प्रभावी पढ़ाई कराई जाए, ताकि आगामी बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परिणाम प्राप्त हो सके। विशेष रूप से हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषयों पर अधिक ध्यान देने को कहा गया। साथ ही विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिया गया। उपायुक्त ने कंपार्टमेंटल परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए विशेष शैक्षणिक सहयोग और बेहतर मार्गदर्शन उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया, ताकि वे परीक्षा में सफल हो सकें।

मेहनत के बल पर प्रति वर्ष 3.5 आय अर्जित कर रहीं मनोरमा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

खूंटी। मुरहू प्रखंड की कुंजला पंचायत अंतर्गत ग्राम ईठे की रहने वाली मनोरमा टूटी आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन चुकी हैं। कभी आर्थिक अभाव और पारिवारिक कठिनाइयों से जूझने वाली मनोरमा ने अपने संघर्ष, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर न केवल अपनी जिंदगी बदली, बल्कि पूरे गांव की तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पति आनंद पाहन के निधन के बाद मनोरमा टूटी के सामने परिवार चलाने की बड़ी चुनौती थी। बीपीएल परिवार से होने के कारण बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी कठिन हो गया था। इसी दौरान ग्रामसभा में उनका चयन मनरेगा महिला मेट के रूप में किया गया, जिसने उनके जीवन को नई दिशा दी। लीड्स संस्था और प्रखंड प्रशासन की ओर से मिले प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और क्षमता विकास कार्यक्रमों से मनोरमा का आत्मविश्वास बढ़ा। उन्होंने वर्षों से बंजर पड़े खेत को उपजाऊ बनाने का संकल्प लिया और ग्रामीणों के साथ मिलकर सामूहिक आम बागवानी की योजना तैयार की। उनकी प्रेरणा से पांच किसानों ने सात एकड़ भूमि पर मनरेगा योजना के तहत आम बागवानी की शुरूआत की। मनोरमा की मेहनत और दूरदृष्टि रंग लाई और बंजर भूमि हरे-भरे बाग में बदल गई। वर्ष 2017 में इस बागवानी को बिरसा मुंडा आम बागवानी के नाम से पहचान मिली। इसका नामकरण तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने किया था। सात एकड़ में फैले इस बाग से आम और मौसमी सब्जियों की खेती के जरिए प्रतिवर्ष लगभग 03 लाख से 3.5 लाख रुपये तक की आय हो रही है। इसके साथ ही मनरेगा से बने डोभा और भूमि संरक्षण विभाग से निर्मित तालाब में मछली पालन कर वे करीब 01 लाख रुपये अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। मनोरमा टूटी की सफलता का प्रभाव पूरे गांव में देखने को मिला। उनके मार्गदर्शन से गांव में 70 एकड़ में बिरसा मुंडा आम बागवानी विकसित हुई, 41 तालाबों में मछली पालन शुरू हुआ और 38 परिवारों ने बकरी पालन को रोजगार का माध्यम बनाया।

ईसाई प्रार्थना सभा पर रोक लगाने की मांग, उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

खूंटी। तोरपा प्रखंड के दियांकेल स्थित एनओपीसी मैदान में 13 और 14 मई को प्रस्तावित ईसाई धार्मिक प्रार्थना सभा को लेकर विरोध शुरू हो गया है। इस संबंध में पारंपरिक आदिवासी संगठनों ने सोमवार को उपायुक्त खूंटी को ज्ञापन सौंपकर कार्यक्रम पर रोक लगाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि यह क्षेत्र अनुसूचित जनजातीय (आदिवासी) एवं पांचवीं अनुसूची क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां ग्राम सभा की स्वायत्तता, पारंपरिक रीति-रिवाज और आदिवासी संस्कृति को संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है। आरोप लगाया गया है कि प्रोफेट ब्रजिंदर सिंह मिनिस्ट्रीह्न द्वारा आयोजित इस प्रार्थना सभा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है तथा कार्यक्रम में शारीरिक बीमारियों, कर्ज, निराशा एवं बंधन से मुक्ति जैसे दावे किए जा रहे हैं। ज्ञापनकर्ताओं ने आशंका जताई है कि इस प्रकार के आयोजनों से आदिवासी समाज की पारंपरिक व्यवस्था, रूढ़ि-प्रथा और सांस्कृतिक पहचान पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि बाहरी धार्मिक गतिविधियों से धर्मांतरण जैसी गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है।

झारखंड ट्रेजरी घोटालाः भाजपा ने की सीबीआई जांच और श्वेत पत्र की मांग

रांची। झारखंड में सामने आए कथित ट्रेजरी घोटाले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य सरकार पर हमला बोला है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद आदित्य प्रसाद साहू ने सोमवार को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विभिन्न जिलों से ट्रेजरी के माध्यम से करोड़ों रुपये की अवैध निकासी की जो जानकारी सामने आ रही है, वह अत्यंत गंभीर और चिंताजनक है। आदित्य साहू ने कहा कि यह मामला संयुक्त बिहार के चर्चित पशुपालन घोटाले की याद दिलाता है और इसकी गंभीरता उससे भी अधिक हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि महालेखाकार (सीएजी) की रिपोर्ट से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि अनियमितताओं का दायरा काफी व्यापक है और इसमें केवल निचले स्तर के कर्मचारी ही नहीं, बल्कि प्रणाली से जुड़े प्रभावशाली लोगों की भूमिका भी हो सकती है। भाजपा ने राज्य सरकार की अब तक की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए हैं। पार्टी अध्यक्ष का कहना है कि सरकार केवल औपचारिक कदम उठाकर मामले को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ छोटे कर्मचारियों या पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी दिखाकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहती है, जबकि इस मामले में निष्पक्ष और व्यापक जांच की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में भाजपा ने राज्य सरकार से श्वेत पत्र जारी करने की भी मांग की है, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि किन जिलों में कितनी अवैध निकासी हुई, महालेखाकार ने किन अनियमितताओं की ओर संकेत किया और अब तक किन अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। आदित्य साहू ने मुख्यमंत्री से पांच प्रमुख सवालों के जवाब भी मांगे हैं। इनमें विभिन्न जिलों में दर्ज मामलों की जांच की स्थिति, ई-कुबेर पोर्टल में कथित छेड़छाड़, डीडीओ और ट्रेजरी अधिकारियों की भूमिका, ऑडिट प्रक्रिया तथा जांच समितियों की समयसीमा जैसे मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जिन अधिकारियों पर वित्तीय निगरानी और ऑडिट की जिम्मेदारी थी, वे ही अब सवालों के घेरे में हैं। उनका कहना है कि सरकार केवल ह्लजांच जारी हैह्व कहकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। अंत में उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार शीघ्र सीबीआई जांच की अनुशंसा करे, ताकि पूरे मामले का सच सामने आ सके और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

कोकर से लापता 18 माह की बच्ची के परिजनों से मिले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने सोमवार को रांची के कोकर स्थित खोरहा टोली रोड नंबर-02 से पिछले कई दिनों से लापता 18 माह की बच्ची के परिजनों से मुलाकात कर उनकी पीड़ा साझा की। उन्होंने पुलिस प्रशासन को 36 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि इस अवधि में बच्ची को सुरक्षित बरामद नहीं किया गया, तो भाजपा के कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

आदित्य साहू ने इस घटना को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस का भय समाप्त हो गया है और अपराधियों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। उनके अनुसार, राज्य में कानून का नहीं बल्कि अपराधियों का शासन दिखाई दे रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सरकार और पुलिस प्रशासन गंभीर नहीं हैं। अपराधियों की बढ़ती हिम्मत का आलम यह है कि खुलेआम धमकी भरे तरीके अपनाए जा रहे हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल बन रहा है। अब तक मासूम बच्ची का कोई सुराग नहीं मिलना अत्यंत चिंताजनक है।

आदित्य साहू ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार और पुलिस की ढिलाई के कारण एक मासूम की जिंदगी खतरे में है। उन्होंने मांग की कि इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आरोपितों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाए और बच्ची को सुरक्षित उसके परिवार तक पहुंचाया जाए। साहू ने कहा कि इससे पहले भी जगन्नाथपुर और ओरमांझी जैसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें जनदबाव और राजनीतिक हस्तक्षेप के बाद बच्चों की बरामदगी संभव हो सकी थी। यह स्पष्ट करता है कि त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से ही सकारात्मक परिणाम मिलते हैं।

आदित्य साहू ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी इस मामले को गंभीरता से ले रही है और पीड़ित परिवार के साथ पूरी तरह खड़ी है। न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा।

उन्होंने पुलिस से अपील की कि अपहरणकताओं को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाए। साथ ही, उन्होंने कोल्हान क्षेत्र में 13 महीनों में 106 युवतियों के लापता होने की खबरों का हवाला देते हुए कहा कि यह पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उनके अनुसार, पुलिस को अपने मूल कर्तव्यों पर ध्यान देना चाहिए ताकि राज्य में शांति और सुरक्षा बहाल हो सके।

इस मौके पर प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, विधायक सीपी सिंह, रांची की महापौर रोशनी खलखो, उप महापौर नीरज कुमार और महानगर अध्यक्ष वरुण साहू भी मौजूद रहे।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–गोखुल राम, उम्र–71 वर्ष, उँचाई–5 फीट 4 ईंच, रंग–गोरा,
पहनावा–नीला रंग का हाफ टी शर्ट पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति गोखुल राम, उम्र–71 वर्ष, पिता–गरीबा राम, महुगावॉ, थाना–चैनपुर, जिला–पलामु जो दिनांक–23.04.2026 को राँची रेलवे स्टेशन से बगैर बताए कहीं चले गए जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। जिसके संबंध में कॉके थाना सन्हा सं0–12/2026, दिनांक–25.04.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, मु0 प्रथम, राँची। –9431706141
थाना प्रभारी, कॉके, राँची। –9431706185

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची

PR 379519 (Police)26-27*D

ईश्वर की कृपा पाने के लिए निरंतर प्रयास, सेवा और समर्पण आवश्यक है : डॉ. पंडित मिश्रा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

–रांची में श्री शिव महापुराण कथा का सात दिवसीय भव्य समापन, हर हर महादेव के जयघोष से गूंजा सुकुरहुटू

रांची। रांची के सुकुरहुटू स्थित कथा स्थल पर श्री शिवाला सेवा समिति की ओर से आयोजित श्री शिव महापुराण कथा का सातवां एवं अंतिम दिन सोमवार को श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा के अद्भुत संगम के साथ संपन्न हुआ। सुबह से ही कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण ह्लहर हर महादेवह्व एवं ह्लश्री शिवाय नमस्तुभ्यंह्व के जयघोष से गूंज उठा।

अंतिम दिन की कथा प्रातः 8 बजे शुरू होकर साढ़े 11 बजे तक चली। इस दौरान श्रद्धालु पूरे समय मंत्रमुग्ध होकर पंडित प्रदीप मिश्रा के दिव्य प्रवचनों का श्रवण करते रहे। हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

अपने प्रवचन में पंडित प्रदीप मिश्रा ने माता-पिता, गुरु और भगवान शिव की सेवा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए कहा कि जो व्यक्ति सच्चे मन से इनकी सेवा करता है, उसे तुरंत शुभ फल प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि सेवा ही जीवन में सुख, शांति और सफलता का मार्ग है।

प्रदीप मिश्रा ने आगामी सिंहस्थ कुंभ का उल्लेख करते हुए श्रद्धालुओं को उज्जैन आने का निमंत्रण दिया। साथ ही बताया कि उज्जैन से सीहोर की दूरी लगभग 150 किलोमीटर है, जहां श्रद्धालु शिव भक्ति और सत्संग का लाभ ले सकते हैं। उनके इस आह्वान से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया।

साधना और प्रयास के महत्व को समझाते हुए उन्होंने कहा कि जैसे दूध को मथने पर ही माखन प्राप्त होता है, वैसे ही जीवन में सफलता और ईश्वर की कृपा निरंतर प्रयास, सेवा और समर्पण से ही मिलती है।

कथा के दौरान रांची के मौसम का उल्लेख करते हुए पंडित मिश्रा ने हल्के-फुल्के अंदाज में उसकी प्रशंसा की, जिससे पंडाल तालियों और ठहाकों से गूंज उठा। उन्होंने रांची की श्रद्धा और प्रेम की सराहना करते हुए पुनः यहां आने की इच्छा भी व्यक्त की।

प्रदीप मिश्रा ने अपने संदेश एक लोटा जल सभी समस्याओं का हलह्व को दोहराते हुए कहा कि सच्ची श्रद्धा और विश्वास के साथ भगवान शिव पर जल अर्पित करने से अनेक कष्ट स्वतः दूर हो जाते हैं।

भक्ति का वातावरण उस समय और अधिक भावविभोर हो गया जब उन्होंने ह्लदेर न लगाओ बाबा देर न लगाओ, पर्वत से भोले बाबा नीचे चले आओह्व भजन प्रस्तुत किया। इस दौरान पूरा पंडाल शिवमय हो उठा और श्रद्धालु भक्ति में झूमने लगे।

इस आयोजन के मुख्य यजमान विवेक कुमार एवं उनकी धर्मपत्नी विनीता देवी रहे, जिन्होंने विधिवत पूजन-अर्चन कर कथा का पुण्य लाभ प्राप्त किया। वहीं राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश भी कथा में शामिल हुए और आशीर्वाद प्राप्त किया। सात दिनों तक चले इस भव्य आयोजन ने रांची को पूर्णतः शिवमय बना दिया। समापन अवसर पर श्रद्धालु भावुक हो उठे और हर हर महादेवह्व के जयघोष के साथ कथा का भव्य समापन किया गया।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, रामगढ़
(समाज कल्याण शाखा)

इच्छा की अभिव्यक्ति
(Expression Of Interest)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि परियोजना निदेशक, झारखण्ड महिला विकास समिति, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 408/झा0म0वि0स0 दिनांक 25.08.2025 के आलोक में रामगढ़ जिला अन्तर्गत **भाक्ति सदन** का संचालन एवं उसके क्रियान्वयन हेतु इच्छुक अहर्त्ताधारी स्वयंसेवी संस्था/गैर सरकारी संस्था से प्रस्ताव आमंत्रित किया जाता है।

रामगढ़ जिला अन्तर्गत **भाक्ति सदन** का संचालन हेतु स्वयंसेवी संस्था/गैर सरकारी संस्था का चयन निम्न चार चरणों में किया जायेगा :–

(1) प्रथम चरण में विभागीय पत्रांक 408/झा0म0वि0स0 दिनांक 25.08.2025 में दिये गये शर्त तथा न्यूनतम आवश्यक कागजात Annexure I के अनुरूप समर्पित करना होगा, जिसका समीक्षोपरान्त सफल संस्था को इच्छा की अभिव्यक्ति (Expression Of Interest) के द्वितीय चरण में प्रवेश दिया जायेगा।
(2) द्वितीय चरण में विभाग द्वारा भौतिक सत्यापन हेतु निर्धारित प्रपत्र (Annexure II संलग्न) में भौतिक सत्यापन किया जायेगा, जिसमें **अधिकतम 40 अंक** देय होगा। भौतिक सत्यापन के क्रम में सफल संस्था हीं इच्छा की अभिव्यक्ति (Expression Of Interest) के अगले पड़ाव में भाग ले सकेंगे।
(3) इच्छा की अभिव्यक्ति (Expression Of Interest) का तृतीय चरण **Technical PPT** होगा, जिसमें संस्था को अपने संस्था एवं परियोजना प्रस्ताव से संबंधित **PPT** प्रस्तुत करना होगा। तृतीय चरण में **अधिकतम 30 अंक** देय होगा।
(4) इच्छा की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) का अंतिम भाग **Financial Bid** (Annexure III) होगा, जिसमें **अधिकतम 30 अंक** देय होगा।

सभी चरणों में देय अंक की विवरणी नीचे अंकित है :–

विवरणी	देय अंक
Physical Verification	40
Technical PPT	30
Financial Bid	30
कुल प्राप्तांक	100

भाक्ति सदन, रामगढ़ के संचालन हेतु संस्था का चयन कुल देय अंक 100 के विरूद्ध अधिकतम प्राप्तांक के आधार पर किया जायेगा।

सभी इच्छुक अहर्त्ताधारी स्वयंसेवी संस्था/गैर सरकारी संस्था के द्वारा उपलब्ध न्यूनतम 1000 Sqm आवासीय क्षेत्रफल का पूर्ण एवं स्पष्ट पता अलग मुहरबन्द लिफाफा में उपलब्ध करायेंगे। साथ हीं Annexure I, Annexure II तथा **Technical PPT** से संबंधित कागजात एवं दस्तावेज के लिए एक अलग मुहरबन्द लिफाफा तैयार करेंगे तथा **Financial Bid** (Annexure III) के लिए एक अलग मुहरबन्द लिफाफा तैयार करेंगे। दोनों लिफ़ाफे को एक बड़े मुहरबन्द लिफाफा में सीलबन्द कर अपना प्रस्ताव **जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, रामगढ़** को संबोधित करते हुए **स्थान– जिला समाज कल्याण कार्यालय, समाहरणालय ब्लॉक "बी" रामगढ़ में दिनांक 21.05.2026 को अपराह्न 05:00 बजे** तक हाथों–हाथ अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से समर्पित करना सुनिश्चित करेंगे। उसके उपरान्त प्राप्त प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जायेगा। सभी प्रस्ताव को **जिला समाहरणालय, ब्लॉक "ए" में अवस्थित सभागार** में **दिनांक 22.05.2026 को 10:30 am** बजे पूर्वाह्न/अपराह्न में मिशन शक्ति योजनान्तर्गत शक्ति सदन संचालन के निमित्त अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में गठित समिति के समक्ष स्वयंसेवी संस्था/गैर सरकारी संस्था के संस्थापक/सचिव की उपस्थिति में खोला जायेगा।

नोट :– उपरोक्त इच्छा कि अभिव्यक्ति के संबंध में विस्तृत जानकारी रामगढ़ जिला के वेबसाईट www.ramgarh.nic.in पर देखा जा सकता है।

ह०/–
उपायुक्त, रामगढ़

PR 379465 District(26-27).D

एनटीपीसी बादम कोल ब्लॉक और एमडीओ बीजीआर के अधिकारियों ने विस्थापित

प्रभावित रैयतों के साथ की बैठक

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बड़कागांव। एनटीपीसी बादम कोल ब्लॉक और एमडीओ बीजीआर के अधिकारियों के साथ एनटीपीसी आइटीआइ कॉलेज के सभागार भवन में सोमवार को एनटीपीसी बादम कोल ब्लॉक के विस्थापित और प्रभावित क्षेत्र के दर्जनों रैय्यतों के साथ बैठक की गई। जिसमें बादम, गोंदलपुरा, राउतपारा, अंबाजीत और बाबूपारा के रैयत शामिल हुए। बैठक में रैयतों ने गैर मजूरवा जमीन, शिक्षा स्वास्थ्य, बिजली और सड़क की समस्याओं को कंपनी के पदाधिकारीयों के समक्ष रखा। बहुत से सवालों का जवाब कंपनी के पदाधिकारी द्वारा गोल मटोल जवाब देने की कोशिश की गई। मौके पर ही रैय्यतों ने इसका विरोध भी किया। रैय्यतों ने जिला प्रशासन, एनटीपीसी और एमडीओ के साथ सम्मिलित बैठक की मांग रखी। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा के जमीन के बदले जमीन दिया जाए, 2013 भूमि अधिग्रहण कानून लागू किया जाए। गैरमजूरवा और रैयती भूमि को एक समान माना जाए। साथ ही ग्रामीणों ने कहा के सरकार को वन भूमि के लिए लगभग 44 लाख रुपए का भुगतान किया गया है तो रैयती जमीन को लगभग 24 लाख रुपए में क्यों मांगा जा रहा है? इन सब सवालों का जवाब एनटीपीसी के अधिकारी नहीं दे पाए। मौके पर एनटीपीसी के अधिकारियों ने कहा के रैयतों का जो भी मांग पत्र होगा वह जिला प्रशासन को दे दिया जाएगा। वही एनटीपीसी बादम कॉल ब्लॉक के ऐजीएम समित देव ने रैय्यतों को आश्वस्त कराया की बहुत जल्द जिला प्रशासन एनटीपीसी और एमडीओ के साथ रैय्यतों की मीटिंग कराई जाएगी। आगे श्री देव ने कहा कि रैयतों के साथ वार्ता सकारात्मक रहा इसी तरह का माहौल बनाकर हम लोग विस्थापित प्रभावित हर एक गांव और मोहल्ले में जाकर वार्ता करेंगे। बैठक में मुख्य रूप से एनटीपीसी बादम कॉल ब्लॉक के एजीएम माइनिंग एस आर मांझी, डीजीएम प्रणेश कुमार के अलावा एमडीओ बीजीआर कंपनी के जीएम पीपी सत्यनारायण और लाइजनिंग ऑफिसर दिवाकर विश्वकर्मा के अलावा विस्थापित प्रभावित क्षेत्र के रैयत शामिल थे।

एक नजर

ओरिया निवासी धर्मवीर साव के घर में बड़कागांव पुलिस ने चिपकाया इश्तिहार

बड़कागांव। बड़कागांव ओरिया निवासी धर्मवीर साव पिता स्वर्गीय सुखनचंद्रा साव हजारीबाग के घर बड़कागांव पुलिस इश्तिहार चिपकाया। धर्मवीर साव के विरुद्ध बड़कागांव थाना कांड संख्या 83/19 धारा 386/34 आईपीसी व 27 आर्म एक्ट के मामले में पिछले कई वर्षो से बड़कागांव पुलिस को तलाश थी। बड़कागांव थाना के एसआई छोटू उरांव के नेतृत्व में धर्मवीर साव के घर ढोल नगाड़ा बजाकर परिजनों के समक्ष इश्तिहार चिपकाया गया। मौके पर मुख्य रूप से एसआई छोटू उरांव के अलावा पुलिस जवान के सशस्त्र दल शामिल थें।

बीच-बचाव करने गए युवक पर चाकू से हमला, घायल

बड़कागांव। बड़कागांव भुईंया टोली में रविवार देर शाम करीब 7:30 बजे दो पक्षों के बीच हुए विवाद के दौरान बीच-बचाव करने गए एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। घटना में 26 वर्षीय जॉनसन राम, पिता जागेश्वर राम, गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अवस्था में उन्हें तुरंत बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।जानकारी के अनुसार जॉनसन राम को चेहरे एवं माथे पर चाकू लगी है। घटना की सूचना मिलते ही बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के निर्देशन में पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।घायल जॉनसन के भाई पंकज राम ने बताया कि भुईंया टोली स्थित पीपल पेड़ के पास कपिल भुईंया, राजा भुईंया एवं मुकेश राम के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो रहा था। इसी दौरान जॉनसन लोगों को शांत कराने और बीच-बचाव करने पहुंचे थे। आरोप है कि इसी बीच कपिल भुईंया ने जॉनसन पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उनके माथे और चेहरे पर गंभीर चोट लग गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सखी मंडल दीदियों को स्व-गणना की जानकारी

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत नयाटॉड पंचायत भवन में सखी मंडल की दीदियों के लिए स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को स्व-गणना की प्रक्रिया, उसके उद्देश्य तथा ऑनलाइन जानकारी दर्ज करने के तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।इस अवसर पर बीआरपी धनंजय दास, सीआरपी तनवीर आलम, जेएसपीएस के बीपीएम राम प्रकाश कुमार सहित कई महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे। सभी ने सखी मंडल की दीदियों को सरकार की योजनाओं एवं जनगणना प्रक्रिया से जुड़कर जागरूक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने कहा कि स्व-गणना के माध्यम से लोग स्वयं अपनी जानकारी सही एवं सरल तरीके से दर्ज कर सकते हैं, जिससे सरकारी आंकड़ों की पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित होगी।उक्त आशय की जानकारी अपर चार्ज पदाधिकारी इंदु शेखर प्रसाद ने दी।

तेज रफ्तार बाइक ने व्यक्ति को मारी टक्कर

दारू। दारू थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपचो में पेट्रोल पंप के पास सोमवार को एक तेज रफ्तार बाइक ने एक व्यक्ति को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान पिपचो निवासी महेंद्र राणा (50 वर्ष) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार महेंद्र राणा अपने घर से दारू थाना की ओर जा रहे थे। इसी दौरान गिरिडीह जिला के बेंगाबाद निवासी दो लोग बाइक से हजारीबाग की ओर जा रहे थे। इसी क्रम में बाइक ने महेंद्र राणा को पीछे से जोरदार धक्का मार दिया। महेंद्र राणा सड़क पर गिर पड़े, जिससे उनके माथे में गंभीर चोट आई। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और इसकी सूचना तुरंत दारू थाना को दी गई।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मृत्यंजय कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल इलाज के लिए हजारीबाग भेजवाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया।

करियातपुर में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

बरही। बरही थाना क्षेत्र के करियातपुर में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रदीप केशरी के रूप में हुई है। वह करियातपुर निवासी स्वर्गीय गोविंद केशरी के पुत्र थे। घटना के संबंध में बताया जाता है कि अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है और अंत्यपरीक्षण करवाकर परिजन को शव सौप दिया गया।

बरही में नई महिला थाना प्रभारी राधा रागिनी कुमारी का स्वागत

बरही। बरही महिला थाना की नई थाना प्रभारी राधा रागिनी कुमारी से सोमवार को जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान उन्हें बुके भेंट कर सम्मानित किया गया तथा नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं। महिला थाना परिसर स्थित कार्यालय में आयोजित मुलाकात कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि बरही पूर्वी मोतीलाल चौधरी, सांसद प्रतिनिधि बरही पश्चिमी भगवान केशरी, सागर चंद्रवंशी, अधिवक्ता अजीत चौधरी, मणिलाल चौधरी एवं अधिवक्ता राजेश चौधरी शामिल हुए। मौके पर उपस्थित लोगों ने महिला थाना प्रभारी राधा रागिनी कुमारी का स्वागत करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में महिला सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। वहीं थाना प्रभारी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्र में बेहतर पुलिसिंग एवं महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही।

पुर्व मंत्री आलमगीर आलम को मिली जमानत, लोगों ने दी बधाई

बड़कागांव। झारखंड प्रदेश के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को सर्वोच्च न्यायालय से जमानत मिलने पर बड़कागांव कांग्रेस अल्पसंख्यक ने खुशी जाहिर किया है।कांग्रेस के हाजी तबस्सुम खान ने आलमगीर आलम को जमानत मिलने पर खुशी व्यक्त करते हूए कहा कि आलमगीर आलम को फंसाकर जेल भेजा गया था।सत्य की जीत हुई है कानून पर पूरा भरोसा है जनता का विश्वास एवं संघर्ष का परिणाम है। बताते चले कि लगभग 2 साल बाद राहत मिला है। टेंडर कमीशन घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 15 मई 2024 को गिरफ्तार किए गए थे।और करीब दो वर्ष बाद 11 में 2026 को जमानत मिली।

सिकरी में शुरू हुआ सेंट जोसेफस स्कूल का नामांकन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बड़कागांव। एनटीपीसी एनएमएल के सिकरी साइट कार्यालय परिसर स्थित संत जोसेफस स्कूल में नर्सरी से कक्षा पांच तक नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस संबंध में आरएंडआर विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक कमलराम रजक ने जानकारी देते हुए कहा कि परियोजना प्रभावित ग्रामीण बच्चों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है।उन्होंने कहा कि एनटीपीसी परियोजना खनन कार्य के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी लगातार सराहनीय कार्य कर रही है। परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक सुब्रत कुमार दास की सकारात्मक सोच और दूरदर्शिता के कारण ग्रामीण बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।परियोजना प्रबंधन का उद्देश्य है कि बड़कागांव एवं हजारीबाग क्षेत्र के बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर झारखंड समेत पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाएं और क्षेत्र का नाम रोशन करें। उन्होंने बताया कि वर्तमान में परियोजना द्वारा नौ विद्यालयों में विकास एवं आधारभूत सुविधाओं के उन्नयन का कार्य भी कराया जा रहा है।एनटीपीसी प्रबंधन समय-समय पर समीक्षा बैठक कर क्षेत्र की आवश्यकताओं की जानकारी लेता है और ग्रामीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रहा है। एनटीपीसी ने परियोजना प्रभावित गांवों के अभिभावकों से अपील की है कि वे जल्द विद्यालय पहुंचकर अपने बच्चों का नामांकन कराएं और इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

500 बेड का कटकमसांडी अस्पताल बना भूत बंगला, डॉक्टर नदारद

इलाज के अभाव में तड़प रहे मरीज

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

कटकमसांडी। कटकमसांडी का 500 बेड वाला विशाल सरकारी अस्पताल इन दिनों बदहाली, लापरवाही और अव्यवस्था का प्रतीक बनता जा रहा है। करोड़ों रुपये की लागत से बने इस अस्पताल में जहां आधुनिक सुविधाओं और अत्याधुनिक जांच मशीनों का दावा किया जाता है, वहीं धरातल पर मरीजों को न डॉक्टर मिल रहे हैं और न ही समुचित इलाज। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह अस्पताल अब ह्लभूत बंगलाह्व बनकर रह गया है। रविवार को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को जब परिजन इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे तो उन्हें अस्पताल के अधिकांश कमरों में ताले लटके मिले। परिजन डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों की तलाश में इधर-उधर भटकते रहे, लेकिन घंटों तक कोई जिम्मेदार चिकित्सक मौजूद नहीं मिला। इस दौरान घायल मरीज दर्द से तड़पता रहा और परिजनों में आक्रोश एवं बेबसी साफ दिखाई दी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अस्पताल में हर महीने करोड़ों रुपये की सरकारी दवाइयां आती हैं, लेकिन मरीजों तक उनका लाभ नहीं पहुंच पाता। दवा के नाम पर केवल कुछ सामान्य टैबलेट देकर मरीजों को वापस भेज दिया जाता है। लोगों का कहना है कि चाहे बुखार हो, दर्द हो या अन्य गंभीर बीमारी – सभी को लगभग एक जैसी दवाइयां थमा दी जाती हैं।

अस्पताल में करोड़ों की लागत से लगी अत्याधुनिक जांच मशीनें भी शोपीस बनकर रह गई हैं। मशीनें मौजूद होने के बावजूद मरीजों को बाहर निजी जांच केंद्रों में महंगे टेस्ट कराने पड़ रहे हैं। इससे गरीब और जरूरतमंद मरीज आर्थिक बोझ झेलने को मजबूर हैं।

क्षेत्रीय लोगों ने अस्पताल प्रभारी डॉ. भूषण राणा की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद न तो जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान दे रहे हैं और न ही स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के बयान अक्सर सुर्खियों में रहते हैं, लेकिन कटकमसांडी अस्पताल की बदहाल व्यवस्था पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होना कई सवाल खड़े कर रहा है।

लोगों का कहना है कि यदि अस्पताल की दवाओं, मशीनों और बजट की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो बड़े स्तर पर अनियमितता और घोटाले का खुलासा हो सकता है। क्षेत्रवासियों ने स्वास्थ्य विभाग से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर

ईचाक: बरवां नदी में गिरी यात्रियों से भरी ई-रिक्शा, लगभग 8 यात्री घायल, दो की हालत नाजुक

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। जिले के ईचाक थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हुआ। यात्रियों से भरी एक इलेक्ट्रिक टोटो (ई-रिक्शा) अनियंत्रित होकर बरवां नदी में जा गिरी। इस दुर्घटना में टोटो पर सवार सभी आठ यात्री घायल हो गए हैं, जिनमें से दो की हालत अत्यंत गंभीर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, टोटो अलौंजा गांव से ईचाक बाजार की ओर जा रहा था। बरवां नदी पुल के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो से बचने के प्रयास में चालक ने नियंत्रण खो दिया। पुल पर सुरक्षा रेलिंग (गाइड वॉल) न होने के कारण वाहन सीधे नदी में जा गिरा।

रेस्क्यू और उपचार:
खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए सभी यात्रियों को नदी से बाहर निकाला। ईचाक थाना पुलिस की मदद से सभी घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, हजारीबाग में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, दो यात्रियों के सिर और सीने में गंभीर चोटें आई हैं।

प्रशासन के प्रति आक्रोश:
स्थानीय निवासियों में रेलिंग न होने को लेकर प्रशासन के प्रति भारी नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से रेलिंग की मांग की जा रही है, लेकिन ध्यान न देने के कारण यहां अक्सर हादसे होते रहते हैं।

सांढ़ विद्यालय में पानी की किल्लत, विद्यार्थियों को हो रही है परेशानी

पृथ्वीराज गुप्ता/ उज्जवल दुनिया संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड के सांढ़ पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय सांढ़ में पानी बोरिंग का मोटर एवं चापानल खराब हो जाने के कारण पानी की काफी किल्लत हो गई है जिससे विद्यालय के विद्यार्थियों , शिक्षकों एवं रसोईया दीदीयों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विद्यालय में 180 से अधिक बच्चे अध्यनरत है। प्रधानाध्यापक मनोज कुमार नायक ने बताया कि बताया गया कि आसपास से काफी दिक्कतों का सामना करते हुए पानी लाकर मध्याह्न भोजन बनाया जा रहा है।वहीं विद्यालय में बच्चों को पीने के लिए एवं शौचालय के लिए पानी नहीं उपलब्ध होने से काफी परेशानी हो रही है।परेशानी को देखते हुए विद्यालय प्रबंधन समिति ने मांग किया है कि जल्द से जल्द विद्यालय में डीप बोरिंग करवाया जाए ताकि पानी की समस्या दूर किया जाए।क्योंकि अनुमान लगाया जा सकता है कि इस मौसम में पानी की किल्लत है तो भीषण गर्मी में क्या होगा। मांग करने वालों में मुख्य रूप से विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रहलाद कुमार , सचिव मनोज कुमार नायक , उपाध्यक्ष आरती कुमारी , संयोजिका पूनम कुमारी , शिक्षक नर्सिंग प्रसाद दांगी, अयोध्या कुमार महतो , परमेश्वर कुमार , नंदकिशोर नारायण देव , उमेश प्रसाद दांगी , सबिता कुमारी , लक्ष्मी कुमारी , अंजू कुमारी , एसएमसी सदस्य प्रकाश कुमार , शिवनाथ प्रसाद दांगी , गुलशन कुमारी , रामअवतार कुमार , प्रमिला कुमारी , रेखा कुमारी एवं संगीता देवी सहित सैकड़ो लोग शामिल हैं।

जेबरा क्लब रामनगर हसनदाग में इंटर विलेज नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट सीजन-2 का भव्य आयोजन संपन्न

बरही। बरही प्रखंड के बेन्दगी पंचायत अंतर्गत जेबरा क्लब रामनगर हसनदाग में आयोजित एक दिवसीय इंटर विलेज नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट सीजन-2 का रविवार रात भव्य शुभारंभ हुआ। टूनार्मेंट का उद्घाटन हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल एवं बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने फीता काटकर किया। इस दौरान दोनों जनप्रतिनिधियों ने मैदान में बल्लेबाजी कर खिलाड़ियों और दर्शकों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के खेल आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का जरिया भी है। वहीं विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन आवश्यक है, जिससे युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें बेहतर भविष्य की दिशा मिलती है।

सात टीमों के बीच हुए रोमांचक मुकाबले
फ्रेंडशिप मैच के रूप में आयोजित इस टूनार्मेंट में कुल सात टीमों ने भाग लिया। पहला मुकाबला पारा 11 और निजी विद्यालय 11 के बीच खेला गया, जिसमें पारा 11 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। दूसरे मैच में कोबरा 203 वाहिनी ने पत्रकार 11 को 25 रन से हराया। तीसरे मुकाबले में उपमुखिया 11 ने प्लस टू 11 को छह विकेट से पराजित किया। वहीं चौथे मैच में पारा 11 ने सिद्धार्थ एकेडमी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल में कोबरा 203 वाहिनी ने मारी बाजी
फाइनल मुकाबला पारा 11 और कोबरा 203 वाहिनी के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कोबरा 203 वाहिनी ने आठ ओवर में 103 रन बनाए। टीम की ओर से भूषण कुमार ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 60 रन बनाए। जवाब में पारा 11 की टीम 68 रन पर सिमट गई और कोबरा 203 वाहिनी ने 35 रन से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम के कप्तान दीपक कुमार को विजेता शील्ड, जबकि रनर टीम पारा 11 के कप्तान योगेंद्र राणा को ट्रॉफी प्रदान की गई।

खिलाड़ियों को मिला सम्मान
टूनार्मेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार भूषण कुमार को दिया गया, जबकि प्लेयर ऑफ द सीरीज तनशिर अहमद बने। मोस्ट सिक्स और मोस्ट रन का खिताब भी तनशिर अहमद ने अपने नाम किया। मोस्ट विकेट का पुरस्कार गोविंदा को मिला। बेस्ट फील्डर संदीप यादव, बेस्ट रन आउट किशोर कुमार तथा बेस्ट कैच का पुरस्कार योगेंद्र राणा को प्रदान किया गया। वहीं मोस्ट फोर का खिताब अमरेश कुमार सिंह को मिला।

विकास के दावों के बीच प्यासा इटवा पत्थर, चुंआ के पानी से बुझ रही जिंदगी की प्यास

भास्कर झूले/ उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड के चानो और बनासो पंचायत के बीच बसा आदिवासी बहुल इटवा पत्थर गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में बदहाली की जिंदगी जीने को मजबूर है। एक ओर देश डिजिटल इंडिया, स्मार्ट गांव और विकास की नई इबारत लिखने का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर यह गांव आज भी पानी जैसी मूलभूत जरूरत के लिए संघर्ष कर रहा है। गांव की तस्वीर विकास के उन तमाम दावों पर सवाल खड़े करती है, जो मंचों और भाषणों में अक्सर सुनाई देते हैं। इटवा पत्थर गांव में सुबह की शुरूआत किसी रोजमर्रा की सामान्य दिनचर्या से नहीं, बल्कि पानी की जद्दोजहद से होती है। गांव की महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग हाथों में बाल्टी, डिब्बा और घड़ा लेकर गांव के एकमात्र चुंआ की ओर निकल पड़ते हैं। यही चुंआ ग्रामीणों की जिंदगी का सहारा बना हुआ है। पीने का पानी हो या दैनिक उपयोग, हर जरूरत इसी पानी से पूरी की जाती है। गर्मी के मौसम में हालात और भयावह हो जाते हैं, जब पानी की एक-एक बूंद के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस क्षेत्र ने कई जनप्रतिनिधियों को विधानसभा और संसद तक पहुंचाया, उसी क्षेत्र का यह गांव आज भी विकास की मुख्यधारा से कटा हुआ है।

शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा पर विशेष जोर

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्राथमिक, उत्क्रमित, 10+2 उच्च विद्यालय, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय, समर्थ विद्यालय, सीएम एक्सीलेंस स्कूल तथा पीएम श्री विद्यालयों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी विद्यालयों में पठन-पाठन की वर्तमान स्थिति, शिक्षकों की उपलब्धता, विभागीय कार्रवाई, सेवा संपुष्टि, स्थानांतरण, पदोन्नति एवं नामांकन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने विशेष रूप से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में नामांकन प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी एवं पात्रता आधारित बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी आवेदनों की बीईओ, बीआरपी एवं सीआरपी के माध्यम से विधिवत जांच (स्क्रुटनी) कराई जाए। साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी को पांच आवेदनों का चयन कर भौतिक सत्यापन कर जिला स्तरीय समिति के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने शिक्षकों की कमी वाले विद्यालयों में सहायक आचार्यों की पदस्थापना सुनिश्चित करने एवं शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने पर बल दिया। उन्होंने 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणामों में सुधार हेतु आवश्यक कदम उठाने, शिक्षकों के रेशनलाइजेशन कर उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा कक्षा 9वीं से 12वीं तक की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए एडीपीओ को वार्डन के साथ समन्वय स्थापित कर उप विकास आयुक्त को रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। सेवा सत्यापन एवं समय पर लेखा सत्यापन सुनिश्चित करने हेतु संबंधित स्थापना लिपिक, प्रधान लिपिक एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी को भी आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में शिक्षा विभाग से संबंधित न्यायालयीन मामलों की समीक्षा भी की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को स्थानांतरण एवं कक्षा 1 से 5 तक के एकल शिक्षक से जुड़े कार्यों के निष्पादन हेतु सभी बीपीओ को निर्देशित करने को कहा। अंत में उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने, स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित विद्यालय परिसर बनाए रखने तथा अनुमंडल पदाधिकारी को सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त के अलावे उपविकास आयुक्त रिया सिंह, सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन, जिला शिक्षा अधीक्षक आकाश कुमार, बीईओ, बीपीओ, वार्डन सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोल माइंस के एमडीओ त्रिवेणी सैनिक पर जबरन पेड़ काटने का आरोप

उज्जवल दुनिया संवाददाता

केरेडारी। केरेडारी प्रखंड के कंडा बेर बरियातू पंचायत में संचालित एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोल माइंस और एमडीओ त्रिवेणी सैनिक क्षेत्र में संचालित कोयला खनन के कारण लगातार सुर्खियों में है!! वर्तमान में एनटीपीसी नॉर्थ वेस्ट प्रबंधन और एमडीओ त्रिवेणी सैनिक कंपनी जबरन पेड़ काटने का आरोप बरियातू गांव के भू रैयतों ने लगाया है! रैयतों का आरोप है कि एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोल माइंस प्रबंधन और एमडीओ त्रिवेणी सैनिक प्रबंधन बगैर मुआवजा भुगतान के निजी जमीन पर लगे आम और महुआ के लगभग दो दर्जन फलदार पेड़ को काट दिया है! जिससे आहत हो कर भू रैयतों ने एमडीओ कंपनी त्रिवेणी सैनिक के पोकलेन मशीन को जब्त कर लिया है वहीं निजी जमीन पर ओबी डंप करने के कार्य को भी बंद करा दिया गया !वहीं भू रैयतों का आरोप ये भी है कि पूर्व में भी एनटीपीसी पकरी बरवाडीह नॉर्थ वेस्ट प्रबंधन और एमडीओ त्रिवेणी सैनिक बीते कई महीनों से निजी जमीन पर जबरन ओबी डंप करने का कार्य कर रही भू रैयतों द्वारा सांकेतिक रूप से विरोध किया गया था तो बैठकर वार्ता करने का आश्वाशन मिला था लेकिन काफी समय गुजर जाने के बाद भी कोई वार्ता नहीं हुआ पुनः कंपनी द्वारा जबरन फलदार पेड़ों की अंधा धुंध कटाई की जा रही है! जिसपर स्थानीय प्रशाशन और वन विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है !भू रैयतों का कंपनी प्रबंधन से मांग है कि कंपनी पहले जमीन पर लगे पेड़ पौधे और जमीन का मुआवजा भुगतान करे तभी आगे पेड़ कटाई और ओबी डंप करने का कार्य करे! वहीं उपरोक्त प्रकरण पर एनटीपीसी नॉर्थ वेस्ट प्रबंधन और एमडीओ त्रिवेणी सैनिक प्रबंधन से संपर्क करने पर संपर्क नहीं हो पाया !मौके पर, गन्दोरी साव गौतम साव भुनेश्वर साव जुगल साव चुरामन राणा अवधेश साव उर्फ बौना तीरथ साव राजेश साव समेत अन्य लोग मौजूद थे!

विभावि में प्लास्टिक के दायित्वपूर्ण व संवहनीय उपयोग पर कार्यशाला आयोजित

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में सोमवार को प्लास्टिक के संवहनीय तथा दायित्वपूर्ण उपयोग पर एक संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के विद्यार्थी विश्वविद्यालय परिसर में प्लास्टिक फुटप्रिंट का आकलन करने से संबंधित सर्वेक्षण में भाग लिया। विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा संचालित इस ऑनलाइन सर्वेक्षण में विद्यार्थियों से 21 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए। प्रत्येक प्रश्न के पांच उत्तर उपलब्ध कराए गए। इसमें से विद्यार्थियों को किसी एक उत्तर पर क्लिक करना था। इस सर्वेक्षण की जानकारी देते हुए वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ अविनाश कुमार ने बताया इसका उद्देश्य है विद्यार्थियों में प्लास्टिक के व्यक्तिगत उपभोग के प्रति जागरूक करना तथा प्लास्टिक के दायित्वपूर्ण उपयोग के प्रति संवेदीकृत करना। विशेषकर एकल उपयोग के प्लास्टिक सामग्री के खतरनाक परिणाम के प्रति सचेत करना। सर्वेक्षण में प्लास्टिक के दैनिक उपयोग से संबंधित प्रश्न सम्मिलित किए गए थे। जैसे की प्लास्टिक के बोतल, पैकेट, थैला तथा कटलरी के उपयोग की मात्रा पर प्रश्न पूछे गए थे। इसमें किचन तथा बॉथरूम एवं लॉन्ड्री में उपयोग किए जाने वाले सामग्री से संबंधित प्रश्न भी थे। होटल से मंगाए गए खाना तथा यात्रा के समय किए गए प्लास्टिक के उपयोग पर भी प्रश्न पूछे गए थे। राजनीति विज्ञान विभाग के चतुर्थ तथा प्रथम समसत्र के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इस ऑनलाइन सर्वेक्षण में भाग लिया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा, डॉ रीता कुमारी तथा डॉ अजय बहादुर सिंह ने इस सर्वेक्षण के संबंध में विद्यार्थियों को बताया। विभागीय शोधार्थी धर्मेंद्र कुमार, रवि कुमार विश्वकर्मा, महेंद्र पंडित, विकास कुमार रवि, प्रतीक कुमार, इनामुल अंसारी, जाकिर अंसारी तथा स्वाति कुमारी ने मौके पर तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराया।

जेबरा क्लब रामनगर हसनदाग में इंटर विलेज नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट सीजन-2 का भव्य शुभारंभ

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। जिले के बरही प्रखंड के बेन्दगी पंचायत अंतर्गत जेबरा क्लब रामनगर हसनदाग में आयोजित एक दिवसीय इंटर विलेज नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट सीजन-2 का रविवार रात भव्य शुभारंभ हुआ। टूनार्मेंट का उद्घाटन हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल एवं बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने फीता काटकर किया। इस दौरान सांसद और विधायक ने मैदान में बल्लेबाजी कर खिलाड़ियों एवं दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के खेल आयोजनों से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर मंच मिलता है। उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि अनुशासन, टीम भावना, ऊर्जा और आपसी भाईचारे को मजबूत करने का जरिया है। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देने का काम करते हैं। वहीं बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन बेहद जरूरी है। इससे युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे खेल के क्षेत्र में भी बेहतर भविष्य बना सकते हैं। उन्होंने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

फाइनल मुकाबले में कोबरा 203 वाहिनी ने मारी बाजी

फाइनल मैच पारा 11 और कोबरा 203 वाहिनी के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कोबरा वाहिनी 203 ने आठ ओवर में 103 रन बनाए। टीम की ओर से भूषण कुमार ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 60 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पारा 11 की टीम 68 रन पर सिमट गई। इस तरह कोबरा 203 वाहिनी ने 35 रन से शानदार जीत दर्ज कर टूनार्मेंट का खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम कोबरा वाहिनी 203 के कप्तान दीपक कुमार को विजेता शील्ड प्रदान की गई, जबकि रनर ट्रॉफी पारा 11 के कप्तान योगेंद्र राणा को दी गई। दोनों सेमीफाइनलिस्ट टीमों को भी शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जिला परिषद सदस्य प्रीति कुमारी, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी, मोतीलाल चौधरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष सह मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव, मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक, भाजपा युवा नेता आकाश जायसवाल, शिक्षक संजय दुबे, उपमुखिया मनोज उपाध्याय, श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य रोहित सिंह, समाज के अध्यक्ष डॉ. रामटहल साव, सचिव कपिल साव, उपसचिव दशरथ यादव, उपमुखिया अशोक राणा, पंसस प्रतिनिधि झमन यादव, कोषाध्यक्ष

केरेडारी में जनगणना प्रशिक्षण का कार्य संपन्न, मकान सूचीकरण का कार्य 16 मई से

उज्जवल दुनिया संवाददाता

केरेडारी। जनगणना के प्रथम चरण के मकान सूचीकरण के लिए पर्यवेक्षक और प्रगणकों का प्रशिक्षण 11 मई को केरेडारी प्रखंड सभागार में संपन्न हो गया। अब 16 मई से प्रगणक और पर्यवेक्षक घर-घर जाकर मकान सूचीकरण का कार्य शुरू करेंगे। यह चरण 14 जून तक चलेगा। मकान सूचीकरण जनगणना का प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 अप्रैल को प्रारंभ हुआ तथा 11 मई तक चला। वहीं 1 मई से 15 मई तक स्व-गणना का कार्य जारी है। 16 मई से फील्ड में वास्तविक जनगणना का पहला चरण शुरू हो जाएगा। प्रशिक्षणये के दौरान फील्ड ट्रेनर शिवचरण साहू तथा राजेश कुमार गुप्ता ने प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को बारीकी से प्रशिक्षित किया। सहायक चार्ज पदाधिकारी तैयब हुसैन ने प्रशिक्षण की समाप्ति पर सभी प्रशिक्षकों और प्रशिक्षणार्थियों को बधाई दी । उन्होंने कहा कि तय समयानुसार जनगणना का कार्य करना है। चार्ज जनगणना अधिकारी - सह - प्रखंड विकास पदाधिकारी, केरेडारी विवेक कुमार ने सभी कर्मियों से कहा कि जनगणना का कार्य अति महत्त्वपूर्ण कार्य है इसीलिए इसे ईमानदारी पूर्वक तथा पूरी निष्ठा से करेंगे!

दो दिवसीय वेदी कलश स्थापना कार्यक्रम संपन्न

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। श्री दिगंबर जैन मंदिर, बड़ा बाजार, हजारीबाग में आयोजित द्वि-दिवसीय स्वर्ण कलश स्थापना , श्री 1008 पार्श्वनाथ पूजन, संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज जी, आचार्य समय सागर जी, नगर गौरव मुनि श्री 108 प्रमाण सागर जी महाराज की पूजन पाठ बड़े अत्यंत भक्तिमय एवं धर्ममय वातावरण में सम्पन्न हुआ। जिनवाणी की मधुर स्वर लहरियों एवं भक्ति भाव से संपूर्ण मंदिर परिसर पावन बन गया। श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति एवं उल्लासपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम को अलौकिक स्वरूप प्रदान किया। सर्वप्रथम श्री जी का अभिषेक एवं शांति धारा से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। 1008 आदिनाथ भगवान की वेदी, वेदी पर कलश श्री देवेन्द्र सारिका इशु आसिका, हर्ष मयंक टोंग्या के द्वारा किया गया। वेदी पर सिंहासन श्रीमान् निर्मल कुमार अलका सेठी अडंगाबाद , कोलकात्ता के द्वारा किया गया। 1008 पार्श्वनाथ भगवान की वेदी पर मुख्य कलश स्वर्गीय किशन लाल जी प्रदीप सुलोचना संगीत निकिता प्रज्ञा काश्वी वैभवी वान्या सरल पारूल पाटनी विनायका परिवार को सौभाग्य प्राप्त हुआ।

मीडिया हेड विजय जैन लुहाड़िया ने कहा कि मंगल कलश की पावन बोली लेकर स्व किशन लाल जी प्रदीप सुलोचना विनायका परिवार ने धर्म प्रभावना का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है ।उनकी श्रद्धा, समर्पण और जिनशासन के प्रति भक्ति सचमुच अनुमोदनीय है ।समस्त जैन समाज की ओर से समस्त विनायका परिवार को हार्दिक साधुवाद, अनंत अनुमोदना एवं मंगलमय शुभकामनाएँ दी गई। अध्यक्ष नागेंद्र विनायका एवं महामंत्री संजय अजमेरा एवं पदाधिकारी गण ने कहा कि ऐसे पुण्य कार्यों से समाज में धर्म की ज्योति सदैव प्रज्ज्वलित रहती है। बगल में वेदी का कलश, ललीत प्रेमलता विनीत पायल विराज संकेत भावना दर्श अखिल मनीष उदंग निखिल कोमल निविद पंपी पोंपा लुहाडिया को प्राप्त हुआ। वेदी का साइड कलश धर्मचन्दजी उषा अविनाश नताशा अतुल वसुधा हितंकर दिव्यांश योशिता शेशिता विनायका को प्राप्त हुआ ।1008 नमिनाथ भगवान के तरफ का कलश दिलीप पुष्पा सुमित अमित अजमेरा को मिला। 1008 श्री चंद्रप्रभ भगवान के तरफ का कलश को राजकुमार गिनिया देवी असीत, अमृत, पवन रतन पाटनी को प्राप्त हुआ ।सिंहासन बड़ा ट्रे वाला मूल वेदी सुरेश जी सुधा सौरभ पाटोदी परिवार को प्राप्त हुआ ।पंचमेरू पांच भक्तगण को चढ़ाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ ।स्वर्गीय धर्मचंद जी पाना देवी अनिल किरण अतुल विपुल अदिधि निकिता अविका रितिका पाटनी, सुनील मनोज अजमेरा, मंगल चंद संजय संध्या रिया रारा, प्रेम विकास कपिल विनायका, स्वरूप चंद्र राजकुमारी देवी अजय लाली जयप्रकाश शिप्रा अमन सिद्धार्थ ओमिका वर्धा विनायका को प्राप्त हुआ। यंत्रराज विराजमान करने का सौभाग्य सुनील मनोज गुड़िया सम्यक विपुल अजमेरा को प्राप्त हुआ। श्री 1008 महावीर भगवान की वेदी की कलश विमल हेमा छाबड़ा एकता श्वेता चहक पूजा गम्या देशना को प्राप्त हुआ। वेदी पर सिंहासन श्री 1008 शांतिनाथ कुंथुनाथ अरनाथ जी की वेदी पर राजकुमार प्रेम दिलीप विकास मनीष यश ऋषभ विहान टोंग्या को प्राप्त हुआ। 1008 पार्श्वनाथ भगवान की वेदी पर श्री जी की शांतिधारा आनंद कुमार जी सुमन सुशील शोभा संजीव रूबी सौरभ प्रज्ञा मोक्ष विमान अजमेरा को सौभाग्य प्राप्त हुआ ।श्री जी की शांतिधारा विमला देवी संजय किरण दीपक नीलिमा विपिन सम्यक क्षितिज श्लोक प्रेरित छाबड़ा को प्राप्त हुआ।

श्री 1008 आदिनाथ भगवान की वेदी पर श्री हो कि शांतिधारा आनंद कुमार जी सुमन सुशील शोभा संजीव रूबी सौरभ प्रज्ञा मोक्ष विमान अजमेरा को प्राप्त हुआ। द्वितीय शांतिधारा राजकुमार गिनिया देवी असीत, अमृत, पवन रतन पाटनी को प्राप्त हुआ ।श्री 1008 श्री महावीर भगवान की वेदी पर पहली शांतिधारा श्रीमती अंजना देवी राजेश मुकेश ललित सीमा मीणा मिलि संभव ऋषभ श्रेयांश बिट्ठू अनु ठोल्या को प्राप्त हुआ ।दूसरी शांतिधारा श्रीमान् महेश समता प्रणव सोनम वैभव मान्या प्रासुक एसि ईशान पद्मावती पोरवाल को प्राप्त हुआ। पीछे परिसर में 1008 श्री शांतिनाथ भगवान की वेदी में प्रथम शांति धारा करने का सौभाग्य श्री प्रदीप सुलोचना संगीत निकिता प्रज्ञा कसवी ,वैभवी विनायका सरल पारूल पाटनी को प्राप्त हुआ।

एक नजर

एनएमएल सीबीसीएमपी सीडी-सीएसआर पहल के तहत आयोजित

केरेडारी। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) की चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना द्वारा सामुदायिक विकास-निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, केरेडारी में स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

कटकमसांडी के पाबरा गांव में 68 वर्षीय वृद्ध दंपति बदहाल, आवास व पेंशन से वंचित

कटकमसांडी। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पाबरा में रहने वाले 68 वर्षीय किशोरी राणा अत्यंत दयनीय स्थिति में जीवन यापन कर रहे हैं। गरीबी और बीमारी की मार झेल रहे इस वृद्ध दंपति की हालत दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है, लेकिन अब तक उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल सका है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, किशोरी राणा पहले महाराष्ट्र के नागपुर शहर में रहकर दैनिक मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनकी और उनकी पत्नी की तबीयत अक्सर खराब रहने लगी, जिसके कारण उन्हें काम छोड़कर लगभग एक वर्ष पूर्व अपने पैतृक गांव पाबरा लौटना पड़ा।गांव लौटने के बाद उनकी स्थिति और भी दयनीय हो गई है। वर्तमान में यह वृद्ध दंपति किसी अन्य व्यक्ति के घर में आश्रय लेकर जीवन बिता रहे हैं, क्योंकि उनके पास अपना स्वयं का घर नहीं है। आर्थिक तंगी के कारण वे न तो अपना घर बना पा रहे हैं और न ही नियमित इलाज करा पा रहे हैं।ग्रामीणों के अनुसार, किशोरी राणा ने कई बार स्थानीय मुखिया एवं संबंधित अधिकारियों को अपनी समस्या से अवगत कराया है, लेकिन अब तक उन्हें न तो प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल पाया है और न ही वृद्धावस्था पेंशन की सुविधा प्राप्त हो सकी है। इससे वे काफी निराश और हताश हैं। अपनी व्यथा से परेशान होकर अंततः उन्होंने पत्रकारों के माध्यम से अपनी समस्या को प्रशासन तक पहुंचाने की कोशिश की है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए शीघ्र जांच कर उन्हें आवास और पेंशन जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि वे सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें।

मातृ दिवस के अवसर पर वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन ने लगाया रक्तदान शिविर: निर्मल जैन

हजारीबाग। रविवार को मातृ दिवस के अवसर पर वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन ने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों एवं रक्त की कमी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया ।शिविर का शुभारंभ एसोसिएशन के नियमित रक्तदाता निलेश जैन ने रक्तदान कर शिविर का शुभारंभ किया, तत्पश्चात दीपक यादव ,युवराज दास, आदित्य कुमार, अभिषेक मेहता ,आर्यन कुमार, ए आनंद ,मोहम्मद आमिर, श्याम सुंदर प्रजापति, गौतम कुमार ,शैलेश दुबे ,संजीत गुप्ता ,कैलाश प्रसाद ,महेश राणा ,अमन कुमार ,मोहम्मद समीर ,संजय साहू ,उमानाथ, आनंद चक्रम ,विनय यादव, रामदास मुंडा एवं प्रतीक गोप आदि अनेक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया रक्तदान के पश्चात वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्लड मैन निर्मल जैन ने समस्त रक्त दाताओं के उज्जवल भविष्य की? कामना करते हुए उनके इस नेक कार्य के लिए बहुत-बहुत साधुवाद किया। साथ ही रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। श्री जैन ने कहा कि यूं तो साल के 365 दिन मातृ दिवस के रूप में मनाना चाहिए, चुकि दुनिया में मां ही है जो प्रत्येक दिन अपने पुत्र की प्रगति चाहती है ।वह चाहती है कि हमारा पुत्र हमेशा स्वस्थ और मस्त है पर मैं देखता हूं बहुत से ऐसे पुत्र होते हैं जो आवश्यकता पड़ने पर,अपनी मां के लिए रक्तदान नहीं करना चाहता है, पर मां अपने पुत्र के लिए, रक्तदान करने के लाइक नहीं होने के बावजूद ,अपना रक्तदान करना चाहती है। इसीलिए कहा जाता है कि पुत्र कुपुत्र हो सकता है पर माता विमाता नहीं हो सकती। शिविर को सफल बनाने में एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन, महासचिव विनीत छाबड़ा, कोषाध्यक्ष विनीत अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य निलेश छाबड़ा एवं मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर, टेक्नीशियन एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

चौपारण: मौत की घाटी में एक साथ 05 गाड़ियों के बीच हुई जबर्दस्त टक्कर

हजारीबाग। हजारीबाग के चौपारण के दनुआ घाटी एक बार फिर बड़े सड़क हादसे का गवाह बना है। जिले में ह्यमौत की घाटीह्न के नाम से मशहूर इस खतरनाक घाटी में रविवार की रात रफ्तार ने ऐसा कहर बरपाया कि एक के बाद एक कुल 05 वाहन आपस में टकरा गयी, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।

जबर्दस्त हुई वाहनों के बीच टक्कर

हादसा इतना भयावह था कि टक्कर की आवाज दूर तक सुनाई दी। देखते ही देखते घाटी में लंबा जाम लग गया और लोग दहशत में आ गये।

हजारीबाग: सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 96% अंक प्राप्त कर, नगर निगम के चालक के बेटे ने लहराया

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। कहते हैं कि अगर हौसलों में उड़ान हो, तो आर्थिक तंगी की बेड़ियां खुद-ब-खुद टूट जाती हैं। इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है। हजारीबाग नगर निगम के दैनिक चालक मुकेश प्रजापति के बेटे इश्मित राज ने। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर (कुमार टोली) के इस छात्र ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 96% अंक हासिल कर पूरे शहर को चौंका दिया है।

पिता का संघर्ष, बेटे का संकल्प

मुकेश प्रजापति नगर निगम में मात्र 16 हजार रुपये के मासिक वेतन पर काम करते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने इश्मित की पढ़ाई की लौ को बुझने नहीं दिया। अब बेटे की नजरें आईआईटी की दहलीज पर हैं। सोमवार को नगर निगम यूनियन के अध्यक्ष विवेक कुमार वाल्मीकि के नेतृत्व में आयोजित एक समारोह में इस 'सुपर स्टूडेंट' को सम्मानित किया गया।

सिर्फ सम्मान नहीं, समाधान भी, यूनियन उठाएगी शिक्षा का खर्च

सम्मान समारोह के दौरान अधिवक्ता सह यूनियन अध्यक्ष विवेक कुमार वाल्मीकि ने स्पष्ट किया कि इश्मित की प्रतिभा अब पैसों की कमी के कारण नहीं रुकेगी। उन्होंने इसके लिए तीन स्तरीय योजना पेश की है।

संवैधानिक अधिकार: अनुच्छेद 46 के तहत आर्थिक रूप से पिछड़े मेधावी छात्रों को विशेष सरकारी मदद दिलाने की कानूनी पैरवी।

ई-कल्याण का सहारा: पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप और सरकारी फंड्स के माध्यम से आईआईटी की कोचिंग का इंतजाम। निगम कल्याण कोषः नगर निगम के नियमों के तहत मिलने वाली छात्रवृत्ति का लाभ दिलाने के लिए यूनियन सक्रिय रहेगी।

निगम कर्मियों ने दी बधाई

इस मौके पर निगम कर्मियों ने इश्मित को कंधों पर उठा लिया। समारोह में दीपक गोस्वामी, गौतम राम, अहमद राजा और वीरू यादव सहित कई कर्मचारियों ने शिरकत की और इश्मित को हजारीबाग का 'भावी इंजीनियर' बताया।

चीरा चास मामले में सांसद ढुलू महतो ने पुलिस पर लगाया पक्षपात का आरोप

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

निष्पक्ष जांच नहीं होने पर भाजपा ने आंदोलन की दी चेतावनी

बोकारो। चीरा चास थाना क्षेत्र के नंदुस्थान स्थित एक जिम में हुई मारपीट की घटना को लेकर राजनीति तेज हो गई है। सोमवार को बोकारो स्थित संसदीय कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में ढुलू महतो ने पुलिस प्रशासन पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाया। सांसद ने बताया कि 1 मई को जिम केंद्र में दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। मामले में पीड़ित पक्ष के हर्ष पांडेय की शिकायत पर 2 मई को चीरा चास थाना कांड संख्या 37/26 दर्ज किया गया, जिसमें महताब अंसारी, आरिफ अंसारी समेत 10 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के नौ दिन बाद भी किसी नामजद अभियुक्त की गिरफ्तारी नहीं हुई। वहीं दूसरी ओर, आरिफ अंसारी द्वारा 5 मई को दर्ज कराए गए कांड संख्या 38/26 में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हर्ष पांडेय और दिव्य मिश्रा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सांसद ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के दबाव में की गई। पत्रकार वार्ता में सांसद ने कहा कि मंत्री के कथित सार्वजनिक बयान के बाद बोकारो जिले में तनाव का माहौल बना हुआ है। उन्होंने दावा किया कि हर्ष पांडेय का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है, जबकि आरिफ अंसारी के खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में मामले दर्ज हैं। सांसद ने आरोप लगाया कि कुछ लोग सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बोकारो पुलिस प्रशासन से मांग की कि चीरा चास कांड संख्या 37/26 के सभी नामजद आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी की जाए तथा कांड संख्या 38/26 की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए। सांसद ने चेतावनी दी कि यदि निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो भारतीय जनता पार्टी सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र राज, पूर्व जिलाध्यक्ष जयदेव राय, रोहित लाल सिंह, रामलाल सोरेन, विनोद गोराई, वीर भद्र सिंह, अर्चना सिंह, मुकेश राय, श्याम गुप्ता, विनेश नायक, मंटू राय, परमेश्वर अग्रवाल, अमर स्वर्णकार, एंजेला सिंह, अरविंद राय, विक्की राय, ब्रजमोहन दुबे, बबलू चौबे, कुलदीप महत्ता, त्रिपुरारी नाथ तिवारी समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

अवैध बालू खनन एवं परिवहन पर जीरो टॉलरेंस के तहत करें कार्रवाई : उपायुक्त

जिले के जिन 07 बालू घाटों में से 02 बालू घाटों की स्वीकृति समेत अन्य क्लियरेंस प्राप्त हो गई है, उसे जल्द शुरू कराएं

बिना नंबर इस्तेमाल हो रहे ट्रैक्टरों के विरूद्ध अभियान चलाकर डीटीओ को कार्रवाई का दिया निर्देश

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स (डीएमटीफ) की बैठक हुई। बैठक में जिले में संचालित खनन गतिविधियों, अवैध बालू खनन एवं परिवहन की रोकथाम, वैध बालू घाटों के संचालन, खनिज संपदाओं की सुरक्षा तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को लेकर विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिले में अवैध बालू खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अवैध खनन से राजस्व की क्षति होने के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन भी प्रभावित होता है, इसलिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ अभियान चलाकर कार्रवाई करें। वन विभाग एवं प्रशासनिक समन्वय से हो कार्रवाई बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वन विभाग द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन नियमित रूप से प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि वन विभाग, पुलिस प्रशासन, परिवहन विभाग एवं जिला प्रशासन संयुक्त रूप से अभियान चलाएं ताकि अवैध गतिविधियों पर व्यापक नियंत्रण स्थापित किया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित छापेमारी अभियान चलाने एवं कार्रवाई की प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। स्वीकृति प्राप्त बालू घाटों को जल्द कराएं संचालित बैठक में जिला खनन पदाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि जिले के कुल 07 बालू घाटों में से 02 बालू घाटों को स्वीकृति सहित अन्य आवश्यक क्लियरेंस प्राप्त हो चुकी है। इस पर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी औपचारिकताएं शीघ्र पूरी करते हुए दोनों घाटों का संचालन जल्द प्रारंभ कराया जाए, ताकि आम जनता एवं निर्माण कार्यों के लिए वैध रूप से बालू की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। बिना नंबर प्लेट संचालित ट्रैक्टरों पर चलाएं विशेष अभियान उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि बिना नंबर प्लेट अथवा अवैध रूप से संचालित ट्रैक्टरों एवं वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि कई मामलों में बिना पंजीकरण वाले वाहनों का उपयोग अवैध खनिज परिवहन में किया जाता है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने नियमित वाहन जांच अभियान चलाने एवं दोषी वाहन मालिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। 46 वाहन जब्त, 12 प्राथमिकी दर्ज, 1.25 लाख जुमार्ना वसूला गया बैठक के क्रम में जिला खनन पदाधिकारी रवि कुमार ने टास्क फोर्स द्वारा की गई कार्रवाई की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 18 दिसंबर 2025 से 13 मार्च 2026 तक चलाए गए विशेष अभियान के दौरान बालू, पत्थर एवं कोयला से संबंधित कुल 301.825 खनिज जब्त किए गए हैं।

पेंचक सिलाट चैम्पियनशिप में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

एग्यारकुंड। मोराबादी इंडोर स्टेडियम में आयोजित द्वितीय रांची जिला पेंचक सिलाट चैम्पियनशिप 2026-27 का आयोजन उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। रांची जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में टांडिंग, तुंगल, गंडा, रेगु एवं सोलो इवेंट्स में करीब 170 बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पेंचक सिलाट केवल एक खेल नहीं, बल्कि आत्मरक्षा, अनुशासन और मानसिक एकाग्रता का उत्कृष्ट माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति को आत्मरक्षा की तकनीक सीखना जरूरी है और पेंचक सिलाट इसके लिए सबसे प्रभावी खेलों में से एक है।उन्होंने कहा कि जहां फुटबॉल और क्रिकेट जैसे खेलों को अधिक पहचान मिलती है, वहीं पेंचक सिलाट जैसे खेल समाज में आत्मविश्वास, सजगता और साहस विकसित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस खेल के प्रचार-प्रसार के लिए सरकार से वार्ता कर इसे गांव-गांव तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही एसोसिएशन के लिए स्वयं का भवन उपलब्ध कराने की दिशा में भी पहल करने की बात कही।इस दौरान उन्होंने गुजरात के आनंद में आयोजित राष्ट्रीय पेंचक सिलाट प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रांची जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन के अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि झारखंड के खिलाड़ी अब इस खेल में तेजी से अपनी पहचान बना रहे हैं।

वार्ड 10 में स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग, नगरवासियों ने महापौर को सौंपा ज्ञापन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पुटकी। वार्ड संख्या 10 के नगरवासियों ने क्षेत्र में व्याप्त अंधेरे और लोगों को हो रही परेशानियों को लेकर धनबाद महापौर को सामूहिक हस्ताक्षरयुक्त आवेदन सौंपकर विभिन्न स्थानों पर स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई प्रमुख मार्गों एवं बस्तियों में स्ट्रीट लाइट नहीं रहने के कारण शाम ढलते ही अंधेरा छा जाता है, जिससे दुर्घटना एवं असामाजिक गतिविधियों की आशंका बनी रहती है। नगरवासियों द्वारा जिन स्थानों पर स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की गई है, उनमें भागाबांध फाटक से केंदुआडीह बस्ती तक, बरारी कोक मध्य विद्यालय से बशीर मोड़ चौक तक, बीएनआर रेलवे फाटक वार्ड संख्या 10 सीमा प्रारंभ से भागाबांध पोस्ट ऑफिस तक, पुटकी बजरंग भोग आटा चक्की से कच्छी बलिहारी पारसबनी बस्ती तक, बलिहारी बस्ती बड़ोकुली सरस्वती मंदिर से साउथ बलिहारी रेलवे फाटक तक तथा बड़ोकुली ठाकुर टोला से भागाबांध रेलवे फाटक तक का क्षेत्र शामिल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन इलाकों में स्ट्रीट लाइट लगने से राहगीरों एवं स्थानीय निवासियों को काफी सहूलियत मिलेगी। ज्ञापन में जदयू नगर अध्यक्ष धनलाल दुबे, सोनू रवानी, पार्वती देवी, सूरज राजभर, क्रांति कुमार, निताई कुमार दास, के पी ठाकुर सहित कई नगरवासियों के हस्ताक्षर शामिल हैं।

ईस्ट बसुरिया क्षेत्र में खेल मैदान के समीप बड़े पर्दों से घेराबंदी कर चलाया जा रहा अवैध कोयले का कारोबार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

धनबाद। कतरास स्थित ईस्ट बसुरिया क्षेत्र में बड़े पैमाने पर खुलेआम अवैध कोयला कारोबार जारी है। हैरानी की बात यह है कि दिन-रात बेखौफ तरीके से यह अवैध कारोबार संचालित हो रहा है, लेकिन अब तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुआ , कि यह अवैध कारोबार मुख्य सड़क से महज लगभग 500 गज की दूरी पर संचालित हो रहा है। जिस स्थान का उपयोग पहले बच्चे खेल मैदान के रूप में करते थे, वहां अब पूरी तरह अलग माहौल बन चुका है। मैदान के आसपास भारी-भरकम वाहनों और बड़ी गाड़ियों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। तेज रफ्तार वाहनों के कारण बच्चों और आसपास रहने वाले लोगों में भय का माहौल है। ईस्ट बसुरिया चेक पोस्ट के पीछे बच्चों के खेल मैदान के समीप साफ देखा जा सकता है कि बड़े - बड़े पर्दों से घेराबंदी कर अवैध कोयले का कारोबार चलाया जा रहा है। कि इस अवैध कारोबार के कारण प्रशासन की छवि भी धूमिल हो रही है। वहीं धनबाद एसएसपी महोदय लगातार अवैध कारोबार पर रोक लगाने के प्रयास में जुटे हैं, लेकिन कुछ कोयला माफिया प्रशासन की आंखों में धूल झोंककर इस कारोबार को संचालित कर रहे हैं। इधर अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग संघ के जिला अध्यक्ष रत्नेश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हेमंत सोरेन, झारखंड पुलिस, धनबाद पुलिस, रागिनी सिंह एवं उक्तञ्ज को टैग करते हुए अवैध कोयला कारोबार पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

पिट्स विद्यालय में मातृ चरण दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

विद्यार्थियों ने दी मॉ की शक्ति, संघर्ष, प्रेम तथा उत्साह को सलामी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बोकारो। विद्यालय सभागार में सुबह 9 बजे से कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य , समन्वयक तथा माताओं के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात प्राचार्य महोदय ने अपने स्वागत भाषण तथा उद्बोधन में सभी माताओं को सर्वप्रथम स्वागत किया?। साथ ही साथ आभार प्रकट भी किया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उनकी उपस्थिति अत्यंत सराहनीय है । उन्होंने मां शब्द पर बल देते हुए कहा कि माँ ही बच्चे की पहली गुरु होती है। मातृ चरण पूजन दिवस मनाने का उद्देश्य बच्चों में संस्कार, सेवा और सम्मान की भावना जागृत करना है। माता-पिता के आशीर्वाद के बिना जीवन अधूरा है।

कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। विद्यार्थियों ने 'माँ' की महिमा पर आधारित एक सामूहिक गीत प्रस्तुत किया । उसके बाद सप्तम द की छात्रा वर्षा कुमारी ने हृदय को छूने वाली, भाव विभोर करने वाले शब्दों का प्रयोग कर मां के संघर्ष तथा प्रेम का वर्णन अपने वक्तव्य के माध्यम से लोगों के सामने रखा। पुनः कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों के द्वारा एक मनमोहक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई

मुख्य आकर्षण 'मातृ पूजन' रहा, जिसमें बच्चों ने अपनी माताओं के चरण धोए, चंदन-तिलक लगाया, पुष्प अर्पित किए, मिठाई खिलाया और आशीर्वाद लिया। इस मार्मिक दृश्य ने उपस्थित सभी लोगों को भाव-विभोर कर दिया। कई माताओं की आंखें खुशी से छलक उठीं।

उपस्थित माताओं ने अपनी भावनाओं को शब्दों में बांधकर विद्यार्थियों के समक्ष रखा। उन शब्दों में बच्चों के प्रति प्रेम,उत्साह ओर कर्तव्यों के प्रति अपेक्षा का वर्णन किया । उन्होंने विद्यालय के इस कार्यक्रम को बहुत सराहा और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यालय में होते रहने चाहिए ताकि बच्चे अपनी संस्कृति से जुड़े रहे।

संपूर्ण कार्यक्रम का मंच संचालन सप्तम के छात्र अक्षत कुमार तथा छात्रा विन्सी प्रीत ने किया । विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष माननीय अरिंदम दास गुप्ता तथा आई पी एल ओरिका के महाप्रबंधक (एम सी एम) माननीय अभिषेक विश्वास ने संयुक्त रूप से अपने संबोधन में कहा,₹माँ ही बच्चे की पहली पाठशाला और पहली गुरु होती है। उसके चरणों में सम्पूर्ण तीर्थों का वास है। मातृ चरण दिवस मनाने का हमारा मुख्य उद्देश्य बच्चों में 'मातृ देवो भव' की भावना जागृत करना है। आज की व्यस्त जीवनशैली में बच्चे अक्सर माता-पिता के त्याग को भूल जाते हैं। इस तरह के आयोजन उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। हम सभी विद्यार्थियों से आह्वान करते है कि वे न केवल आज, बल्कि जीवनभर अपनी माँ का सम्मान करें, उनकी सेवा करें।

अंत में सप्तम द्वदञ्ज के छात्र समृद्धो राय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।कार्यक्रम का समापन मिष्ठान्न वितरण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ।

एक नजर

नावाडीह में मनाया गया नेशनल टेक्नोलॉजी डे

नावाडीह। मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से आदर्श ग्राम विकास सेवा समिति द्वारा सोमवार को देवी महतो स्मारक इंटर महाविद्यालय नावाडीह में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस (Natiofal Techfology Day) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को आधुनिक तकनीक के सकारात्मक उपयोग एवं नवाचार के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य दिनेश प्रसाद वर्णवाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युग तकनीक का युग है। तकनीक का सही उपयोग शिक्षा, रोजगार और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे तकनीक का उपयोग सकारात्मक कार्यों एवं ज्ञानवर्धन के लिए करें। आदर्श ग्राम विकास सेवा समिति के सचिव बासुदेव शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस हमें विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों की याद दिलाता है। युवाओं को नई तकनीकों को सीखकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।प्रशिक्षक असगर हुसैन ने विद्यार्थियों को तकनीक के सही एवं सुरक्षित उपयोग की जानकारी देते हुए कहा कि सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग सोच-समझकर करना चाहिए। उन्होंने साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन शिक्षा एवं डिजिटल जागरूकता पर भी विस्तार से जानकारी दी। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पंकज कुमार, द्वितीय स्थान नसरे अहमद एवं तृतीय स्थान अंजली कुमारी रही, तीनों विजेताओं को मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया । मौके पर भुवनेश्वर महतो, प्रेम कुमार, मदन महतो, युवराज रंजन, संदीप कुमार, सत्येंद्र कुमार, साहिल कुमार, कृष्णा कुमार, लक्ष्मी कुमारी, कुमकुम कुमारी, उषा कुमारी, रीया कुमारी सहित महाविद्यालय विद्यालय के शिक्षकगण एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

बोकारो में 47 किलो गांजा बरामद, बिहार भेजने की थी तैयारी

बोकारो। बोकारो पुलिस ने अवैध गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बीएस सिटी थाना क्षेत्र के नया मोड़ बस स्टैंड से करीब 47 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि बस के माध्यम से गांजा बिहार भेजने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी। इसके बाद उनके निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक नगर आलोक रंजन के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने नया मोड़ बस स्टैंड स्थित पवन सूत बस पड़ाव के चबूतरे पर संदिग्ध हालत में रखे दो प्लास्टिक के बोरों की जांच की। तलाशी के दौरान 47 पैकेट में बंधा कुल 47 किलो गांजा बरामद किया गया। मामले में संलिप्त दो व्यक्तियों की पहचान कर ली गई है। इस संबंध में बीएस सिटी थाना कांड संख्या 89/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(सी) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। फिलहाल पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

संभावित गर्मी को लेकर निरसा सीओ का निर्देश, 15 मई से गांवों में टैंकर से होगी पेयजल आपूर्ति

एग्यारकुंड। संभावित भीषण गर्मी एवं पेयजल संकट को देखते हुए सोमवार को निरसा अंचल कार्यालय परिसर में निरसा क्षेत्र के औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निरसा अंचल अधिकारी विक्रम आनंद ने की।बैठक में विभिन्न गांवों में टैंकर के माध्यम से नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।बैठक के दौरान अंचल अधिकारी विक्रम आनंद ने सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों को निर्देश देते हुए कहा कि 15 मई से क्षेत्र के जरूरतमंद गांवों में हर हाल में पेयजल आपूर्ति शुरू कर दी जाए, ताकि गर्मी के मौसम में ग्रामीणों को जल संकट का सामना न करना पड़े।बैठक में सहमति बनी कि एमपीएल की ओर से चार टैंकर, ईसीएल की ओर से दो टैंकर तथा अंकुर बायोकेमिकल की ओर से दो टैंकर के माध्यम से जलापूर्ति की जाएगी। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि मधुरेंद्र गोस्वामी ने एमपीएल द्वारा निर्मित बंद पड़े सोलर पानी टंकियों को अविलंब चालू कराने की मांग उठाई। साथ ही उन्होंने ईसीएल द्वारा अब तक टैंकर आपूर्ति की टेंडर प्रक्रिया पूरी नहीं किए जाने पर नाराजगी भी व्यक्त की।बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी इंद्रलाल औहदार,प्रखंड प्रमुख आशा कुमारी दास, एमपीएल के उदय कुमार सिंह एवं रश्मि पी. लकड़ा, ईसीएल के चिरंजीव दास एवं संजीव कुमार, अंकुर बायोकेमिकल के सावन कुमार शर्मा सहित कई अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय हड़ताल को लेकर हो रही है तैयारी : एके झा

धनबाद। राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन(इंटक) के महामंत्री ए के झा ने प्रेस विज्ञप्ति माध्यम से बताया कि इंटक सहित सभी श्रमिक संगठनों ने संयुक्त रूप से यह निर्णय लिया है कि कोयला उद्योग सहित अन्य सभी उद्योगों में वेतन बढ़ोतरी का निर्णय भारत सरकार तुरन्त ले। मजदूर आंदोलन में गिरफ्तार किए गए सभी श्रमिकों और पदाधिकारीयों को अविलंब बिना शर्त के रिहा किया जाए। उन पर दर्ज मुकदमे को वापस लिया जाए। मजदूर विरोधी, उद्योग विरोधी पूंजीवाद समर्थक लेबर कोड को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। मजदूर संगठनों, मजदूर प्रतिनिधियों के साथ इस विषय पर वार्ता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर त्रिपक्षीय संवाद तुरन्त बुलाई जाए।

स्वामी वी. आई. इंटरप्राइजेज के लिए प्रकाशक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं मुद्रक एस. एच. प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातू, रांची -835222 द्वारा झारखंड से मुद्रित एवं एसटी-663/664, न्यू एसटी चौक, धुर्वा, रांची से प्रकाशित, संपादकः मानवेन्द्र कुमार सिंह (खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) : फोन नं. 8709022665, PRGI N0. - JHAHIN/2014/59794

एक्सपायर होने के बाद भी काम आएंगी ये चीजें

एक्सपायर चीजें भी घर में कई तरह से काम आती है। कई लोग हैं जो खाने-पीने से लेकर दवाई जैसी चीजों के एक्सपायर होने पर इसे फेंक देते हैं।

हर घर में अक्सर खाने-पीने से लेकर मेकअप जैसी कई चीजें एक्सपायर हो जाती है। लेकिन यह प्रोडक्ट इतने ज्यादा महंगे होते हैं कि इन्हें फेंकने पर बहुत ज्यादा दुख होता है। इसलिए आपके लिए हम कुछ ऐसे हेक्स लेकर आए हैं, जिसे जानने के बाद आप कभी एक्सपायर चीजों को फेकेंगे नहीं। क्योंकि आप इसे एक्सपायर होने के बाद भी इस्तेमाल कर सकते हैं। एक्सपायर प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने के लिए आपको कुछ टिप्स फॉलो करने होंगे। कई बार होता है कि आप घर में कई प्रोडक्ट हर दिन यूज नहीं कर पाते। मेकअप के भी ऐसे कई प्रोडक्ट हैं, जो एक्सपायर होने के बाद आप उसका इस्तेमाल किसी कीमत पर नहीं कर सकते। ऐसा इसलिए, क्योंकि इससे आपके स्किन पर प्रभाव पड़ सकता है।

- आप इन एक्सपायर प्रोडक्ट से बच्चों के लिए पेंट बॉक्स तैयार कर सकते हैं।
- इसके लिए सबसे पहले आप लिप्सिटिक को एक बर्तन में निकाल लें।
- अब आप इसे अच्छे से पीसकर इसमें हल्का पानी मिला लें।
- ध्यान रखें इसका पेस्ट गाढ़ा बनाना है। इसके बाद आप इसे पेंट बॉक्स में डाल सकती हैं।
- फेस पाउडर से भी आप कलर तैयार कर सकते हैं।
- इसका गाढ़ा पेस्ट तैयार कर आप पेंट बॉक्स के लिए क्रीम कलर तैयार कर सकते हैं।

एक्सपायर कफ सिरप का इस तरह करें इस्तेमाल

- एक्सपायर कफ सिरप भले ही आपके सेहत के लिए फायदेमंद नहीं होगा। लेकिन यह आपके घर को चमकाने के लिए बेहद काम आएगा। आप कफ सिरप का प्रयोग किचन सिंक और बाथरूम के बेसिन को साफ करने के लिए कर सकते हैं।
- इसके लिए आप कफ सिरप में एक चम्मच नींबू का रस और एक चम्मच नमक मिलाकर अच्छे से मिला लें।

- इसके बाद आप इसे बेसिन और सिंक पर डालकर ब्रश की मदद से रगड़ें।
- इसके बाद अच्छे से पानी से धो लें।
- ऐसा करने से बेसिन और सिंक का पीलापन खत्म हो जाएगा।
- यह बेसिन को साफ करने का आसान तरीका है।

एक्सपायर चायपत्ती का इस तरह करें इस्तेमाल

- यह चांदी को चमकाने का आसान तरीका है।
- इसके लिए आपको एक छोटे बर्तन में एक कप पानी लेना है।
- इसमें एक चम्मच चायपत्ती मिलाकर उबाल लें।
- अब गैस बंद करके पानी हलका ठंडा हो जाए, तो इसमें अपनी पायल डालें।
- 10 मिनट तक पानी में पायल को रहने दें।
- इसके बाद पायल को पानी में से निकालकर साफ कपड़े या ब्रश की मदद से रगड़े।
- ध्यान रखें कि आपको हल्के हाथ से रगड़ना है।
- ऐसा करने से चांदी के पायल पर लगी गंदगी साफ हो जाती है।

सास बनना नहीं है इतना आसान

सास-बहू का रिश्ता सबसे अनोखा माना जाता है। यह रिश्ता प्यार, सम्मान और समझदारी पर टिका होता है, लेकिन कई बार यह चुनौतियों से भी भरा होता है।

एक मां से सास बनना आसान नहीं होता है। इस दौरान कई बदलाव आते हैं। कोई भी नया रिश्ता चुनौतियों और जिम्मेदारियों का एक नया सेट लेकर आता है। सास बनने का मतलब है कि परिवार की गतिशीलता में एक नई भूमिका निभाना। खास बात यह है कि इसे निभाना हर मांओ के लिए चैलेंजिंग होता है। इसी के साथ चलिए रिलेशनशिप एक्सपर्ट आशमीन मुंजाल से इन चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

रिश्तों में संतुलन का डगमगाना

एक नई सास के रूप में कई बार माताएं अपनी बहू से अच्छी तालमेल नहीं बना पाती हैं। हालांकि, ये गलती कई बार बहू के तरफ से भी की जा सकती है। ऐसे में, रिश्ते में बैलेंस नहीं बन पाता है और दोनों को लड़ाई-झगड़े आदि का शिकार होना पड़ता है।

अपेक्षाओं का अंतर

एक नए रिश्ते के साथ, दोनों तरफ से अपेक्षाओं में बहुत अंतर हो जाता है। हर किसी की अपेक्षाओं और जरूरतों को पूरा करना कभी-कभी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मां अपने बेटे के साथ-साथ बहू से भी बहुत सारी एक्सपेक्टेशंस रखती हैं, जो पूरा न होने पर तनाव का कारण बन जाता है।

रीति-रिवाजों में अंतर

इस बात की काफी हद तक संभावना होती है कि परिवार का नया सदस्य चाहे बहू हो या दामाद वे अन्य परंपराओं, मान्यताओं और मूल्यों का पालन करने वाले होंगे। ऐसे में, एक सास के रूप में आपको उनपर बहस करने की जरूरत नहीं है। बल्कि अच्छा रिश्ता बनाए रखने के लिए आपको उनके ट्रेडिशन का भी सम्मान करना होगा।

गलतफहमियों का शिकार होना

सास बनने के बाद कई बार महिलाएं अपनी बहू को ठीक से नहीं समझ पाती हैं या कभी-कभी बहू उन्हें नहीं समझने की कोशिश करती हैं, जिससे रिश्ते में गलतफहमियां पैदा हो जाती है। ऐसी स्थिति में, एक नई सास के रूप में, भ्रम और संघर्षों का सामना करना पड़ता है।

एक सास के रूप में, आपको नए वातावरण का सामना करना मुश्किल हो सकता है; हालाँकि, अपनी बहू या दामाद को अपनी बेटी और बेटे की तरह मानें। ऐसा करने से हमेशा एक-दूसरे के लिए शांति, प्यार, सम्मान और करुणा बनी रहेगी।

इन तरीके से बनाएं अपने बच्चे को बुक लवर

मोबाइल और इंटरनेट के इस जमाने में बच्चे किताबों से पढ़ाई कम ही करते हैं। ऐसे में हर पैरेंट्स चाहते हैं कि उनके बच्चे किताब से पढ़ें, क्योंकि फोन से स्टडी कम और ध्यान इधर-उधर ज्यादा भटकता है।

आज के इस इंटरनेट दौर में बच्चे पढ़ाई के नाम पर लैपटॉप और मोबाइल का इस्तेमाल ज्यादा करने लगे हैं। इससे दिक्कत ये हो रही है कि स्टडी के अलावा भी बच्चे का दिमाग इधर-उधर भटक जाता है। मोबाइल पर कई ऐसे ऐड आते हैं, जो बच्चों को अट्रैक्ट करता है और वह उस लिंक पर क्लिक करके दूसरे वेबसाइट या वीडियो को देखने लगते हैं। ऐसी स्थिति में माता-पिता की परेशानी पढ़ने लगती है। हर पैरेंट्स को लगता है कि उनका बच्चा फोन से नहीं पढ़ पाता है और पढ़ाई के लिए किताब का होना बेहद जरुरी है। पर, बच्चों की किताबों से पढ़ाई की आदत कैसे लगाई जाए, ये आज हर पैरेंट्स के लिए किसी चैलेंज से कम नहीं है। अगर आपका बच्चा भी सिर्फ मोबाइल में लगा होता है और किताबों में कम इंट्रेस्ट दिखाता है, तो अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। दरअसल, एक रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे अपने बच्चो को आप बुक लवर बना सकती हैं। तो चलिए इस बारे में आगे विस्तार से जानते हैं।

बच्चों के साथ आप भी पढ़ें बुक

एक रिपोर्ट के अनुसार, बच्चे वही करते हैं, जो आसपास के माहौल से सिखते हैं। ऐसे में अगर आप खुद मोबाइल का कम से कम इस्तेमाल करेंगे। इसकी जगह उनके सामने बुक पढ़कर उन्हें सुनाएं। ऐसा करने से धीरे-धीरे उन्हें भी किताबों में इंट्रेस्ट आएगा और वो बुक पढ़ना शुरू कर देंगे।

सेट करें रीडिंग टाइम

बच्चों की आदतों में बदलाव लाने में रुटीन का अहम रोल होता है। ऐसे में, अगर आप उनकी रीडिंग टाइम को सेट कर देते हैं, तो वह खेल-कूद के बाद एक समय पर किताब पढ़ने के लिए भी बैठ सकता है। पर, इसके लिए जरूरी है कि आप अपने बच्चे के पास बैठे और उन्हें पढ़ाई करते हुए सुनें भी।

बच्चों के अनुसार करें किताबों का चुनाव

बच्चों में किताबों के प्रति इंट्रेस्ट जगाने के लिए जरूरी है कि आप उसके अनुसार ही बुक लाएं। यानी बहुत ज्यादा टेक्स्ट किताबें बच्चे नहीं पढ़ पाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि उनके बुक्स में अट्रैक्टिव ग्राफिक्स जरुर शामिल हों। ग्राफिक्स के बहाने ही कम से कम बच्चे बुक्स खोलकर जरुर पढ़ेंगे।

फन करते हुए पढ़ाएं

अगर आप बच्चे पर पढ़ने के लिए ज्यादा प्रेशर डालेंगे, तो वो दबाव में आकर किताबों से दूर हो सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप उसे फन करते हुए किताबों को पढ़ाएं। इससे उनके अंदर किताब पढ़ने में दिलचस्पी आएगी।

पढ़ने के बाद जल्दी भूल जाता है आपका बच्चा? इस तरीके से हमेशा रहेगा याद

बच्चे खेल-कूद और शैतानी करने में हमेशा आगे रहते हैं। लेकिन जैसे ही उन्हें पढ़ाई करने को बोल दिया जाए तो एक से बढ़कर एक बहाने बनाना शुरू कर देते हैं। दरअसल, उन्हें, नई जीजें सीखने और उसे याद रखने में काफी परेशानी होती है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। अमूमन बच्चे पढ़ाई-लिखाई में रुचि नहीं रखते हैं, तो कुछ बच्चे ज्यादा जानकारी एक साथ एबजॉर्ब नहीं कर पाते हैं। बच्चों के इस समस्याओं के कारण स्कूल से काफी कंप्लेन भी पैरेंट्स को झेलने पड़ते हैं। ऐसे में, माता-पिता को बच्चे की स्टडी और फ्यूचर को लेकर काफी चिंता रहती है। लेकिन अब आपको ज्यादा परेशान होने की जरुरत नहीं। यहां ऑक्सफोर्ड की रिसर्च के अनुसार जानेंगे चाइल्ड की मेमरी पावर बढ़ाने का सही तरीका क्या है।

पढ़ाई को बनाएं रोमांचक

ऑक्सफोर्ड की रिसर्च के अनुसार, अगर आपका बच्चा पढ़ा हुआ चीज जल्दी भूल जाता है, तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि उसकी स्टडी को इंटरेस्टिंग बनाएं। सिर्फ किताबे लेकर रटने से उन्हें कभी कुछ याद नहीं होगा। इसलिए आप कोशिश करें कि टॉपिक को किसी चीज से रिलेट करके उसे समझाएं। इससे लंबे समय तक पढ़ी हुई चीजें याद रहेगा।

पढ़ाने में लें विजुअल का सहारा

बच्चे को अगर स्कूल में कुछ याद करने के लिए वर्क मिला है, तो पैरेंट्स की जिम्मेदारी होती है उसे पढ़ाना। ऐसे में बच्चे को लंबे समय तक टॉपिक याद रखने के लिए आप कुछ क्रिएटिव तरीके का हेल्प ले सकते हैं। दरअसल, ऑक्सफोर्ड रिसर्च के मुताबिक, बच्चों को वीडियो में देखी गई चीजें ज्यादा दिनों तक याद रहता है। इससे माइंड में वीडिओज रह जाती है और बच्चा इसे लंबे समय तक नहीं भूलता है।

छोटे-छोटे पार्ट्स में समझाएं

ऑक्सफोर्ड की रिसर्च के अनुसार, अगर स्टडी मैटेरियल बहुत ज्यादा लंबा है, तो उसे छोटे-छोटे पार्ट्स में बांट दें। बड़े वाक्य या टॉपिक को याद करने में बच्चों को परेशानी हो सकती है। ऐसे में बेहद जरुरी है कि अच्छे से लॉन्ग टर्म मेमोरी के लिए उन्हें शॉर्ट में समझाएं।

समझाने के बाद बच्चे को बनाएं टीचर

बच्चे को टॉपिक समझाने के बाद उन्हें टेस्ट करने के लिए टीचर बनने को कहें। रिसर्च के अनुसार, बच्चे अगर खुद उन टॉपिक्स के बारे में अपने शब्दों में समझाते हैं, तो समझ लीजिए उन्हें पढ़ा हुआ चीज याद हो गया है। खास बात यह है कि ऐसा करने से बच्चों का मेमोरी पावर भी बढ़ता है।

खास हो आपका वॉर्डरोब

हर किसी की चाहत होती है कि उसका वॉर्डरोब फैशनेबल ड्रेसेज और एसेसरीज से भरा रहे। अपने वॉर्डरोब को फूल करने के चक्कर में लोग अक्सर भूल जाते हैं कि फैशन का ट्रेंड बदलता रहता है। ऐसे में सबसे बेस्ट ऑप्शन यह है कि एक टाइमलेस वॉर्डरोब के बारे में सोचा जाए।

"æ/ ट्रेंड की भविष्यवाणी थोड़ा मुश्किल काम है। आज जो ट्रेंड है, वह कल होगा या नहीं, इसके बारे में पूरी तरह से कुछ भी नहीं कहा जा सकता। लेकिन यह भी पूरी तरह से सच नहीं है कि आप लिटेस्ट फैशन को जज न कर सकें। वैसे भी कुछ बेसिक आइटम्स की जरूरत हमेशा बनी रहती है। इन्हें अपने वॉर्डरोब में शामिल करके अपने वॉर्डरोब को फैशनेबल बना सकती हैं। आप अपने वॉर्डरोब में कुछ टाइमलेस ड्रेसेज, ज्वैलरी और फुटवियर्स शामिल करें, ये आपके काम आएंगे।

वाइट शर्ट

फैशन डिजाइनर सौमित्र कुमार की मानें, तो वॉर्डरोब के लिए वाइट टेलर्ड शर्ट सबसे जरूरी है। दरअसल, वाइट शर्ट या टॉप के साथ कुछ भी मैच करके पहना जा सकता है। वाइट शर्ट के साथ कोई भी एसेसरीज आसानी से मैच हो जाती हैं। आप चाहें तो वाइट शर्ट में डिफरेंट कट्स, स्टाइलिश स्लीव्स या फंकी कॉलर्स डिजाइन करवा सकती हैं। वहीं, फैब्रिक में सिल्क, शिफॉन व जॉर्जेट टेक्सचर ट्राई करें। इन फैब्रिक्स में फिटिंग भी बहुत अच्छी आती है और इन्हें हर सीजन में पहना जा सकता है।

शिफ्ट ड्रेसेज

अक्सर लड़कियां किसी ओकेजन को ध्यान में रखकर ड्रेसेज परचेज करती हैं। यही वजह है कि अगर उन्होंने फॉरमल ओकेजन के लिए ड्रेस ली है, तो वह उसे नाइट पार्टी में पहनना बिल्कुल पसंद नहीं करती हैं। ऐसे में शिफ्ट ड्रेसेज बेस्ट ऑप्शन हैं। इन्हें आप डे व नाइट दोनों मौकों पर पहन सकती हैं। दरअसल, एक सिंपल ड्रेस से भी मैजिक क्रिएट किया जा सकता है। जरूरी यह है कि उसे स्मार्टनेस के साथ कैरी किया जाए। शिफ्ट ड्रेसेज पहनने से फेमिनिन लुक तो आता ही है तथा इन्हें कैरी करके आप और भी ज्यादा स्टाइलिश लग सकती हैं।

जैकेट

यदि आप एक ही ड्रेस पहनकर बोर हो गई हैं तो जैकेट के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। इन दिनों मिलिट्री जैकेट ट्रेंड में है। इन्हें आप सॉलिड कलर्स में ले सकती हैं। इससे आपको क्लासिक लुक मिलेगा। यदि आप नाइट आउट पर जा रही हैं तो शाइनी जैकेट बेस्ट ऑप्शन है। इसे आप लेगिंग्स के साथ मैच करके पहन सकती हैं। इससे आपको पूरा पार्टी लुक मिलेगा और आप काफी ग्लैमरस लगेंगी।

ब्लैक ड्रेसेज

कोई भी वॉर्डरोब ब्लैक ड्रेसेज के बिना कम्प्लीट नहीं होता है। इसे किसी भी ओकेजन पर पहना जा सकता है। चाहे आप स्लिम दिखना चाहती हों या अपने लुक में क्विक चेंज चाहती हों, ब्लैक ड्रेस के साथ हल्की-फुल्की ज्वैलरी कैरी करें। इसका मिक्स एंड मैच स्टाइल से खुद को डिफरेंट लुक दिया जा सकता है। ब्लैक ड्रेस के साथ सिल्वर जूलरी बहुत फबती है। आप इनके साथ अपने वॉर्डरोब में ट्रेंडी शूज भी शामिल कर सकती हैं। इनके कलर सीजन के मुताबिक चुनें। इन्हें आप सिल्वर, गोल्ड और प्लेन ब्लैक में चुन सकती हैं। यह आपकी पर्सनैलिटी पर खूब फबेगा।

जींस

हर किसी के पास एक पेयर जींस होना लाजिमी है, लेकिन उसका फिट होना भी बहुत जरूरी है। फैशन डिजाइनर सौम्या अरोड़ा कहती हैं, जींस हर ऐज में और हर ओकेजन में पहन सकती हैं। यह जरूरी नहीं है कि जींस ब्रांडेड ही हो। आप जींस के साथ खूब एक्सपेरिमेंट भी कर सकती हैं। अगर आप कैजुअल आउटिंग पर जा रही हैं, तो इसके साथ बैगी टी-शर्ट व स्नीकर्स पहन सकती हैं। यदि आप को पार्टी में जाना है तो जींस के साथ स्टाइलिश टॉप और हाई हील्स ट्राई कर सकती हैं। यह ध्यान रखें कि जींस की क्वॉलिटी अच्छा हो।

पर्ल

जिस तरह डायमंड हर एज ग्रुप के लिए परफेक्ट हैं। वैसे ही पर्ल भी कभी फैशन से आउटडेटेड नहीं होते हैं। आप एसेसरीज में पर्ल नेकलेस या बैंगल्स जरूर रखें। इन्हें आप हर तरह के आउटफिट्स के साथ कैरी कर सकती हैं। अगर आप रियल पर्ल नेकलेस पसंद नहीं करती हैं तो फेक नेकलेस खरीद सकती हैं।

संपादकीय

भारत: एकात्म चिंतन की जन्मभूमि

हम सब सोचते हैं। अनेक प्रश्न उठते हैं। प्रश्न स्वयं को जानने का भी है। संसार और स्वयं का बोध जरूरी है। प्रश्न बड़ा है- कैसे जानें इस असीम संसार को। समझ छोटी अति अल्प और संसार बड़ा। प्रश्न और भी हैं। जैसे सृष्टि क्या है? सृष्टि का कोई निमार्ता भी है क्या? यह सृष्टि नहीं थी तो क्या था? जो था वह क्या था? क्या शून्य था? क्या सृष्टि ऊर्जा का खेल है? पृथ्वी जल, अग्नि और आकाश प्रत्यक्ष है। इनका सारभूत क्या हैं? सूर्य चन्द्र और तारागण कहां से प्रकाश पाते हैं? सृष्टि निर्माण का आदि तत्व क्या है? कोई परमतत्व है क्या? क्या एक तत्व से ही यह सृष्टि बनी? या सबका साझा प्रयास यह सृष्टि है? सृष्टि और हमारे सम्बंध क्या हैं? आदि। आखिरकार अस्तित्व को कैसे जाने? कैसे शांत करें जिज्ञासा को? कठिनाई दूसरी भी है-जितना देखते हैं, उतने का सार तत्व कैसे ग्रहण करें? हमारी जीवन दृष्टि क्या हो? इंटरनेट ने लाखों-करोड़ों सूचनाएं भर दी हैं। किसे छोडें.? किसे पढ़ें? क्या शास्त्र पढें.? पढ़ें तो विवेचन विश्लेषण कैसे करें? जानने के लिए सोचना जरूरी है और सोचने के पहले ठीक से देखना भी। देखने की एक दृष्टि वैदिक पूर्वजों ने दी है। बाद के इतिहास और दर्शन में प्रायः उसी विवेक को आधार बनाया गया है। इस समझ को प्राप्त करने का दुनिया का सबसे पुराना ग्रंथ है ऋग्वेद। भारत के लोगों ने ऋग्वेद की रचना के पहले ही वैज्ञानिक चिन्तन प्रारम्भ कर दिया था। ऋग्वेद में इसी सोच-विचार के दर्शन हैं। चिंतन की यह दृष्टि निर्णयात्मक नहीं है। दर्शन और विज्ञान निर्णयात्मक नहीं होते। जहां तक जान लिया, वहीं रूक जाना उचित नहीं होता। सामान्य धारणा है कि विश्व किसी शक्ति द्वारा बनाया गया है। सृष्टि निर्माण 'विश्वकर्म' है। सृष्टि निमार्ता को विश्वकर्मा कहा गया है। ऋग्वेद के एक दार्शनिक सूक्त (10.81) के देवता विश्वकर्मा हैं। ऋषि पूछते हैं 'सृष्टि निर्माण के पहले वे कहां पर बैठे?' प्रश्न उचित है। जब पृथ्वी, आकाश आदि थे ही नहीं तो विश्वकर्मा ने कहां बैठकर यह सृजन कर्म पूरा किया? पूछते हैं कि 'सृष्टि निर्माण का मूल द्रव्य क्या था? वह वन, वृक्ष कौन-सा था? जिससे विश्वकर्मा ने सामग्री ली और विराट विश्व बनाया? यह सब मनीषी लोग जानने का प्रयास करें।' स्तुति है कि 'वे विश्वकर्मा मित्र भाव से हमें ज्ञान दें।' ऋग्वेद के एक ऋषि देवताओं के भी पहले का विचार करते हैं कि 'देवताओं के पहले युग समय में असत से सत का जन्म हुआ।' (10.72) यह युग विचारणीय है। तब देवता भी नहीं हैं लेकिन **समय** है। ऋग्वेद में सत् का अर्थ व्यक्त है और असत का अव्यक्त। नासदीय सूक्त (10.129) में प्रकृति सृष्टि के सम्बंध में और भी गहन चिन्तन हैं 'तब न सत् था और न असत्। आकाश से परे भी कुछ नहीं था-नो व्योमा परो यत। अंधकार था।' यहां अंधकार प्रकाश का अभाव नहीं है। अंधकार का अस्तित्व है। इसी तरह एक और महत्वपूर्ण अस्तित्व 'वह एक' था।

आज का राशिफल

मेष- खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे।

वृष- प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

मिथुन- कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे।

कर्क- आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे।

सिंह- शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है।

कन्या- सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी।

तुला- शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी।

वृश्चिक- समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी।

धनु- नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी।

मकर- सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए।

कुंभ- समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

मीन- यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

दैनिक पंचांग

12 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

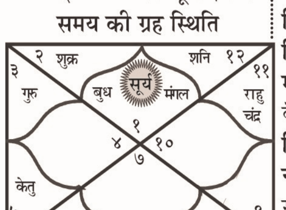

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.35 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मिथुन	07.33 बजे से
मंगल	मेष में	कर्क	09.46 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.02 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	14.14 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.25 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.40 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	20.56 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.01 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	कुंभ	00.47 बजे से
		मीन	02.20 बजे से
		मेष	03.51 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 132 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 14.53 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 01.18 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वैधृति 23.20 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 14.53 बजे तदनन्तर बव 02.18 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 05' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872707 **जूलियन दिन** 2461172.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 24

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

सामाजिक -आध्यात्मिक योगदान देने वाली विदुषी- संत मुक्ताबाई

गिरीश जोशी

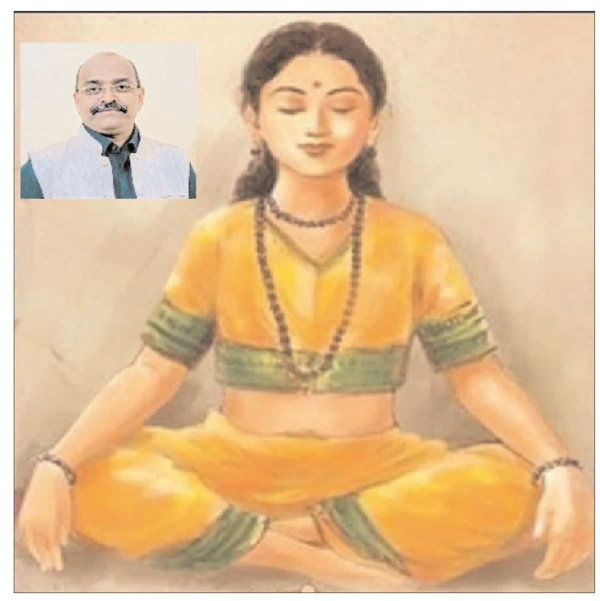

महाराष्ट्र की संत परंपरा में संत मुक्ताबाई का नाम अत्यंत श्रद्धा एवं सम्मान के साथ लिया जाता है। वे केवल संत ज्ञानेश्वर की छोटी बहन ही नहीं थीं, बल्कि स्वयं एक उच्चकोटि की संत, दार्शनिक चिंतक और कवयित्री थीं। वारकरी संप्रदाय में मुक्ताबाई को स्त्री-संत परंपरा की अग्रिम पंक्ति में स्थान प्राप्त है। उनकी वाणी में ज्ञान,भक्ति,वैराग्य, समता और आत्मबोध का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। मध्यकाल में जब दुनिया भर के अन्यान्य देशों में महिलाओं को उचित स्थान नहीं था तब भारतीय समाज में मुक्ताबाई ने अपने चिंतन और आध्यात्मिक योगदान से विशेष स्थान अर्जित किया।

जन्म एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि

संत मुक्ताबाई का जन्म 13वीं शताब्दी में महाराष्ट्र के आपेगांव आलंदी क्षेत्र में माना जाता है। वे अपने तीन संत भाई निवृत्तिनाथ, ज्ञानेश्वर, सोपानदेव की छोटी बहन थीं। उनका परिवार सामाजिक बहिष्कार, धार्मिक रूढ़ियों की प्रताड़ना का शिकार हुआ था। उनके पिता विठ्ठलपंत ने पहले संन्यास लिया था लेकिन किसी कारण से बाद में फिर से गृहस्थ जीवन में लौटने के कारण समाज ने इनके परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया था। इस सामाजिक पीड़ा ने मुक्ताबाई के मन में विद्वेष की जगह करुणा, समता और आध्यात्मिकता को मजबूती से विकसित किया।

आध्यात्मिक संस्कार

मुक्ताबाई को आध्यात्मिक संस्कार उनके बड़े भाई निवृत्तिनाथ से मिले थे, जो नाथ संप्रदाय के संत थे। निवृत्तिनाथ ने ज्ञानेश्वर, सोपानदेव और मुक्ताबाई को आत्मज्ञान का मार्ग दिखाया। मुक्ताबाई की साधना में नाथपंथ की परंपरा और वारकरी संप्रदाय की भक्तिधारा का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। वे ईश्वर को बाहरी कर्मकांड में नहीं, बल्कि अंतःकरण की शुद्धता और आत्मबोध में खोजती हैं। दूसरी ओर वारकरी संप्रदाय की विठ्ठल भक्ति और नामस्मरण की परंपरा ने उनकी साधना और अभिव्यक्ति को लोकाभिमुख बनाया। इस प्रकार मुक्ताबाई के व्यक्तित्व में नाथ संप्रदाय और वारकरी भक्ति परंपरा का अद्धुद समन्वय मिलता है। मुक्ताबाई का जीवन यह प्रतिपादित करता है कि ईश्वर-प्राप्ति, ज्ञान और मोक्ष में स्त्री-पुरुष का कोई भेद नहीं है। उनकी भूमिका से स्पष्ट हुआ कि स्त्री भी गुरु हो सकती है। स्त्री भी दार्शनिक संवाद कर सकती है। स्त्री भी समाज को दिशा दिखा सकती है । मुक्ताबाई का जीवन वृत्त संत साहित्य, लोककथाओं और परंपरागत आख्यानों पर आधारित है। उनका प्रभाव वारकरी संप्रदाय और मराठी संत साहित्य पर गहरा पड़ा है । उनकी रचनाओं में स्त्री अनुभव, सामाजिक पीड़ा और आध्यात्मिक उत्कर्ष का अद्भुत समन्वय मिलता है।

संत ज्ञानेश्वर के जीवन में भूमिका

मुक्ताबाई केवल संत ज्ञानेश्वर की बहन ही नहीं थीं, बल्कि उनकी आध्यात्मिक यात्रा की सहयात्री भी थीं। अनेक कथाओं में ये उल्लेख भी मिलता है कि जब ज्ञानेश्वर सामाजिक विरोध और मानसिक वेदना से व्यथित होते, तब मुक्ताबाई उन्हें धैर्य, समता और क्षमा का भाव धारण करने का संदेश देती थीं। उनकी प्रसिद्ध उक्ति 'विश्व रागे झाले वन्ही, संत सुखे व्हावे पाणी' अर्थात जब संसार क्रोध और द्वेष की अग्नि बन जाए, तब संतों को शीतल जल के समान बन जाना चाहिए।

एक बार की बात है समाज के अपमान और तिरस्कार से दुःखी और निराश होकर ज्ञानेश्वर ने स्वयं को एक कुटिया में बंद कर लिया था। तब मुक्ताबाई ने 'ताटी (कुटिया का दरवाजा) खोलो' ये विनती करते हुए अभंग लिखें है । इन अभंगों में करुणा, समता, क्षमा और संत स्वभाव का गहन तत्त्वज्ञान व्यक्त हुआ है।

ताटी के अभंग

ताटी के अभागों में सबसे प्रसिद्ध अभंग है-'ताटी उघडा ज्ञानेश्वरा । योगी पावन मनाचा ॥' मुक्ताबाई ज्ञानेश्वर से कहती हैं कि सच्चा योगी लोगों के व्यवहार से विचलित नहीं होता। 'संत जेणे व्हावे । जग बोलणे सहावे॥' संत वही कहलाए। जो जग की बातें सह जाए ॥ इस पंक्ति में संत स्वभाव का सार व्यक्त किया गया है कि संत वही हो सकता है जो दुनिया की निंदा, अपमान, उपेक्षा आदि को सहन करना सीख जाता है। ह्लथोरपण जेथे वसे । तेथे भूतदया असे ॥ह्ल जहां महानता बसती है। वहाँ प्राणिमात्र पर दया होती है ॥ मुक्ताबाई के अनुसार सच्ची महानता प्रत्येक प्राणियों के प्रति दया और करुणा में होती है। ह्लआपण जैसे व्हावे ।अवघे अनुमानावे ॥ह्ल स्वयं जैसे बनो । वैसे ही सबको समझो ॥ मनुष्य स्वयं जैसा होता है वैसा ही दूसरों से अपेक्षा कर सकता है। 'क्रोधे यावे कोठे ।अवघे आपण निधोटे।' क्रोध किस पर करें । सब अपने ही स्वरूप हैं ॥ राग और द्वेष व्यर्थ हैं, क्योंकि सभी जीव उसी परमात्मा के अंश हैं। 'जीभ दातांनी चाविली ।कोणी बत्तीशी तोडिली ॥' यदि दांतों ने जीभ काट ली तो क्या कोई अपनी पूरी बत्तीसी तोड़ देता है? जैसे दाँत गलती से जीभ काट लें तो हम दाँत नहीं तोड़ते, वैसे ही सब मनुष्य अपने ही है इसलिए उनकी भूलों को क्षमा करना चाहिए। 'चणे खावे लोखंडाचे । मग ब्रह्मपदी नाचे ॥' लोहे के चने चबाने पड़ते हैं । तब ब्रह्म पद प्राप्त होता है ॥ आध्यात्मिक साधना से ब्रह्म तत्व को पाना कठिन होता है उसके लिए धैर्य, सहनशीलता और कठोर तप आवश्यक है। संत मुक्ताबाई के 'ताटी के अभंग' वारकरी संत साहित्य में अत्यंत प्रसिद्ध और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण माने जाते हैं।

साहित्यिक योगदान

मुक्ताबाई की रचनाएं मुख्यतः अभंग शैली में उपलब्ध हैं। उनकी वाणी सरल, मार्मिक और अनुभवप्रधान है। उनके अभंगों के प्रमुख विषय आत्मज्ञान, समता, और सामाजिक भेदभाव का विरोध, वैराग्य- माया, अहंकार और लोभ से मुक्ति का संदेश तथा भक्ति, ईश्वर के प्रति निष्कपट प्रेम और समर्पण रहे हैं।

सामाजिक दृष्टि एवं नारी विमर्श का स्वर

मुक्ताबाई का व्यक्तित्व मध्यकालीन समाज में नारी सशक्तिकरण का उदाहरण है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि स्त्री केवल गृहस्थी तक सीमित नहीं, बल्कि वह ज्ञान, साधना और समाज सुधार की वाहक भी हो सकती है। उनकी वाणी में स्त्री की स्वतंत्र चेतना, आत्मसम्मान और आध्यात्मिक अधिकार स्पष्ट दिखाई देते हैं। इसलिए आधुनिक महिला विमर्श की दृष्टि से मुक्ताबाई का अध्ययन जरूरी है। मुक्ताबाई की विशेषता उनके ज्ञानप्रधान भक्ति दर्शन में दिखाई देती है। जैसे मीराबाई का केंद्र कृष्णप्रेम है, वैसे ही मुक्ताबाई का केंद्र आत्मज्ञान और समरसता है। आधुनिक स्त्री विमर्श के संदर्भ में मुक्ताबाई का अध्ययन इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि उन्होंने 13वीं शताब्दी में ही स्त्री की बौद्धिक क्षमता, आध्यात्मिक समानता, सामाजिक अस्मिता और मानवीय गरिमा को स्थापित किया। तत्कालीन समय में मुक्ताबाई का संत, कवयित्री और गुरु रूप में उभरना सामाजिक दृष्टि से क्रांतिकारी घटना थी।

भाषा और अभिव्यक्ति

मुक्ताबाई ने लोकभाषा मराठी में अभंग रचे। उनकी वाणी में सहजता,अनुभव की प्रामाणिकता, करुणा, प्रतिरोध की सौम्य शैली और आत्मविश्वास स्पष्ट दिखाई देता है। वे स्वतंत्र स्त्री वैचारिकी की प्रतिनिधि हैं। उन्होंने मध्यकालीन समाज में स्त्री की बौद्धिकता, आध्यात्मिक समानता, स्वतंत्र पहचान और सामाजिक गरिमा को स्थापित किया। वे जागरूक भारतीय स्त्री चेतना की प्रारंभिक प्रवक्ता हैं, जिन्होंने अपने जीवन और वाणी से स्त्री सशक्तिकरण का रास्ता दिखाया।

जीवन का अंतिम चरण

किंवदंतियों के अनुसार अल्पायु में ही उन्होंने देहत्याग किया। किंतु उनका आध्यात्मिक प्रभाव वारकरी परंपरा में आज भी जीवित है। वे महाराष्ट्र की प्रारंभिक स्त्री संत कवयित्री हैं। उन्होंने भक्ति को सामाजिक समता से जोड़ा। उनकी वाणी में ज्ञानेश्वर की परंपरा का दार्शनिक विस्तार मिलता है। वे स्त्री-आध्यात्मिक नेतृत्व का सशक्त उदाहरण हैं। संत मुक्ताबाई का जीवन यह सिद्ध करता है कि आध्यात्मिक महानता आयु, लिंग या सामाजिक स्थिति पर निर्भर नहीं करती, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता पर आधारित होती है। मुक्ताबाई की वाणी आज भी समाज को यह संदेश देती है कि जब संसार द्वेष से जल रहा हो, तब मनुष्य को प्रेम, शांति और करुणा का जल बनना चाहिए।

(लेखक का निजी विचार)

स्वदेशी शक्ति से वैश्विक होता भारत का रक्षा क्षेत्र: अहम है डीआरडीओ का योगदान

– डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत का रक्षा क्षेत्र आज वहां आ पहुंचा है, जहां तकनीक, अनुसंधान और स्वदेशी क्षमताएं राष्ट्रीय शक्ति का नया आधार बनती जा रही हैं। हाल के वर्षों में सरकार ने रक्षा अनुसंधान को नीति के केंद्र में स्थापित किया है, जिससे देश की सुरक्षा व्यवस्था अधिक सशक्त, आधुनिक और आत्मनिर्भर बन रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा व्यक्त विचार इस दिशा में स्पष्ट संकेत देते हैं कि आने वाला समय तकनीकी श्रेष्ठता का होगा और भारत इस दौड़ में पीछे रहने वाला देश नहीं है। वस्तुतः आज केंद्र सरकार द्वारा रक्षा अनुसंधान एवं विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देना एक दूरदर्शी कदम माना जा सकता है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा अब तक 2,200 से अधिक तकनीकों का उद्योगों को हस्तांतरण इस बात का प्रमाण है कि देश में शोध और उत्पादन के बीच मजबूत पुल तैयार हो चुका है। इस प्रक्रिया ने रक्षा उत्पादन को गति दी है और निजी क्षेत्र को भी नए अवसर प्रदान किए हैं। अनुसंधान पर निरंतर ध्यान बनाए रखना भविष्य के युद्धों में बढ़त दिलाने वाला कारक बन सकता है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा उद्योगों, अकादमिक संस्थानों और स्टार्टअप्स के लिए निर्धारित किया जाना एक क्रांतिकारी पहल है। इन संस्थाओं द्वारा 4,500 करोड़ रुपए से अधिक का उपयोग यह दशार्ता है कि देश में नवाचार की ऊर्जा तेजी से बढ़ रही है। इससे एक ओर जहां नई तकनीकों का विकास संभव हुआ है, वहीं युवाओं को भी रक्षा क्षेत्र में योगदान देने का अवसर मिला है। नई टेक्नोलॉजी ट्रांसफर नीति के तहत शुल्क समाप्त करना उद्योगों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन साबित हुआ है। इससे विकास और उत्पादन में साझेदारी को बढ़ावा मिला है। साथ ही पेटेंट्स को मुफ्त उपलब्ध कराने की नीति ने तकनीकी विकास को नई गति दी है। परीक्षण सुविधाओं को उद्योगों के लिए खोलना भी सहयोगात्मक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यही कारण है कि भारत अब डायरेक्टेड एनर्जी वेपन्स, हाइपरसोनिक हथियार, क्वांटम तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ये तकनीकें भविष्य के युद्धों की दिशा तय करेंगी। इन क्षेत्रों में निवेश और अनुसंधान भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रहे हैं। हमने पिछले साल देखा भी है कि ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में स्वदेशी तकनीकों का सफल उपयोग देश की बढ़ती सैन्य क्षमता को दशार्ता है। आकाशतीर, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस जैसी उन्नत प्रणालियां इस बात का प्रमाण हैं कि भारत अब आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। यह उपलब्धि हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। इसके साथ ही कहना होगा कि भारत के लिए वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा उत्पादन का 1.54 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। रक्षा निर्यात का 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंचना इस बात का संकेत है कि भारत अब वैश्विक बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। पिछले एक दशक में 174 प्रतिशत की वृद्धि और निर्यात में कई गुना विस्तार देश की बदलती पहचान को दशार्ता है। जिसमें कि रक्षा निर्यात में निजी क्षेत्र का लगभग 15,000 करोड़ रुपए का योगदान इस क्षेत्र में आए बड़े बदलाव को दर्शा रहा है। अब रक्षा निर्माण सरकारी संस्थानों की पहुंच से आगे उद्योगों और स्टार्टअप्स की सक्रियता में एक व्यापक इकोसिस्टम बन चुका है। स्वभाविक तौर पर इससे नवाचार और प्रतिस्पर्धा दोनों को बढ़ावा मिला है।आज इनोवेशंस फॉर डिफेंस एक्सीलेंस, एडीआईटीआई और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड जैसी योजनाएं रक्षा क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार कर रही हैं। इन पहलों ने युवाओं और उद्यमियों को रक्षा तकनीकों के विकास में भाग लेने का अवसर दिया है। इससे देश में नवाचार की संस्कृति मजबूत हो रही है। ऐसे में यह भी ध्यान में आता है कि भारत का लक्ष्य अब तकनीकी संप्रभुता हासिल करना है, जिसमें महत्वपूर्ण तकनीकों का विकास, स्वामित्व और संरक्षण देश के भीतर ही हो। क्वांटम-सिक्योर कम्युनिकेशन जैसी उपलब्धियां इस दिशा में बड़ी प्रगति को दशार्ती हैं। यह क्षमता भविष्य के युद्धों में निर्णायक साबित हो सकती है। बजट 2026-27 में रक्षा क्षेत्र के लिए 6.81 लाख करोड़ रुपए का आवंटन सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है, जोकि रक्षा तैयारियों को और मजबूत बनाएगी। अतः हम सभी के लिए आज गौरव की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की रक्षा यात्रा एक ऐसे मुकाम पर पहुंच चुकी है, जहां आत्मनिर्भरता, तकनीकी श्रेष्ठता और वैश्विक पहचान एक साथ आकार ले रही हैं। यह परिवर्तन हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। यह तो हम सभी जानते हैं कि देश का रक्षा क्षेत्र सुरक्षा का प्रतीक है, किंतु कहना होगा कि इस दिशा में हो रहे नवाचार आज शक्ति और आत्मविश्वास का भी प्रतिनिधित्व करते हुए दिखाई देते हैं, जोकि हर भारतीय को आशा और उत्साह से भर रहे हैं।

(लेखक का निजी विचार)

फ्लोरेंस नाइटिंगेल जो कर गईं, वह बेमिसाल

दया और सेवा की प्रति मूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग का जन्मदाता माना जाता है। उनकी इस वर्ष हम 206वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उनकी जयंती को 12 मई को एक विशेष थीम के साथ अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना किया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 'हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।' थीम के साथ मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य सुरक्षित वातावरण, उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके। लेडी विद द लैंप के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत में वर्ष 1973 में नर्सों के अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार की स्थापना की गई थी। केंद्र सरकार प्रतिवर्ष इस दिवस के अवसर पर यह पुरस्कार प्रदान करती है। फ्लोरेंस नाइटिंगेल बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटैलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रेंच, इतिहास और दर्शनशास्त्र की पढ़ाई की तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की। मात्र 16 वर्ष की उम्र में ही उन्हें एहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवाकार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था। इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दी गई। उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना। फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्किये की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आईं। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं था। ऐसे में ब्रिटिश सरकार ने फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्टूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्किये भेजा। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। उन्होंने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यों के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से लेडी विद द लैंप कहने लगे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहीं। 1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटीं, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया।

अपर मुख्य सचिव ने करमा मेडिकल कॉलेज एवं सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

कोडरमा। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड सरकार के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कोडरमा जिले का दौरा किया। इस दौरान उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं उप विकास आयुक्त रवि जैन ने उन्हें बुके देकर स्वागत किया। दौरे के क्रम में अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने करमा मेडिकल कॉलेज निर्माण कार्य का निरीक्षण किया तथा मेडिकल कॉलेज के लेआउट एवं निर्माण प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने मेडिकल कॉलेज परिसर का भ्रमण करते हुए निर्माण कार्य के विभिन्न पहलुओं की बारीकी से समीक्षा की। इसके उपरांत उन्होंने सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, मॉड्यूलर ओटी, लेबर रूम, एसएनसीयू, वार्ड, पेइंग वार्ड, सीटी स्कैन, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, हेल्प डेस्क एवं आईसीयू समेत विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही मरीजों से बातचीत कर उन्हें मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। मरीजों ने बताया कि अस्पताल में बेहतर चिकित्सा सुविधा एवं संतोषजनक इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव ने सिविल सर्जन को एसएनसीयू में बेड की संख्या बढ़ाने एवं आईसीयू को शीघ्र चालू करने का निर्देश दिया। इसके अलावा सदर अस्पताल परिसर में निमार्णाधीन भवनों के कार्य में तेजी लाने तथा जर्जर एवं अनुपयोगी भवनों को चिन्हित कर हटाने की कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, उप विकास आयुक्त रवि जैन एवं अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैबोरेटरी का फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने लैबोरेटरी में उपलब्ध जांच सुविधाओं का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर संयुक्त सचिव ललित मोहन, निदेशक प्रमुख डॉ. सिद्धार्थ सान्याल, उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, उप विकास आयुक्त रवि जैन, अनुमंडल पदाधिकारी ओमप्रकाश मंडल, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, उपाधीक्षक डॉ. रंजीत कुमार, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. रमन कुमार, जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार, अंचल अधिकारी चंदवारा अशोक भारती, डीपीएम महेश कुमार समेत चिकित्सक पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर गूंजा देशभक्ति का स्वर

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

कोडरमा। बागीटांड़ स्थित राजकीय पॉलिटेक्नीक कोडरमा परिसर मे ग्रुप हैडक्वाटर हजारीबाग के अंतर्गत 45 झारखंड बटालियन की एनसीसी कोडरमा के कमांडिंग ऑफिसर विजय कुमार सेना मेडल की कुशल नेतृत्व में चल रहे 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के सातवें दिन राज्य के विभिन्न जिलों से आए लगभग 650 एनसीसी कैडेट्स सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। शिविर के दौरान कैडेट्स द्वारा सैन्य एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जा रहा है। प्रशिक्षण के अंतर्गत फायरिंग ड्रिल, फील्ड क्राफ्ट, बैटल क्राफ्ट, ऑब्स्टेकल ट्रेनिंग, टेंट पिचिंग एवं मैप रीडिंग जैसी गतिविधियों का अभ्यास कराया जा रहा है। साथ ही थल सेना कैंप चयन प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रतियोगिताये कि जा रही है। संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के दौरान ह्लऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर देशभक्ति एवं वीर सैनिकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित कर भारतीय सेना के शौर्य, साहस एवं बलिदान को नमन किया गया। विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों से आए एनसीसी अधिकारियों के मार्गदर्शन में कैडेट्स द्वारा देशभक्ति एवं राष्ट्रीय जागरूकता पर आधारित प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कैडेट्स ने ह्लऑपरेशन सिंदूरह्व के महत्व, देश के वीर जवानों के साहस, त्याग, बलिदान तथा राष्ट्र सुरक्षा में उनके समर्पण को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। कैडेट्स की प्रस्तुति ने उपस्थित अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों को भावुक कर दिया तथा पूरे शिविर परिसर में देशभक्ति का वातावरण व्याप्त हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस अवसर पर कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विजय कुमार सेना मेडल ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय सेना का पराक्रम, अनुशासन एवं राष्ट्र सेवा की भावना प्रत्येक युवा के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को सदैव एकता और अनुशासन के मूल्यों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। शिविर में साइबर क्राइम विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन भी किया गया, जिसमें साइबर क्राइम निरीक्षक अरविंद कुमार एवं उनके तकनीकी विशेषज्ञ अक्षय कुमार ने कैडेट्स को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन ठगी एवं डिजिटल जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। माहेश्वरी के डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट संतोष कुमार के द्वारा एनसीसी कैडेटस कम्युनिकेशन के ऊपर महत्वपूर्ण व्याख्यानव्याख्यान दिया। कार्यक्रम के उपरांत सूबेदार मेजर जी. के. चौधरी एवं ट्रेनिंग जेसीओ बलविंदर सिंह द्वारा अतिथियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

शिविर के सफल संचालन में एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट जेने एलिस मिंज, सेकंड ऑफिसर नवीन चौधरी, सेकंड ऑफिसर अमलेश कुमार, सेकंड ऑफिसर अभय नारायण, गर्ल्स कैडेट इंस्ट्रक्टर शिवानी शर्मा एवं उर्वशी, सूबेदार चंपा मुरमू, सूबेदार आर. एन. हेबरम, जतरू तिर्की, नायब सूबेदार शशि कुमार, नायब सूबेदार विकास कुमार सिंह, ट्रेनिंग एनसीओ सुधीर मिश्रा, हवलदार अजीत कुमार, हवलदार आदित्य मिश्रा, कार्यालय प्रधान सहायक राजेश कुमार, रणधीर कुमार, सहायक सिद्धार्थ कुमार, सहायक विजय कुमार तथा एलडीसी सोहित कुमार सिंह महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

मनियाडीह पुलिस ने 16 साल से फरार स्थायी वारंटी को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

टुंडी। मनियाडीह थाना पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने साल 2008 से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, पकड़ा गया अभियुक्त अनिल किस्कू उर्फ शनिचर किस्कू उर्फ मतला किस्कू, पिता- चरखु किस्कू, ग्राम- झिनाकी बाघमारा का रहने वाला है। वह जीआर संख्या 2118/2008 के एक मामले में पिछले 16 वर्षों से पुलिस की नजरों से बचकर फरार चल रहा था। न्यायालय द्वारा उसके विरुद्ध स्थायी वारंट निर्गत किया गया था। मनियाडीह थाना प्रभारी को गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त वारंटी अपने घर के आसपास देखा गया है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए झिनाकी बाघमारा क्षेत्र में छापेमारी की और उसे धर दबोचा। पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद सोमवार को उसे धनबाद न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों के निष्पादन के लिए फरार वारंटियों की धरपकड़ का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

मेडिकल कचरा निस्तारण में अनियमितता का आरोप, सूचना अधिकार मंच ने उठाए सवाल

कोडरमा। सूचना अधिकार मंच के सचिव आरके बसंत ने कोडरमा जिले के अस्पतालों एवं नर्सिंग होम से निकलने वाले मेडिकल कचरे के उठाव और निस्तारण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि मेडिकल वेस्ट निस्तारण के लिए पाकुड़ की ग्रीनलैंड वेस्ट डिस्पोजल कंपनी से किया गया करार नियमों के विपरीत है। बसंत ने कहा कि संबंधित कंपनी के पास आवश्यक पॉल्यूशन सर्टिफिकेट नहीं है तथा नियमानुसार 75 किलोमीटर के दायरे में निस्तारण प्लांट भी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि कंपनी का प्लांट कोडरमा से करीब 300 किलोमीटर दूर पाकुड़ जिले के महेशपुर में स्थित है, जो नियमों पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने बताया कि करार के अनुसार 100 बेड वाले सदर अस्पताल कोडरमा से कंपनी को प्रति बेड 7 रुपये का भुगतान किया जा रहा है। आरोप है कि इसके बावजूद कंपनी द्वारा जिले के अस्पतालों और निजी नर्सिंग होम से नियमित रूप से मेडिकल कचरे का उठाव नहीं किया जा रहा है। इससे मेडिकल कचरा इधर-उधर फेंका जा रहा है, जिससे पर्यावरण प्रदूषित होने के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ गई है। आरके बसंत ने कहा कि इस मुद्दे को उठाने के बावजूद संबंधित विभागों द्वारा चुप्पी साधी जा रही है, जो पूरे मामले में घपले-घोटाले की आशंका को बल देता है। उन्होंने यह भी कहा कि मेडिकल कचरे के सुरक्षित उठाव एवं निस्तारण को लेकर उच्च न्यायालय द्वारा भी दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

जिला परिवहन पदाधिकारी ने किया कोल वाहनों का जांच, लगाया जुर्माना

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

टंडवा। जिला परिवहन पदाधिकारी सह सिमरिया अनुमंडल पदाधिकारी महेश्वरी प्रसाद ने सोमवार को टंडवा पिपरवार रोड के ब्लॉक मोड़ में वाहन जांच अभियान चलाया। जिसमें वाहनो का फिटनेस इंश्योरेन्स पाल्यूशन एसएलडी लाइसेंस सहित अन्य कागजातों की जांच की गई। जिसमें 363250 रूपया जुमार्ना वसूला गया। कोल वाहनों के द्वारा लगातार सड़क दुर्घटना के मामले में सिमरिया विधायक उज्जवल कुमार दास एवं चतरा उपायुक्त रवि आनंद के द्वारा जिला परिवहन पदाधिकारी को लगातार वाहनों का सघन जांच अभियान चला कर कोल वाहनों के कागजातों का जांच तथा चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस का जांच नियमित रूप से करने का निर्देश दिया है।पिछले शनिवार को जिला परिवहन पदाधिकारी के द्वारा टंडवा पिपरवार मुख्य पथ के पांडे मोड में वाहन जांच अभियान चलाकर 240500 का जुमार्ना वसूला था।

सीसीएल एनटीपीसी तथा ट्रांसपोर्टर को किया जाएगा पत्र प्रेषित

सीसीएल एनटीपीसी के अंतर्गत विभिन्न ट्रांसपोर्टरों के द्वारा कोयला एवं फ्लाई एस वाहनों के चालकों को प्रत्येक दिन 6 घंटा या सप्ताह में अधिकतम 48 घंटे वाहन चलाने का निर्देश जिला परिवहन पदाधिकारी के द्वारा देने की तैयारी की जा रही है। कोल वाहनों के चालकों के द्वारा लगातार 24 घंटा वाहन चलाने के वजह से सड़क दुर्घटना में बढ़ोतरी का मुख्य कारण बताया जा रहा है। जिस वजह से जिला परिवहन पदाधिकारी के द्वारा उक्त विषय को संज्ञान में लेकर सभी ट्रांसपोर्टरों तथा कंपनी प्रबंधन को वाहन चालकों का वाहन चलाने के समय सीमा का अनुपालन करने का निर्देश दिया जाएगा ताकि चालकों को नियम अनुसार वाहन चलाने के बाद आराम करने का भी समय मिल सके।

ब्रेथ एनालाइजर मशीन से चालकों का होगा जांच

जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि सड़क दुर्घटना को नियंत्रित करने के लिए लगातार दिन और रात में ब्रेथ एनालाइजर मशीन से ड्रंक एंड ड्राइव का जांच किया जाएगा ड्रंक ड्राइव करने वाले चालकों को परिवहन नियम अनुसार कार्रवाई किया जाएगा।

ग्रिजली विद्यालय के पूर्व छात्र अंशुमन कुमार सिंह का भव्य सम्मान

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

कोडरमा। तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय के सभागार में विद्यालय के पूर्व छात्र एवं संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से भारतीय वन सेवा में अखिल भारतीय द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले अंशुमन कुमार सिंह के सम्मान में भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों सहित वरिष्ठ माध्यमिक अनुभाग के शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक अविनाश सेठ, सीईओ प्रकाश गुप्ता तथा सीओओ तनिष्क सेठ विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ माध्यमिक समन्वयक विजय कुमार सिंह एवं जितेंद्र चौधरी, स्टूडेंट्स सर्विस सेल समन्वयक सुधांशु कुमार, स्पोर्ट्स कॉर्डिनेटर प्रीतम हरी, शिक्षक अमित राय, संतोष कुमार, सुशांत कुमार, रथिन बर्धन तथा एसके जायसवाल भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अंशुमन कुमार सिंह अपने परिवार के सदस्यों के साथ समारोह में शामिल हुए, जिनमें उनके भाई अभिनव सिंह (निदेशक, मार्कोस डिफेन्स अकादमी), माता सुनीता देवी, पत्नी शांभवी सिंह, भाभी रजनी सिंह तथा मामा बिंदु सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्र सेवा प्रकोष्ठ समन्वयक सुधांशु कुमार के स्वागत भाषण से हुआ। इसके उपरांत वरिष्ठ माध्यमिक समन्वयक विजय कुमार सिंह एवं जितेंद्र चौधरी ने पौधा भेंट कर अंशुमन कुमार सिंह का अभिनंदन किया। अंशुमन कुमार सिंह, जो एक पूर्व ग्रिजलियन हैं, वर्तमान में गोवा में डिप्टी कमांडेंट के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने वर्ष 2011 में सीबीएसई जिला टॉपर बनकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया था। अब भारतीय वन सेवा में अखिल भारतीय द्वितीय स्थान प्राप्त कर उन्होंने विद्यालय, जिले एवं राज्य का गौरव बढ़ाया है। अपने प्रेरणादायी संबोधन में अंशुमन कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा की तैयारी के लिए अनुशासन, निरंतर अध्ययन, समय प्रबंधन एवं आत्मविश्वास को सफलता का मूल मंत्र बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय वन सेवा देश की प्रतिष्ठित सेवाओं में से एक है, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, वन प्रबंधन एवं जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर समर्पण एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, अध्ययन के लिए आवश्यक समय तथा यूपीएससी के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न सेवाओं एवं संभावनाओं से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे। छात्र-छात्राओं में आर्यन, क्रांति, संस्कृति, श्लोक, सृष्टि एवं अन्य विद्यार्थियों ने विशेष रूप से अपने प्रश्न प्रस्तुत किए। अंशुमन ने विद्यार्थियों को बताया कि नियमित अध्ययन, समसामयिक घटनाओं की जानकारी, समाचार पत्रों का अध्ययन तथा निरंतर अभ्यास सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है। वरिष्ठ माध्यमिक समन्वयक विजय कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प एवं धैर्य से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय के निदेशक अविनाश सेठ ने कहा कि अंशुमन कुमार सिंह की उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गौरव का विषय है तथा यह वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। समारोह के दौरान निदेशक अविनाश सेठ, सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं सीओओ तनिष्क सेठ द्वारा अंशुमन कुमार सिंह को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। अंत में सुधांशु कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह प्रेरणादायी वातावरण एवं विद्यार्थियों के उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ संपन्न हुआ।

एक नजर

खेत में मिला मजदूर का शव, आत्महत्या की संभावना

कोडरमा। झुमरीतिलैया जयनगर मुख्य मार्ग स्थित लाराबाद के समीप स्थित एक ढाबे के पीछे सोमवार की सुबह एक शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान कोडरमा थाना क्षेत्र के गहराई गांव निवासी 55 वर्षीय रामजी यादव के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह पिपराडीह गांव के कुछ लोग टहलने के लिए खेतों की ओर गए हुए थे। इसी दौरान उनकी नजर खेत में बेसुध पड़े एक व्यक्ति पर पड़ी। नजदीक जाकर उन्होंने देखा तो पाया कि उक्त व्यक्ति खेतों में मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। इसके पश्चात शोर मचाकर ग्रामीणों को वहां पर इकट्ठा किया गया। मामले की सूचना कोडरमा पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोडरमा पुलिस के पदाधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेते हुए मामले की तहकीकात में जुट गए। जांच के दौरान पुलिस को खेत से रामजी यादव के शर्ट, चप्पल, पानी की एक बोतल और सल्फास की गोली का एक डब्बा भी बरामद हुआ है। जिसमें गोली का आधा टूटा हुआ हिस्सा भी बरामद किया गया है। लोगों को आशंका है कि रामजी यादव ने सल्फास की आधी गोली खाकर आत्महत्या कर ली है। हालांकि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। बताते चलें कि राम जी यादव बालू गाड़ी में बतौर मजदूर काम किया करते थे।

देवघर जा वाहन दुर्श्रघटनाग्रस्त, श्रद्धालु घायल

सतगावां। थाना क्षेत्र के खुट्टा स्थित बरियारपुर तीखा मोड़ के समीप रविवार की देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। गया (बिहार) से एक बच्चे का मुंडन करवाने देवघर जा रहे श्रद्धालुओं की गाड़ी अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। इस हादसे में वाहन बी.आर 02 कियू 3042 पर सवार 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्रद्धालु रविवार शाम करीब 5 बजे गया से उत्साह के साथ बाबा बैजनाथ धाम के लिए निकले थे। रात के अंधेरे में बरियारपुर मोड़ के पास पहुंचते ही गाड़ी दुर्घटना का शिकार हो गई। टक्कर की आवाज सुनाई दी, जिसे सुनकर स्थानीय ग्रामीण मदद के लिए दौड़ पड़े। वाहन चालक संजीव कुमार ने बताया कि सामने से आ रहे एक अन्य वाहन से बचने के प्रयास में गाड़ी पर से नियंत्रण खो गया। हालांकि, वाहन में सवार घायलों का आरोप है कि चालक लगातार मोबाइल पर बात कर रहा था। यात्रियों द्वारा कई बार मना करने के बावजूद चालक ने बात करना बंद नहीं किया, जिसके परिणामस्वरूप यह बड़ा हादसा हुआ। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने साहस का परिचय देते हुए क्षतिग्रस्त वाहन के शीशे तोड़कर अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला। निजी वाहनों की मदद से सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सतगावां पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें सदर अस्पताल कोडरमा रेफर कर दिया है। दुर्घटना में घायल हुए व्यक्तियों की पहचान संजीव कुमार 40 वर्ष, ममता देवी 30 वर्ष, मंजू कुमारी 45 वर्ष, रीना देवी 35 वर्ष, बबीता देवी 30 वर्ष, प्रदीप यादव 55 वर्ष, कौशल्या देवी 70 वर्ष, सविता कुमारी 38 वर्ष, जीवा कुमारी 12 वर्ष, सपना कुमारी 14 वर्ष का नाम शामिल है। ग्रामीणों का कहना है कि बरियारपुर मोड़ के पास अत्यधिक झाड़ियां और तीखा मोड़ होने के कारण यह 'ब्लैक स्पॉट' बन चुका है। यहां तीन अलग-अलग दिशाओं से सड़कें आकर मिलती हैं, जिससे हर महीने कोई न कोई वाहन दुर्घटनाग्रस्त होता है। क्षेत्र के लोगों ने जिला प्रशासन और सड़क सुरक्षा विभाग से मांग की है कि इस खतरनाक मोड़ पर तत्काल सड़क सुरक्षा लाइट, संकेतक बोर्ड और रिफ्लेक्टर लगाए जाएं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

मेडिकल कचरे के उठाव और निस्तारण के करार पर किए सवाल

कोडरमा। सूचना अधिकार मंच सचिव आरके बसंत ने कोडरमा जिले के अस्पतालों एवं नर्सिंग होम से निकलने वाले मेडिकल कचरे के उठाव एवं निस्तारण हेतु पाकुड़ की ग्रीनलैंड वेस्ट डिस्पोजल कंपनी से करार किए जाने पर सवाल खड़ा किया है। इस कंपनी के पास ना तो पॉल्यूशन सर्टिफिकेट है ना ही नियमानुसार 75 किलोमीटर के दायरे में निस्तारण प्लांट है, वहीं इसका निस्तारण प्लांट कोडरमा से 300 किलोमीटर की दूरी पर पाकुड़ जिले के महेशपुर में अवस्थित है। करार अनुसार सिर्फ 100 बेड के सदर अस्पताल कोडरमा में इस कंपनी को प्रति बेड ? 7/ का भुगतान किया जा रहा है। इस कंपनी द्वारा कोडरमा जिले के अस्पतालों एवं अन्य नर्सिंग होम से कभी भी कचरा का उठाव तक नहीं किया जा रहा है और इसे जहां तहां फेंक दिया जा रहा है जिससे पर्यावरण दूषित होने के साथ ही स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। इस विषय पर आवाज उठाने पर भी चुप्पी साधी जा रही है जो घपले घोटाले को उजागर करता है, वहीं मेडिकल कचरे के उठाव एवं निस्तारण पर उच्च न्यायालय द्वारा आदेशित भी किया जा चुका है। श्री बसंत ने इस विषय से उपायुक्त एवं मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को अवगत कराते हुए इस कंपनी का करार समाप्त कर रोजाना मेडिकल कचरे का उठाव एवं निस्तारण की व्यवस्था की मांग की है।

ग्रिजली पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस पर कार्यक्रम

कोडरमा। गुमो स्थित ग्रिजली पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में छात्र-छात्राओं के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मातृ दिवस की थीम पर आधारित इस कार्यक्रम के लिए स्कूल के मंच को बच्चों द्वारा बनाए गए पोस्टर, क्राफ्ट और फूलों से सजाया गया था। कार्यक्रम की शुरूआत एंकर वैदिक चौधरी ने की। वैदिक ने मंच से माँ के जीवन, उनके दैनिक संघर्षों और परिवार में उनके महत्व के बारे में कुछ अच्छी और व्यावहारिक बातें साझा की। स्कूल परिसर में इस कार्यक्रम को आयोजित करने का मुख्य कारण बच्चों को माँ के निस्वार्थ प्रेम और उनके योगदान के प्रति जागरूक करना था। इस तरह के आयोजनों से छात्रों में अपने माता-पिता के प्रति सम्मान की भावना और नैतिक मूल्यों का विकास होता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी प्रस्तुतियां दीं। छात्र अयांश आर्या ने माँ के विषय पर एक भावुक भाषण दिया। इसके बाद काव्या राज, प्रशांत प्रीत, सुशांत यादव, नयनिका, देवराज, आरोही और अराध्या ने एक लघु नाटिका (स्कीट) प्रस्तुत की, जिसमें परिवार में माँ की भूमिका को दशार्या गया। वेदिका, अंशिका, काश्वी, तन्वी, रिंसी, अनाया और भाविका ने समूह नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कक्षा एक से चार तक के विद्यार्थियों के लिए कार्ड मेकिंग गतिविधि का भी आयोजन किया गया। बच्चों ने कागज, रंगों और सामान्य क्राफ्ट सामग्री का उपयोग करके अपनी माताओं के लिए ग्रीटिंग कार्ड बनाए। इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों को रचनात्मक तरीके से अपनी भावनाएं व्यक्त करने का अवसर देना था। स्कूल की छुट्टी के बाद बच्चों ने घर जाकर अपने हाथों से बनाए गए ये कार्ड अपनी माताओं को दिए। कार्यक्रम के समापन पर स्कूल की प्राचार्या निरजा ने व्यावहारिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ह्यमातृ दिवस' केवल साल में एक दिन मनाने का विषय नहीं है। माँ दिन-रात परिवार के लिए जो मेहनत करती हैं, उसका सम्मान हमें अपने रोजमर्रा के व्यवहार में दिखाना चाहिए। उन्होंने बच्चों को सलाह दी कि घर के छोटे-छोटे कामों में माँ की मदद करना और उनकी बातों को मानना ही उनके प्रति सबसे बड़ा सम्मान है। इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने और इसे व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में स्कूल की उप प्राचार्या बंदना, संयोजिका अनिता, दलजीत, श्वेता अग्रवाल, शिक्षिका शालिनी, श्वेता, शिक्षक फैजान, कला शिक्षक मुकेश प्रशासनिक सदस्य पूनम, विकास, निखत और अन्य सभी सदस्यों का योगदान रहा।

अपराधी पुलिस को चैलेंज करेगा तो 48 घंटे में जवाब मिलेगा : सम्राट चौधरी

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को राजधानी पटना के मंदिरी नाला सड़क परियोजना का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कानून व्यवस्था को लेकर कहा कि अगर कोई पुलिस को चुनौती देगा तो 48 घंटे के भीतर जवाब मिलेगा। उन्होंने साफ कहा कि अपराध करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और सरकार की प्राथमिकता हर हाल में सुशासन कायम रखना है। सम्राट चौधरी ने कहा कि "मैंने पुलिस का हाथ खोल दिया है। पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि अगर कोई उन्हें चुनौती देता है तो 48 घंटे के भीतर जवाब दें। सरकार के लिए यह मायने नहीं रखता कि अपराधी किस जाति या धर्म का है। अपराध करने वाला किसी भी हाल में बच नहीं सकता। बिहार में कानून का राज है और इसे बरकरार रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।" सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बिहार तेजी से आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है। सरकार राज्य में इंडस्ट्री को बढ़ावा देने की दिशा में भी तेजी से काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि उद्योग लगाने के लिए सबसे जरूरी चीज सुशासन और कानून का राज है। इसी कारण सरकार अपराध और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिरी नाला के आसपास का इलाका लंबे समय से जाम की समस्या से जूझ रहा था। अब इस सड़क के शुरू होने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह पूरा इलाका तेजी से रेसिडेंशियल से कॉमर्शियल हब में बदलने जा रहा है। इसके लिए उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और पूरी टीम को धन्यवाद दिया।

सम्राट चौधरी ने कहा कि "सरकार सिर्फ एक सड़क बनाकर रुकने वाली नहीं है, बल्कि पटना के दोनों ओर नए शहर विकसित किए जाएंगे। एक ओर पाटलिपुत्र शहर विकसित होगा तो दूसरी ओर हरिहरनाथ पुरम शहर बसाया जाएगा। इसके अलावा आने वाले कुछ महीनों में दीदारगंज छोटी पहाड़ी होते हुए राघोपुर से हाजीपुर तक सड़क संपर्क भी सुचारू हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने इस सड़क का नामकरण नितिन नवीन के पिता और बांकीपुर क्षेत्र के पूर्व विधायक नवीन किशोर सिन्हा के नाम पर किया है। अब यह सड़क 'नवीन किशोर सिन्हा पथ' के नाम से जानी जाएगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश देते हुए कहा कि अगले वर्ष इस परियोजना की वर्षगांठ पर नवीन किशोर सिन्हा की आदमकद प्रतिमा भी इस सड़क पर स्थापित की जाए।

पथ निर्माण मंत्री ई.शैलेंद्र ने विधिवत संभाला पदभार

एजेंसी

भागलपुर। राज्य के पथ निर्माण मंत्री ई.शैलेंद्र ने सोमवार को पटना में मंत्रालय का विधिवत पदभार ग्रहण किया। वहीं इं.शैलेंद्र ने पदभार ग्रहण करने के पूर्व कार्यालय कक्ष में पूजा-अर्चना भी किया। पदभार ग्रहण करने उपरांत मंत्री ई.शैलेंद्र को प्रो.गौतम, प्रभुनंदन चौधरी, उत्तम कुमार, दिनेश यादव, ई.कुमार गौरव, अजय उर्फ माटो, लालमोहन, सिंटू, सदानंद, दिलीप महतो आदि समेत बड़ी संख्या में पहुंचे एनडीए नेताओं ने बधाई दिया। इधर नवगछिया पुलिस जिला भाजपा उपाध्यक्ष प्रो.गौतम ने बताया कि वहीं मंत्री बनने के बाद 15 मई को बिहपुर विधायक ई.शैलेंद्र पहली बार अपने विस क्षेत्र पहुंचेगें। प्रो.गौतम ने बताया कि मंत्री ई.शैलेंद्र ने पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद ही सोमवार को पटना में विभाग प्रधान सचिव पंकज कुमार पाल समेत अन्य अधिकारियों संग की बैठक किया। जिसमें राज्य में संचालित विभिन्न सड़क और आधारभूत संरचना. परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी लेकर उसकी प्रगति की समीक्षा किया। बिहपुर विस के भाजपा विधायक इं.शैलेंद्र के राज्य के पथ निर्माण मंत्री बनने व मंत्रालय के कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण करने पर बिहपुर प्रखंड के गौरीपुर में आरएसएस व राजग नेताओं-कार्यकर्ताओं के द्वारा मंदिरों में पूजा कर आमजनों के बीच मिठाई बांटी गई। सोमवार को भाजपा मंडल उपाध्यक्ष नितेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में गौरीपुर भगवती स्थान व मंडल टोला स्थित राजा बाबा मंदिर में पूजा कर प्रसाद चढ़ाया गया। मंडल उपाध्यक्ष नितेश समेत आरएसएस के अनिल ठाकुर,बूथ अध्यक्ष सुबोध कुमार शर्मा,करहरू के पंकज शर्मा,रंजन चौधरी,संतोष कुमार राय,विकास मंडल,शिवम कुमार व किशोर कुमार मंडल आदि ने कहा कि इ.शैलेंद्र के साथ-साथ गोपालपुर विस के विधायक शैलेश कुमार उर्फ बूलो मंडल का राज्य के उर्जा मंत्री के रूप में बिहार कैबिनट में स्थान मिलना क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है।

मंदिरी नाला पथ लोकार्पण कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी भी हुए शामिल

एजेंसी

पटना। बिहार नगर विकास एवं आवास विभाग, पटना स्मार्ट सिटी मिशन परियोजना के अंतर्गत भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक नवीन किशोर सिन्हा की जयंती पर किशोर सिन्हा पथ (मंदिरी नाला पथ) का लोकार्पण कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी भी शामिल हुए।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस पथ का उद्घाटन किया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि यह पथ आयकर गोलंबर को बांस घाट एवं जेपी गंगा पथ से जोड़ते हुए पटनावासियों को ट्रैफिक जाम और जलजमाव की समस्या से बड़ी राहत प्रदान करेगा। इस सड़क से पटना की यातायात व्यवस्था और अधिक सुगम एवं व्यवस्थित बनेगी।

इस परियोजना से आसपास के इलाकों में व्यापारिक गतिविधियां बढ़ेंगी, छोटे दुकानदारों और स्थानीय व्यवसायों को मजबूती मिलेगी तथा रियल एस्टेट विकास को भी गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यह सड़क न केवल शहर के विभिन्न हिस्सों के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी, बल्कि आवागमन का समय भी कम करेगी। खास तौर पर ऑफिस जाने वाले लोगों, छात्रों, मरीजों और व्यापारियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि पटना में मंदिरी नाला पथ का उद्घाटन बिहार में तेजी से हो रहे आधारभूत संरचना विकास का एक और मजबूत उदाहरण है। डबल इंजन की सरकार के नेतृत्व में बिहार आज सड़क, पुल, ड्रेनेज और शहरी सुविधाओं के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है।

इस परियोजना से राजधानी पटना के लोगों को जाम से राहत मिलेगी, आवागमन सुगम होगा और आसपास के इलाकों में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

एनडीए की डबल इंजन की सरकार में बिहार विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

भाजपा का संकल्प है कि राज्य के हर शहर और गांव तक आधुनिक सुविधाएं पहुंचें और बिहार देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो।

डबल इंजन सरकार का लक्ष्य है कि बिहार को आधुनिक आधारभूत संरचना और बेहतर शहरी सुविधाओं से सशक्त बनाया जाए। मंदिरी नाला पथ इसी विजन का प्रतीक है, जो आने वाले समय में पटना के विकास को नई गति देगा। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव, नगर विकास एवं आवास विभाग तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा, सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव, विधायक संजीव चौरसिया, विधायक रत्नेश कुमार कुशवाहा सहित अन्य लोग और भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षक के निधन पर पत्नी को एसबीआई ने दी 10 लाख रुपये की सहायता राशि

एजेंसी

किशनगंज। सरकारी शिक्षक के असामयिक निधन के बाद उनके परिवार को आर्थिक संबल प्रदान करते हुए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की पश्चिमपाली शाखा ने सोमवार को 10 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की। यह राशि स्टेट गवर्नमेंट सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत मृत शिक्षक की पत्नी मंजू देवी को चेक के माध्यम से दी गई। जानकारी के अनुसार स्वर्गीय अजय कुमार राय यूएमएस दहुआबारी, कोचाधामन में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। कुछ समय पूर्व उनका असामयिक निधन हो गया था, जिसके बाद परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा था। इसी क्रम में एसबीआई पश्चिमपाली शाखा की ओर से बैंक की विशेष योजना के तहत उनके आश्रित परिवार को सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। पश्चिमपाली शाखा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में एसबीआई कटिहार रीजनल ऑफिस के रीजनल मैनेजर संजीत कुमार सिंह, शाखा प्रबंधक अनिकेत आनंद तथा लोन ऑफिसर अमन कुमार झा की मौजूदगी में मंजू देवी को 10 लाख रुपये का चेक सौंपा गया। इस दौरान बैंक अधिकारियों ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि बैंक अपने ग्राहकों और उनके परिवारों के साथ हर परिस्थिति में खड़ा है। शाखा प्रबंधक अनिकेत आनंद ने बताया कि स्टेट गवर्नमेंट सैलरी पैकेज के अंतर्गत सरकारी कर्मचारियों को विशेष सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी सरकारी कर्मी का वेतन खाता एसबीआई में संचालित होता है और किसी कारणवश उनकी मृत्यु हो जाती है, तो बैंक द्वारा उनके आश्रितों को आर्थिक सहायता दी जाती है। इस योजना का उद्देश्य कठिन समय में परिवार को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना है ताकि आश्रितों को तत्काल राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि कई सरकारी कर्मचारी इस योजना की जानकारी नहीं रखते हैं, जबकि यह योजना परिवारों के लिए संकट की घड़ी में बड़ी मदद साबित होती है। बैंक समय-समय पर ग्राहकों को ऐसी योजनाओं के प्रति जागरूक करने का प्रयास भी करता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने एसबीआई की इस पहल की सराहना की। स्थानीय लोगों का कहना था कि इस तरह की सहायता राशि परिवार के लिए कठिन समय में बड़ा सहारा बनती है। वहीं मृत शिक्षक के परिजनों ने बैंक अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आर्थिक सहयोग से परिवार को काफी राहत मिलेगी।

नेशनल टैलेंट हंट में सफल प्रतिभागियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में नेशनल टैलेंट हंट के माध्यम से चयनित प्रतिभागियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारु एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारु ने नेशनल टैलेंट हंट के माध्यम से प्रवक्ता, पैनलिस्ट, एवं प्रोग्राम रिसर्चर के रूप में चयनित सभी साथियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रवक्ता बनकर सफलता प्राप्त करना पूरी तरह आप पर निर्भर करता है। इसके लिए हर दिन स्वयं पर मेहनत और निरंतर अभ्यास करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रवक्ता बनना केवल किसी पद को प्राप्त करना नहीं है, बल्कि यह पार्टी की आवाज बनने की जिम्मेदारी है। प्रवक्ताओं को बिहार, जनता और देश की आवाज बनकर सच्चाई को मजबूती के साथ जनता के सामने रखना होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस क्षेत्र में सफलता पाने के लिए हुनर के साथ-साथ हिम्मत की भी जरूरत होती है। यदि आपमें हिम्मत और आत्मविश्वास होगा तो जनता भी आपके साथ खड़ी होगी। इसलिए सभी साथियों को चाहिए कि वे हर दिन अपने ज्ञान, तर्क और संवाद कौशल को मजबूत करने के लिए लगातार काम करें। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने भी उपस्थित प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि नए और ऊर्जावान साथियों के जुड़ने से संगठन को मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की विचारधारा को मजबूती से जनता तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार संजय कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे एवं सफल प्रतिभागियों के बीच अपने अनुभव को साझा किया। इस अवसर पर पूर्व डीजीपी करुणा सागर, मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, टैलेंट हंट के संयोजक असितनाथ तिवारी, मिन्नत रहमानी, रंजीत कुमार मिश्रा, चंद्र भूषण राजपूत, कमल कमलेश, राजीव मेहता तथा नेशनल टैलेंट हंट के सभी सफल प्रतिभागियों उपस्थित रहे।

19 मई से शुरू होगा सहयोग शिविर अभियान, मुख्यमंत्री ने जारी किए निर्देश

एजेंसी

किशनगंज। राज्य सरकार द्वारा आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं पंचायत स्तर पर सरकारी सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सहयोग शिविर अभियान शुरू किया जा रहा है। इसको लेकर सोमवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों एवं संबंधित विभागीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि सात निश्चय-3 के अंतर्गत सबका सम्मानझ्रजीवन आसान के तहत पंचायत स्तर पर प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसका पहला आयोजन 19 मई 2026 को होगा।

शिविर में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का निष्पादन 30 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर आवेदन लंबित रखा जाता है तो 31वें दिन संबंधित पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़े, इसके लिए पंचायत स्तर पर ही व्यवस्था सशक्त की जा रही है। उन्होंने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को कम-से-कम पांच पंचायतों का औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया, ताकि शिविरों की गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनी रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सहयोग पोर्टल एवं हेल्पलाइन नंबर 1100 का भी लोकार्पण किया। बैठक में बताया गया कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों की रियल टाइम मॉनिटरिंग मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा की जाएगी। साथ ही सभी सूचनाओं को नियमित रूप से पोर्टल पर अपडेट करने का निर्देश दिया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद जिलाधिकारी विशाल राज ने जिले के सभी संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन प्राप्ति एवं पोर्टल एंट्री में तेजी लाने का निर्देश दिया।

उन्होंने बताया कि जिले में अब तक लगभग 550 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। प्रखंड स्तर पर पोर्टल संचालन एवं आवेदन अपलोडिंग के लिए कर्मियों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने जिला, प्रखंड, अंचल, पंचायत एवं थाना स्तर पर सहयोग शिविर गठन कर पंचायतवार रोस्टर तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा।

बैठक में पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार, डीडीसी प्रदीप कुमार, एडीएम अमरेन्द्र कुमार पंकज, जिला पंचायत राज पदाधिकारी जफर आलम, जिला योजना पदाधिकारी सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी कुंदन कुमार सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी मौजूद थे।

एक नजर

पोक्सो मामले में आरोपी को 20 वर्ष की सजा

किशनगंज। किशनगंज में पोक्सो अधिनियम के तहत दर्ज एक गंभीर मामले में अदालत ने अहम फैसला सुनाते हुए आरोपी को 20 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। सोमवार को अनन्य विशेष न्यायाधीश पोक्सो अधिनियम दीप चंद पाण्डेय की अदालत ने दिघलबैंक प्रखंड अंतर्गत सुल्तानगंज निवासी आरोपी नूर आलम को नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में दोषी पाते हुए सजा सुनाई। अदालत ने आरोपी पर 71 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। न्यायालय ने निर्देश दिया कि अर्थदंड की राशि पीड़िता को दी जाएगी। यदि आरोपी जुमार्ने की राशि जमा नहीं करता है तो उसे अतिरिक्त छह माह की सजा काटनी होगी। मामला दो वर्ष पूर्व दिघलबैंक थाना में दर्ज कांड संख्या 79/24 एवं पोक्सो वाद संख्या 51/24 से जुड़ा है। पीड़िता के परिजनों द्वारा नाबालिग के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस जांच के उपरांत मामला विशेष अदालत में विचाराधीन था। सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक मनीष कुमार साह ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रभावी पैरवी करते हुए अदालत के समक्ष घटना से जुड़े साक्ष्य और गवाह प्रस्तुत किए। अभियोजन पक्ष ने मामले को गंभीर बताते हुए आरोपी को कठोर सजा देने की मांग की थी। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपी को दोषी करार दिया। अदालत के फैसले को लेकर लोगों ने इसे न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। जानकारों का कहना है कि पोक्सो अधिनियम के तहत दोषियों को कठोर सजा मिलने से समाज में बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। फैसले के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वहीं अभियोजन पक्ष ने कहा कि अदालत के इस निर्णय से समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा और बच्चों के खिलाफ अपराध करने वालों में कानून का भय बढ़ेगा।

हज यात्रियों का जत्था दिल्ली रवाना, भावपूर्ण माहौल में माला पहनाकर दी विदाई

अररिया। फारबिसगंज के किरकिचिया पंचायत के कोढ़ेली बस्ती से हज यात्रियों का एक जत्था सोमवार को दिल्ली के लिए रवाना हुआ। हज यात्रा पर जा रहे जायरीनों की विदाई के दौरान पूरे गांव में भावपूर्ण धार्मिक माहौल रहा। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हज यात्रियों को फूल-माला पहनाकर एवं दुआओं के साथ विदा किया। हज यात्रा पर जाने वालों में मो. जावेद अंसारी, मो. जलाल अंसारी, हजरुन खातून सहित अन्य शामिल हैं। बताया गया कि सभी यात्री दिल्ली पहुंचने के बाद 14 मई को मक्का शरीफ के लिए सीधी उड़ान भरेंगे। हज यात्रा इस्लाम धर्म की महत्वपूर्ण इबादतों में से एक मानी जाती है, जिसे लेकर यात्रियों एवं उनके परिजनों में काफी उत्साह देखा गया। हज यात्रियों की रवानगी के दौरान गांव के लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। परिजन की आंखें नम थीं।वहीं ग्रामीणों ने यात्रियों से देश, राज्य एवं क्षेत्र की खुशहाली के लिए दुआ करने की अपील की। इस मौके पर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि कफिल अंसारी, वार्ड पार्षद इरशाद सिद्दीकी, जाबिर अंसारी, हाशिम अंसारी, फिरोज अंसारी, सद्दाम अंसारी, अयूब अंसारी, शमीम अंसारी, एजाज अंसारी, वसीम अंसारी, तबारक हुसैन, मजहर शौकत समेत काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि कफिल अंसारी ने कहा कि हज यात्रा पर जाना हर मुसलमान की बड़ी तमन्ना होती है। गांव से हज यात्रियों का जाना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और खुशी की बात है। उन्होंने सभी यात्रियों की सलामती एवं सफल हज यात्रा की दुआ की।

कटिहार में 19 मई से शुरू होगा सहयोग शिविर

कटिहार। आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए बिहार सरकार 19 मई से पंचायत स्तर पर सहयोग शिविर शुरू करेगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को सहयोग हेल्पलाइन नंबर 1100 का लोकार्पण किया। शिविर तिथिः प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को पंचायत सरकार भवन या सार्वजनिक स्थल पर। पहला शिविर 19 मई 2026 को होगा। शिकायत निष्पादन : सभी विभागों को 30 दिनों के भीतर आवेदनों का निपटारा करने का निर्देश। शिविर से 30 दिन पूर्व आवेदन लिए जाएंगे। समाधान होंगे : दाखिल-खारिज, परिमार्जन, आवास, पेंशन, राशन कार्ड, जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र, एफआईआर, महिला सुरक्षा समेत अन्य मामले। मॉनिटरिंग : जिला स्तरीय अनुश्रवण कोषांग रियल टाइम मॉनिटरिंग करेगा। लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई होगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुए कार्यक्रम में सीएम ने सभी मंत्री, सचिव, डीएम व एसपी को प्रशिक्षण दिया। कटिहार डीएम आशुतोष द्विवेदी समाहरणालय के एनआईसी सभागार से सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ जुड़े। डीएम ने कार्यपालक सहायकों व डाटा एंट्री ऑपरेटरों को ऑनलाइन निष्पादन का प्रशिक्षण भी दिया। डीएम ने भारत जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत 5 से 31 मई तक मकानों की नंबरिंग व नजरी नक्सा तैयार करने का काम तेज करने को कहा। प्रगणक **Cefsus2027-Houselist** अस्त्रस्त्र से 33 प्रश्नों की जानकारी भरेंगे। फार्मर रजिस्ट्री का लंबित कार्य भी समय पर पूरा करने का आदेश जिला कृषि पदाधिकारी को दिया गया।

समाहरणालय में गंदगी पर डीएम का डंडा, पान-गुटखा खाने वाले कर्मियों पर सामूहिक जुर्माना

सीवान। समाहरणालय परिसर में फैली गंदगी, जगह-जगह पान-गुटखा और खैनी थूकने की घटनाओं पर जिलाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय ने कड़ा रुख अपनाया है। निरीक्षण के दौरान परिसर की बदहाल साफ-सफाई व्यवस्था देखकर डीएम भड़क उठे और पूरे समाहरणालय के अधिकारियों एवं कर्मियों पर सामूहिक आर्थिक दंड लगाने का आदेश जारी कर दिया। डीएम विवेक रंजन मैत्रेय ने साफ कहा कि यदि बाहरी लोगों द्वारा गंदगी फैलाने की बात होती तो संबंधित कार्यालय इसकी शिकायत करते। लेकिन किसी भी कार्यालय से ऐसी सूचना नहीं मिली, जिससे यह स्पष्ट है कि या तो अधिकारी और कर्मचारी स्वयं परिसर को गंदा कर रहे हैं या फिर गंदगी फैलाने वालों को रोकने में विफल हैं। डीएम के आदेश के मुताबिक समूह और के अधिकारियों से 500 रुपये, जबकि समूह ह्यगह्न और ह्यघह्न के कर्मियों से 250 रुपये जुमार्ना वसूला जाएगा। सभी कार्यालय प्रधानों को निर्देश दिया गया है कि एक सप्ताह के भीतर राशि वसूलकर जिला नजारत शाखा में जमा कराएं। सबसे सख्त चेतावनी यह दी गई है कि जो अधिकारी या कर्मचारी जुमार्ना जमा नहीं करेंगे, उनकी राशि सीधे वेतन से काट ली जाएगी। प्रशासन के इस फैसले के बाद समाहरणालय परिसर में हड़कंप मच गया है।

20 लाख रंगदारी नहीं देने पर दबंगों ने तोड़ी चारदीवारी, जान से मारने की धमकी

भागलपुर। जिले के औद्योगिक प्रक्षेत्र थाना क्षेत्र स्थित बसंत विहार कॉलोनी में जमीन विवाद का मामला प्रकाश में आया है। जीरो माइल निवासी पारस तांती ने आरोप लगाया है कि जमीन खरीदकर मकान निर्माण शुरू करते ही दबंगों ने 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगी और विरोध करने पर मारपीट कर बाउंड्री तोड़ दी। पीड़ित के अनुसार उन्होंने पटेल बाबू रोड निवासी विद्या साहा से 625 वर्ग फीट जमीन खरीदी थी। आरोप है कि 5 अप्रैल को सुबोध पासवान, नितेश यादव समेत कई लोग हथियार लेकर पहुंचे और धमकी दी कि रंगदारी दो, नहीं तो घर नहीं बनने देंगे। पारस तांती का कहना है कि पैसे देने से इनकार करने पर उनके साथ मारपीट की गई।

ये बात हैरान कर सकती है कि ब्रह्मांड का सिर्फ 4% हिस्सा ग्रह, तारे और आकाशगंगाओं से बना है। बाकी 96% हिस्सा डार्क मैटर और डार्क एनर्जी से बना है, जिसे वैज्ञानिक अभी तक पूरी तरह समझ नहीं पाए हैं। अगर आप अंतरिक्ष में दो समान धातुओं के टुकड़े एक-दूसरे को स्पर्श करा दें तो वो स्थायी रूप से जुड़ सकते हैं। इस प्रक्रिया को कोल्ड वेल्डिंग कहा जाता है।

क्या आपने कभी आसमान की ओर देखते हुए अंतरिक्ष में जाने की कल्पना की है। अंतरिक्ष..वो ऐसा अनंत विस्तार जहां न कोई सीमा है न किनारा। ये सृष्टि का ऐसा अनदेखा कोना है जहां अनगिनत तारे टिमटिमाते रहते हैं..ग्रह अपनी कक्षाओं में घूमते हैं और धूमकेतु समय की नदी में तैरते हुए अपनी कहानियां लिखते हैं। ये ब्रह्मांड की अनंत गहराइयों में छिपे रहस्यों का भंडार है, जिसे लेकर मनुष्य हमेशा से जिज्ञासा में डूबा रहा है। यही वजह है कि विज्ञान के माध्यम से हमेशा स्पेस को जानने की कोशिश की जाती है।

जब हम रात के आसमान में चमकते तारों को देखते हैं तो एक प्रश्न हमारे मन में उठता है.. क्या वहां कहीं जीवन होगा? क्या अंतरिक्ष सिर्फ शून्य और अंधकार से भरा है या उसके पार भी कुछ है? वैज्ञानिकों का मानना है कि हमारा ब्रह्मांड अनंत है जिसमें न जाने कितने आकाशगंगाएं हैं, कितने ग्रह और जानें क्या-क्या रहस्य छिपे हुए हैं।

अंतरिक्ष में छिपे हैं जानें कितने रहस्य

आज भी ये प्रश्न अनुत्तरित है कि क्या पृथ्वी के अलावा भी कहीं और जीवन है? कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि किसी न किसी रूप में जीवन की संभावना ब्रह्मांड के किसी न किसी कोने में तो जरूर होगी। खोज में कई ऐसे ग्रह मिले हैं जो हमारी पृथ्वी से काफी मिलते-जुलते हैं। लेकिन ये रहस्य बना हुआ है कि वहां अगर जीवन होगा तो कैसा होगा। हम अपनी कल्पनाओं में एलियंस के चेहरे बनाते मिटाते रहते हैं। साइंस फिक्शन फिल्मों में जाने कितने एलियंस और अंतरिक्ष के छिपे हुए रहस्यों की कल्पनाओं को उकेरा गया है। लेकिन अब भी ये सिर्फ हमारी कल्पनाएं ही हैं। असलियत क्या है..वो जानने में जानें कितनाा समय और लगेगा। मगर अब तक अंतरिक्ष को लेकर जो खोज हुई हैं..

अंतरिक्ष में 1995 में पहली बार उगाया गया था आलू

जानिए स्पेस से जुड़ी ये रोचक बातें

अंतरिक्ष में बिना सुरक्षा उपकरण के जिंदा रहना नामुमकिन – अगर कोई व्यक्ति बिना स्पेससूट के अंतरिक्ष में चला जाए तो वो सिर्फ दो मिनट तक ही जीवित रह सकता है। वहां न हवा होती है, न दबाव जिससे शरीर फट सकता है!

खाने में परेशानी – स्पेस में भोजन करना भी आसान नहीं। वहां खाने पर नमक या मिर्च सीधे छिड़का नहीं जा सकता क्योंकि वो हवा में तैरने लगेंगे और आंखों में भी जा सकते हैं। इसलिए अंतरिक्ष यात्री खास तरह के liquid food का इस्तेमाल करते हैं।

सोना भी एक चुनौती – अंतरिक्ष यात्री जीरो ग्रैविटी के कारण हवा में तैरते रहते हैं, इसलिए उन्हें सोने के लिए खास तरह के स्लीपिंग बैग में खुद को बांधना पड़ता है।

बृहस्पति का विशाल तूफान – हमारे सौर मंडल का सबसे बड़ा तूफान बृहस्पति ग्रह पर है, जिसे ग्रेट रेड स्पॉट कहा जाता है। यह धरती से दोगुना बड़ा है और सैकड़ों सालों से लगातार चल रहा है।

एक स्पेससूट की कीमत करोड़ों में – नासा के एक स्पेससूट की कीमत लगभग 90 करोड़ रुपये होती है। यह सूट अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित रखने के लिए हाईटेक तकनीक से बना होता है।

सबसे दूर गया मानव निर्मित यान – नासा का वॉयेजर 1 अंतरिक्ष यान अब तक 21.7 बिलियन किलोमीटर की दूरी तय कर चुका है और अब भी पृथ्वी से लगातार दूर जा रहा है।

अंतरिक्ष में आलू की खेती – 1995 में अंतरिक्ष में पहली बार आलू उगाया गया था जो अंतरिक्ष में भोजन उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

अंतरिक्ष में पूरी तरह शांति है – चौंकाने वाली बात है कि अंतरिक्ष में कोई आवाज़ नहीं होती, क्योंकि वहां हवा नहीं है। यानी अगर आप वहां जोर से चिल्लाएंगे तो भी कोई आपको सुन नहीं पाएगा।

रेलवे ट्रैक की चोरी है नामुमकिन, जानें इसकी वजह

इंडियन रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। यह भारत के लोगों को एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचाने का काम करते हैं। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि एक दिन में पूरे देशभर से करीब 1300 ट्रेनों का संचालन होता है। लोग ट्रेन में सफर करने से पहले तरह-तरह की तैयारी कर लेते हैं। जैसे बैग पैकिंग या फिर खाने की पैकिंग। हालांकि, इससे पहले लोग अपनी सीट बुक कर लेते हैं, ताकि उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। इसमें आपको सीट नंबर, कोच नंबर, डेट ऑफ़ जर्नी, सहित अन्य तमाम जानकारी दी जाती है।

जब ट्रेन में सफर की शुरुआत होती है, तो आपको तरह-तरह के लोग मिलेंगे। तरह-तरह की चीजें देखने को मिलेंगे। इस दौरान आप बहुत से राज्यों की खूबसूरती को अपनी आंखों से निहार सकते हैं। हालांकि, इस दौरान आपके मन में बहुत सारी बातें चल सकती है। जैसे रेलवे का विस्तार किसने किया है, रेलवे ट्रैक कैसे बनाया जाता है, ट्रेन एक पटरी से दूसरी पटरी पर किस तरह जाती है या फिर कितने समय अंतराल में एक पटरी पर 2 ट्रेनें एक साथ चलती है, सिग्नल कैसे काम करता है, ड्राइवर को कौन ऑपरेट करता है, इत्यादि। ऐसी तमाम तरह के सवाल मन में हलचल पैदा करती है। वहीं, कई बार आपने यह भी सोचा होगा कि सारी चीजों की चोरी संभव है, लेकिन कभी अपने समाचार में यह नहीं सुना होगा कि रेलवे ट्रैक का लोहा कभी किसी ने चुराया हो। इसके पीछे क्या वजह है यह जानना काफी दिलचस्प भरा है।

रेलवे ट्रैक की चोरी क्यों है नामुमकिन?

भारत का रेलवे ट्रैक लाखों करोड़ों किलोमीटर तक बिछा हुआ है। यह एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे चोर या डकैत द्वारा चोरी नहीं किया जा सकता है। इसके पीछे एक बड़ी वजह है। सबसे पहली वजह तो यह है कि रेलवे की पटरिया स्लिपर्स की मदद से बहुत सुरक्षित तरीके से बांधे जाते हैं, जिसे खोलना एकदम आसान काम नहीं होता है और यह मिश्र धातु की बनी होती है, जिसे किसी भी चीज से काटना पॉसिबल नहीं होता है। इसके अलावा, दूसरी वजह यह है कि रेलवे ट्रैक का लोहा आप कहीं भी बेचे जाएंगे, तो इसे कोई खरीदना नहीं चाहता है क्योंकि अगर इसके बारे में किसी को भी भनक लग गई, तो उसे जेल हो सकती है। इसके साथ ही उस पर जुर्माना भी लग सकता है। इसलिए चोर या डकैत द्वारा कभी भी रेलवे ट्रैक नहीं चुराया जाता।

दुनिया की सबसे महंगी मछलियां

दुनिया में नॉनवेज खाने वालों की कोई कमी नहीं है। खासकर बंगाली परिवार में हर रोज सब्जी की तरह मछली बनाई जाती है। कुछ लोग मछली खाने के इतने ज्यादा शौकीन होते हैं कि वह तरह-तरह की मछलियां ट्राई करते हैं। अक्सर आपने मंहगी मछलियों में इलिश मछली का नाम सुना होगा, जिसे शादियों में बनाया जाता है, लेकिन आज हम आपको उन मछलियों के बारे में बताएंगे जो कि दुनिया भर में सबसे महंगी मछलियों की लिस्ट में शामिल है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में एक ऐसा बाजार है, जहां मछलियों का ऑक्शन होता है। जिसमें लोग मछलियों पर बोली लगाकर उसे खरीदते हैं। इसके लिए लोग लाखों रुपये भी लगा देते हैं। समुद्री इलाके में रहने वाले लोग अधिकतर नॉनवेज खाना ही पसंद करते हैं, जिनमें उनका फेवरेट व्यंजन मछली-चावल होता है।

मछली पालने के भी होते हैं शौकीन

इससे यह साफ पता चलता है कि दुनिया में तरह-तरह के लोग रहते हैं। सभी को अलग-अलग तरीके का शौक होता है। कुछ लोगों को घूमना पसंद होता है, तो कुछ लोगों को अकेले रहना ज्यादा पसंद आता है। कुछ लोग फ्रेंड्स के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करते हैं, तो कुछ लोग अकेले ही एडवेंचर करते रहते हैं। कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जिन्हें जानवरों से लगाव होता है। तो वहीं मछली पालने के भी लोग बेहद शौकिन होते हैं।

ब्लूफिन टूना

दुनिया की सबसे महंगी मछली की लिस्ट में सबसे पहला नाम ब्लूफिन टूना का आता है, जो इस साल की सबसे महंगी बिकने वाली मछली रही है। जिसकी कीमत 5000 प्रति पाउंड है। भारतीय रुपए के हिसाब से इसकी कीमत लगभग 4 लाख 20 हजार रुपये है। इसका स्वाद बाकी सभी मछलियों से काफी अलग होता है। जिसे लोग काफी चावल से खाना पसंद करते हैं।

अमेरिकन ग्लास ईल

वहीं, दूसरे स्थान पर अमेरिकन ग्लास ईल मछली का नाम आता है। जैसा कि नाम से ही समझ में आ रहा है कि यह अमेरिकन कंट्री में पाई जाती होगी। तो हां यह नॉर्थ अमेरिका के उत्तर पूर्वीय तटों में पाई जाती है। साइज में 3 इंच वाली यह मछली इंडियन मार्केट में 2,52,181 रुपये की बिकती है। इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत 3000 डॉलर प्रति पाउंड है। इस मछली की खासियत है कि यह 4 फीट तक बढ़ सकती है।

जंगली अलास्का किंग सैल्मन

मछली के साथ चावल खाने वाले लोगों को काफी ज्यादा पसंद आने वाले मछलियों में जंगली अलास्का किंग सैल्मन नाम शामिल है। भारतीय मार्केट में इसकी कीमत लगभग रुपये 6000 तक होती है। वहीं, इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत 70 प्रति पाउंड है, जो स्वाद में काफी लाजवाब और टेस्टी होता है।

पफर फिश

इसके बाद पफर फिश का नाम आता है। यह काफी ज्यादा खतरनाक भी होती है, क्योंकि इसके शरीर के चारों तरफ कांटे लगे होते हैं। इनमें विष भी होता है, अगर यह हाथ में गड़ जाए, तो शरीर पर विष फैल सकता है। इसकी सबसे ज्यादा डिमांड अमेरिका में है। इस मछली की कीमत 200 प्रति पाउंड है। इंडियन रुपये के हिसाब से यह रुपये 17000 है।

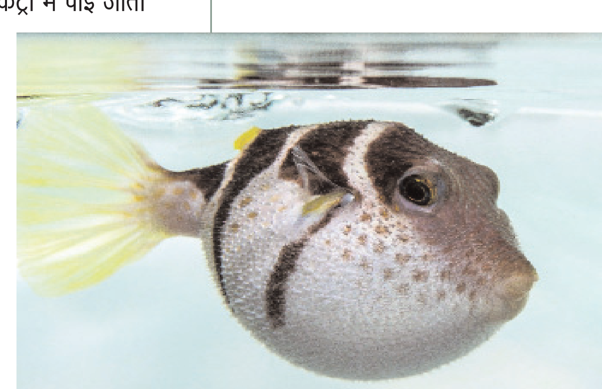

स्वोर्ड फिश

आपने अक्सर स्वोर्ड मछली के बारे में सुना होगा। यह तलवार की तरह दिखती है, जिसकी चोंच काफी नुकीली होती है। इंडियन मार्केट में इसकी कीमत 5100 रुपये है। यह मछली अटलांटिक महासागर में पाई जाती है। वहीं, इंटरनेशनल मार्केट की बात करें तो इसकी कीमत 60 प्रति पाउंड है। महंगी शादी, पार्टियों में इसे स्पाईस तरीके से बनाया जाता है।

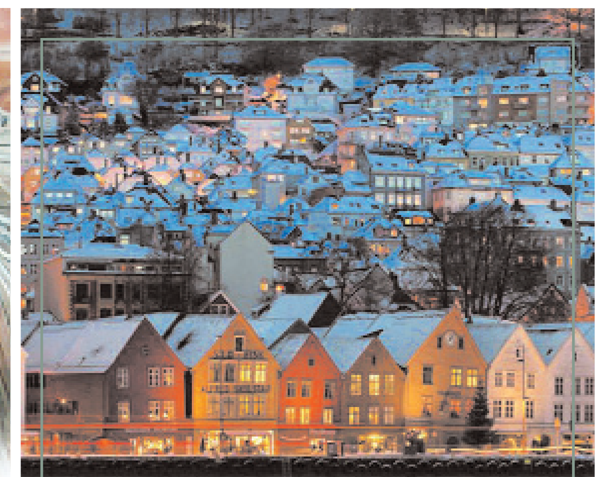

दुनिया का इकलौता देश जहां मात्र 40 मिनट की होती है रात

समय का चक्र निरंतर घूमता रहता है। दुनिया के किसी हिस्से में सूर्य चमक रहा होता है, तो किसी हिस्से में रात का अंधेरा छाया होता है। सभी जगह दिन और रात का समय अलग-अलग होता है। भारत और अमेरिका के घड़ी की बात करें, तो इसमें काफी ज्यादा अंतर पाया जाता है। विभिन्न देशों में दिन और रात की लंबाई अलग-अलग होती है। कहीं पर दिन काफी ज्यादा लंबा होता है, तो कहीं रात काफी ज्यादा लंबी होती है। दुनिया में एक ऐसा देश भी है, जहां सबसे कम समय की रात होती है। यहां आधी रात के बाद सूर्य डूबता है और कुछ ही समय में फिर से उग जाता है।

दुनिया का इकलौता देश

जी हां! यह सुनकर आपको आश्चर्य जरूर हो रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। दरअसल, इस देश का नाम नॉर्वे है, जहां मात्र 40 मिनट की रात होती है। इसे लैंड ऑफ द मिडनाइट सन भी कहा जाता है। यहां रात करीब 12 बजकर 43 मिनट पर सूरज डूबता है और इसके 40 मिनट बाद, यानी रात के 1 बजकर 30 मिनट पर फिर से सूर्य उदय हो जाता है।

पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र

दरअसल, यह देश आर्कटिक सर्किल के पास है। जिस कारण गर्मी के महीने में सूर्य की किरणें इस क्षेत्र में सीधे पड़ती है, इसलिए यहां सूर्य बहुत कम देर के लिए ढलता है और रात बहुत छोटी होती है। यही कारण है कि नॉर्वे पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है।

समृद्ध देशों में से एक

नॉर्वे उत्तरी यूरोप में स्थित है। इसके पश्चिम में अटलांटिक महासागर, पूर्व में स्वीडन, उत्तर में फिनलैंड और रूस है। यह दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में से एक है। यहां की सुंदरता देखने लायक है। यदि आप भी इस जगह जाकर आनंद उठाना चाहते हैं, तो आप अपने फैमिली, फ्रेंड्स या फिर पार्टनर के साथ जा सकते हैं।

दिल्ली में नितिन गडकरी ने शुरू की बैरियर-लेस टोलिंग प्रणाली

देश का दूसरा एमएलएफएफ टोल प्लाजा हुआ चालू

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को दिल्ली के यूईआर-क्क पर स्थित मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा पर मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) बैरियर-लेस टोलिंग प्रणाली का उद्घाटन किया। यह देश में इस प्रकार की दूसरी प्रणाली है। इससे पहले 2 मई को गुजरात के एनएच-48 के सूरत-भरूच खंड पर स्थित चोरायासी टोल प्लाजा पर इसे लागू किया गया था। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, अजय टम्टा, पश्चिमी दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत, उत्तर पश्चिम दिल्ली से सांसद योगेंद्र चंदौलिया तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव मौजूद रहे। गडकरी ने कहा कि पहले टोल प्लाजा पर लंबी कतारें लगती थीं, जिससे यात्रियों को एक-एक घंटे तक रुकना पड़ता था। इससे न केवल समय की बबार्दी होती थी बल्कि वाहनों को बार-बार गियर बदलने और इंजन चालू रखने से ईंधन की खपत भी बढ़ती थी। नई प्रणाली से इन समस्याओं से मुक्ति मिलेगी और जनता को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि ज्ञान को संपदा में बदलना ही भविष्य है और तकनीक के उपयोग से राजस्व संग्रह में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ी है। गडकरी ने कहा कि पहले टोल संग्रह से मंत्रालय की आय 40-45 हजार करोड़ रुपये थी, जो फास्टैग लागू होने के बाद 55 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई। अब एमएलएफएफ प्रणाली से दो बड़े फायदे होंगे। पहला, टोल संग्रह की लागत 15 फीसदी से घटकर केवल 4 फीसदी रह जाएगी, जिससे हर साल लगभग 5-6 हजार करोड़ रुपये की बचत होगी। दूसरा, चोरी और राजस्व रिसाव पूरी तरह बंद हो जाएगा, जिससे 12-15 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि मंत्रालय दिल्ली के तीनों कूड़े के पहाड़ों को खत्म कर रहा है और वहां से निकले कचरे का उपयोग हाईवे निर्माण में किया जा रहा है। प्लास्टिक, ग्लास और मेटल को अलग करके सड़क निर्माण में इस्तेमाल किया जा रहा है। पराली की समस्या से निपटने के लिए भी काम हो रहा है। आईसीआईसीआई संस्था ने पराली से बायो-बिटुमिन तैयार किया है। अब प्रयास है कि पेट्रोलियम बिटुमिन में 30 फीसदी बायो-बिटुमिन, 7 फीसदी वेस्ट प्लास्टिक और 15 फीसदी लूज रबर मिलाकर मानक बिटुमिन तैयार किया जाए। इससे प्रदूषण कम होगा, आयात पर निर्भरता घटेगी और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि एमएलएफएफ प्रणाली में वाहनों को टोल प्लाजा पर रुकने या गति धीमी करने की आवश्यकता नहीं होगी। हाई-रेजोल्यूशन कैमरे, ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर), रेडियो फ्रीक्वेंसी आ इ ड ें टि फि के श ा न (आरएफआईडी), रडार, लिडार और फास्टैग आधारित डिजिटल नेटवर्क के जरिए वाहनों की पहचान की जाएगी। वाहन के गुजरते ही उसके फास्टैग खाते से स्वतः टोल शुल्क कट जाएगा।

गडकरी ने कहा कि एमएलएफएफ प्रणाली केवल गति और सुविधा के बारे में नहीं है, बल्कि यह लागत बचत और दक्षता बढ़ाने का बड़ा कदम है। अध्ययनों के अनुसार इससे हर वर्ष लगभग 285 करोड़ रुपये की ईंधन बचत होगी, 81 हजार टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और लाखों घंटे का यात्रा समय बचेगा। इससे लॉजिस्टिक्स दक्षता में भी बड़ा सुधार होगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल पेमेंट और यूपीआई से टोल भुगतान आसान और सस्ता होगा। कैश लेनदेन बंद होगा, जिससे 100 फीसदी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। इसके साथ ही सालाना पास की व्यवस्था भी शुरू की गई है। 3000 रुपये में पास उपलब्ध होगा, जिससे औसतन 200 टोल पर केवल 15 रुपये प्रति टोल देना होगा। यह व्यवस्था आर्थिक बचत और सुगम यात्रा दोनों सुनिश्चित करेगी।

गडकरी ने कहा कि एमएलएफएफ टोलिंग डिजिटल इंडिया और स्मार्ट मोबिलिटी की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह प्रणाली न केवल यात्रियों को सुविधा देगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत और राजस्व वृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान करेगी।

एनएचएआई के अनुसार यह प्रणाली पूरी तरह बैरियर-लेस होगी और किसी प्रकार के फिजिकल गेट या मैनुअल हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होगी। वाहन सामान्य गति से बिना रुके टोल प्लाजा पार कर सकेंगे। इससे लंबी कतारों और ट्रैफिक जाम की समस्या में कमी आएगी। लगातार गति से वाहन चलने के कारण यात्रा समय घटेगा, ईंधन की बचत होगी और उत्सर्जन में भी कमी आएगी।

अधिकारियों ने बताया कि यह प्रणाली पूरी तरह डिजिटल और रियल टाइम मॉनिटरिंग आधारित है। इससे टोल संग्रह प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी और राजस्व रिसाव की संभावना समाप्त होगी। सिस्टम के जरिए ट्रैफिक मूवमेंट, ऑडिट ट्रेल और डेटा एनालिटिक्स की निगरानी भी की जा सकेगी।

एनएचएआई ने बताया कि पहले चरण में नौ राज्यों के 17 टोल प्लाजा को एमएलएफएफ प्रणाली से जोड़ा जा रहा है। गुजरात का चोरायासी टोल प्लाजा पहले ही चालू हो चुका है, जबकि दिल्ली का मुंडका टोल प्लाजा अब संचालन में आ गया है। हरियाणा, राजस्थान, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और असम के कई टोल प्लाजा को सितंबर तक चरणबद्ध तरीके से जोड़ा जाएगा। दूसरे चरण में 108 से अधिक टोल प्लाजा को मार्च 2027 तक इस प्रणाली के तहत लाने की योजना है।

एनएचएआई ने बताया कि टोल भुगतान नहीं करने वाले वाहनों के लिए सख्त प्रवर्तन प्रणाली भी लागू की गई है। यदि किसी वाहन का फास्टैग ब्लैकलिस्टेड, कम बैलेंस वाला या अमान्य पाया जाता है तो सिस्टम स्वतः दोगुने टोल शुल्क का ई-नोटिस जारी करेगा। बकाया भुगतान होने तक संबंधित फास्टैग निलंबित रहेगा और वह किसी भी फास्टैग आधारित सुविधा में काम नहीं करेगा।

बकाया टोल वाले वाहनों के स्वामित्व हस्तांतरण के लिए आवश्यक एनओसी जारी नहीं की जाएगी। व्यावसायिक वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र नवीनीकरण और राष्ट्रीय परमिट जारी करने में भी बकाया टोल भुगतान की स्थिति को अनिवार्य रूप से जोड़ा गया है। इसके लिए 13 जनवरी और 17 मार्च की राजपत्र अधिसूचनाओं के तहत वैधानिक प्रावधान लागू किए गए हैं।

मनाली घूमने गए गुजरात के लोगों की कार खाई में गिरी, छह की मौत, चार घायल

भावनगर। गुजरात के भावनगर से हिमाचल प्रदेश घूमने गए सिंधी समाज के एक परिवार की कार मनाली के पास खाई में गिर गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य घायल हो गए। हादसे की खबर मिलने के बाद यहां परिवार के बाकी सदस्यों और समाज में शोक की लहर फैल गई। रिश्तेदारों ने बताया कि ललितभाई फतनानी अपने परिवार के साथ हिमाचल प्रदेश घूमने गए थे। सोमवार तड़के करीब 3:30 से 4 बजे के बीच परिवार कार से मनाली से बेला जा रहा था। रास्ते में कांगड़ा जिले के छाबा क्षेत्र में नेशनल हाइवे-28 पर उनकी कार अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। वाहन में बच्चों और ड्राइवर समेत कुल 10 लोग सवार थे। राहत और बचाव टीम ने 4 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। मृतकों में ललितभाई फतनानी, सोनियाबेन फतनानी, प्रियंकभाई भोपाणी, काजलबेन भोपाणी, दिव्यांशु भोपाणी ड्राइवर यशवंत कुमार हैं। घायलों में मयंकभाई फतनानी, फोरमबेन फतनानी, जियांश फतनानी और प्रियांशी भोपाणी शामिल हैं। सिंधु सेना प्रदेश अध्यक्ष कमलेश चंदाणी लगातार हिमाचल प्रदेश प्रशासन के संपर्क में हैं और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने में जुटे हैं। कमलेश चंदाणी ने बताया कि तड़के उन्हें हादसे की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने तत्काल हिमाचल प्रदेश प्रशासन और डिजास्टर टीम से संपर्क कर राहत एवं उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करवाई। उन्होंने कहा कि फतनानी और भोपाणी परिवार के कुल 9 सदस्य यात्रा पर गए थे, जिनमें से 5 पारिवारिक सदस्य व एक ड्राइवर समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

उत्तराखंड में 12-13 मई को मौसम हो सकता है खराब, चारधाम यात्रियों से सावधानी बरतने की अपील

एजेंसी

देहरादून। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने 12 और 13 मई को उत्तराखंड के कई पर्वतीय जिलों में तेज बारिश, ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली और 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक की रफ्तार से झोंकेदार हवा चलने की चेतावनी आज जारी की है। इसके बाद प्रशासन ने चारधाम यात्रियों और पर्यटकों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है।

केंद्र के पूवार्नुमान के अनुसार, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और चमोली जिलों में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक के साथ वर्षा होने की संभावना है। 4500 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। अन्य पर्वतीय जिलों में भी कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है, जबकि मैदानी क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और गर्जन की संभावना बनी हुई है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने चेतावनी दी है कि 12 मई और 13 मई को मौसम में बदलाव होने से भूस्खलन, चट्टान गिरने, सड़क अवरोध और निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति की आशंका है। इसलिए चारधाम यात्रा मार्गों पर भी विशेष सतर्कता बरती जाए। तीर्थयात्री और स्थानीय लोग इस दौरान सुरक्षित स्थान पर रहें। पेड़ों के नीचे शरण न लें। संवेदनशील ढलानों और नदी-नालों के आसपास सावधानी बरतें। केंद्र के अनुसार अगले एक-दो दिनों में अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बाद फिर तापमान में गिरावट दर्ज होने की संभावना है।

पर्वतीय क्षेत्रों में प्रतिकूल मौसम की संभावना को देखते हुए गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों से मौसम की ताजा जानकारी लेकर ही यात्रा करने की अपील की है। आयुक्त ने कहा कि मौसम सामान्य होने के बाद यात्रा करना अधिक सुविधाजनक रहेगा। उन्होंने सभी से प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों के दिशा-निर्देशों का पालन करने का भी आग्रह किया।

देश में पहली जुलाई से लागू होगा विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम, ग्रामीण परिवारों को मिलेगी 125 दिन रोजगार की गारंटी

मनरेगा की जगह लेगा नया कानून, 95,692 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड बजट आवंटन; पुराने जॉब कार्ड रहेंगे मान्य

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास और रोजगार को नई दिशा देने के उद्देश्य से ह्वविकसित भारतझगारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)ह्ल यानी विकसित भारत (वीबी) झजी राम जी अधिनियम, 2025 को अधिसूचित कर दिया है। यह नया कानून 1 जुलाई 2026 से देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगा और इसके साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), 2005 निरस्त माना जाएगा। सरकार के अनुसार नए अधिनियम के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हैं, हर वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के वैधानिक रोजगार की गारंटी दी जाएगी। वर्तमान में मनरेगा के तहत 100 दिनों के रोजगार का प्रावधान है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के बयान में कहा गया कि यह अधिनियम विकसित भारत@2047 के विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास को अधिक समेकित, उत्पादक और भविष्य उन्मुख बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। अधिनियम के तहत रोजगार की मांग करने वाले श्रमिकों को तय समय-सीमा के भीतर काम उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि में काम नहीं मिलने पर श्रमिक बेरोजगारी भत्ते के पात्र होंगे। सरकार ने मजदूरी भुगतान व्यवस्था को भी अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाने का दावा किया है। मजदूरी का भुगतान प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे बैंक या डाकघर खातों में किया जाएगा। मस्टर रोल बंद होने के 15 दिनों के भीतर भुगतान नहीं होने पर श्रमिकों को विलंब मुआवजा दिया जाएगा। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए इस योजना के लिए 95,692.31 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया है, जिसे ग्रामीण रोजगार कार्यक्रमों के लिए अब तक का सबसे बड़ा प्रारंभिक आवंटन बताया गया है। राज्यों के अंश सहित कुल व्यय 1.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहने का अनुमान है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि मनरेगा से नई व्यवस्था में संक्रमण बिना किसी बाधा के किया जाएगा। 30 जून 2026 तक चल रहे सभी मनरेगा कार्य जारी रहेंगे और बाद में उन्हें नए अधिनियम के तहत समाहित कर लिया जाएगा। मौजूदा ई-केवाईसी सत्यापित मनरेगा जॉब कार्ड, नए ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी होने तक मान्य रहेंगे। सरकार ने यह भी कहा कि केवल ई-केवाईसी लंबित होने के आधार पर किसी भी श्रमिक को रोजगार से वंचित नहीं किया जाएगा। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बताया कि अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभिन्न नियमों के प्रारूप राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के परामर्श से तैयार किए जा रहे हैं। इनमें शिकायत निवारण, मजदूरी भुगतान, प्रशासनिक व्यय और संक्रमणकालीन प्रावधानों से जुड़े नियम शामिल हैं। सरकार का कहना है कि नया अधिनियम ग्रामीण रोजगार सृजन, आधारभूत ढांचे के विकास और गांवों में आत्मनिर्भरता को नई गति देगा तथा ग्राम पंचायतों को ग्रामीण परिवर्तन के केंद्रीय स्तंभ के रूप में मजबूत करेगा।

नई श्रम संहिताओं पर खरगे ने उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा नई श्रम संहिताओं को अधिसूचित किए जाने के बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इन श्रम संहिताओं को मजदूर-विरोधी बताते हुए सरकार पर श्रमिक अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगाया है।

खरगे ने सोमवार को एक बयान में आरोप लगाया कि सरकार ने विधानसभा चुनावों के बाद राजपत्र अधिसूचनाओं के जरिए चार नई श्रम संहिताओं को लागू किया। उन्होंने कहा कि इन प्रावधानों से ह्वहायर एंड फायरह्ल की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल सकता है और करोड़ों श्रमिकों की नौकरी सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने वेतन संहिता 2019 पर आपत्ति जताते हुए कहा कि मूल वेतन को कुल वेतन का 50 प्रतिशत अनिवार्य करने से कर्मचारियों के हाथ में आने वाली राशि प्रभावित हो सकती है। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशा संहिता 2020 को लेकर कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को आपराधिक दायरे से बाहर करने से श्रमिक हित प्रभावित हो सकते हैं।

सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 पर कांग्रेस ने गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए स्पष्ट लाभ व्यवस्था नहीं होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जोमैटो, स्विगी जैसे प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले गिग मजदूरों के लिए बीमा या फंडिंग का कोई स्पष्ट मॉडल नहीं है। 90 प्रतिशत असंगठित मजदूरों के लिए ये लाभ केवल कागजी औपचारिकता बनकर रह गए हैं। औद्योगिक संबंध संहिता 2020 के तहत हड़ताल से पहले नोटिस अवधि बढ़ाने और 300 कर्मचारियों तक की इकाइयों में छंटनी संबंधी प्रावधानों को लेकर भी विपक्ष ने चिंता जताई है। खरगे ने कहा कि हड़ताल से पहले 60 दिन का नोटिस अनिवार्य कर दिया गया है। अब 300 कर्मचारियों वाली कंपनियां बिना सरकारी अनुमति के छंटनी कर सकेंगी जबकि पहले यह सीमा 100 कर्मचारियों तक की इकाइयों पर लागू थी। खरगे ने कहा कि कांग्रेस न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने, मनरेगा के विस्तार, असंगठित श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा और ठेका प्रथा पर नियंत्रण जैसे मुद्दों के लिए प्रतिबद्ध है।

एक नजर

होर्मुज जलडमरूमध्य पर बढ़ा तनाव, ईरान ने मांगी संप्रभुता

तेहरान/वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका के समक्ष दिए गए अपने नए प्रस्ताव में रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य पर संप्रभुता की मांग उठाई है। ईरान ने इस जलमार्ग पर अधिक नियंत्रण की इच्छा जताई है, जिसे वैश्विक तेल आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल है। इसी रास्ते से सऊदी अरब, कुवैत और खाड़ी क्षेत्र के अन्य तेल उत्पादक देशों का कच्चा तेल दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचता है। फरवरी में अमेरिका और इजराइल के साथ संघर्ष बढ़ने के बाद से ईरान ने इस क्षेत्र में अपनी सैन्य गतिविधियां तेज कर दी हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग और ऊर्जा बाजारों में चिंता बढ़ गई है। यह जलमार्ग ईरान और ओमान के बीच स्थित है और दोनों देशों के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) इसके कुछ हिस्सों में आते हैं। संयुक्त राष्ट्र के समुद्री कानून के अनुसार किसी भी देश को अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों की खोज, संरक्षण और प्रबंधन का अधिकार होता है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून यह भी स्पष्ट करता है कि अन्य देशों के जहाजों को शांतिपूर्ण आवागमन का अधिकार प्राप्त है। संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के तहत किसी तटीय देश को विदेशी जहाजों के निर्दोष मार्ग में बाधा नहीं डालनी चाहिए, जब तक कि सुरक्षा से जुड़ी कोई विशेष परिस्थिति न हो। ऐसे में ईरान की मांग और जलमार्ग पर बढ़ते नियंत्रण को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी और कूटनीतिक बहस तेज हो सकती है।

नेपाल सरकार माध्यमिक विद्यालय तक मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराएगी

काठमांडू। नेपाल सरकार ने घोषणा की है कि देशभर में माध्यमिक स्तर तक सभी छात्रों के लिए निःशुल्क शिक्षा लागू की जाएगी। आगामी आर्थिक वर्ष के लिए सरकार की नीति और कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने कहा कि सरकार की तरफ से माध्यमिक शिक्षा तक मुफ्त शिक्षा के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करेगा। सरकार ने सार्वजनिक शिक्षा में दीर्घकालीन निवेश करने तथा निजी शैक्षणिक संस्थानों को नियमन में लाकर उन्हें सेवा-आधारित शिक्षा की ओर उन्मुख करने की नीति भी घोषित की है।नीति और कार्यक्रम के अनुसार उच्च शिक्षा को श्रम बाजार से जोड़ा जाएगा, जबकि सामुदायिक विद्यालयों में हाई-स्पीड इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित शिक्षण प्रणाली की व्यवस्था की जाएगी। सरकार ने यह भी कहा है कि शिक्षकों की नियुक्ति, पदोन्नति और मूल्यांकन को योग्यता-आधारित बनाया जाएगा। इसके साथ ही उत्कृष्ट शिक्षक कार्यक्रम भी लागू किया जाएगा। सभी स्तरों के पाठ्यक्रमों की समीक्षा कर शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण, व्यावहारिक और रोजगारमुखी बनाने की योजना भी सरकार ने घोषित की है। इस नीति का उद्देश्य बदलते समय के अनुरूप शिक्षण प्रणाली का आधुनिकीकरण करना और विद्यार्थियों के कौशल विकास को प्राथमिकता देना है।

अब नेपाल में सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों को हर वर्ष सार्वजनिक करना होगा संपत्ति विवरण

काठमांडू। नेपाल सरकार ने घोषणा की है कि अब प्रधानमंत्री, मंत्री, सभी वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश और नेपाली सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की संपत्ति का विवरण हर वर्ष सार्वजनिक किया जाएगा। यह निर्णय आगामी आर्थिक वर्ष के लिए पेश की गई सरकार की नीति और कार्यक्रम में शामिल किया गया, जिसे सोमवार को संसद के संयुक्त अधिवेशन में राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने प्रस्तुत किया। अब तक सार्वजनिक पदों पर कार्यरत अधिकारियों को हर साल अपनी संपत्ति का विवरण सरकार को जमा करना पड़ता था, लेकिन इन रिकॉर्ड्स को सार्वजनिक नहीं किया जाता था। नई नीति के तहत सरकार का लक्ष्य उच्च पदस्थ कर्मचारियों की संपत्ति का विवरण नियमित रूप से सार्वजनिक कर सार्वजनिक सेवा में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना है। इस कदम का उद्देश्य सुशासन को मजबूत करना और राज्य संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास बढ़ाना है।

दो नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के संचालन में सहयोग के लिए भारत के साथ कूटनीतिक पहल करेगी नेपाल सरकार

काठमांडू। नेपाल सरकार ने घोषणा की है कि पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा और गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के पूर्ण संचालन के लिए भारत के साथ यथाशीघ्र बातचीत शुरू की जाएगी। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह सरकार की पहली नीति तथा कार्यक्रम की घोषणा करते हुए सरकार ने कहा है कि नेपाल के दो नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के पूर्ण संचालन और अतिरिक्त एयरलाइंस की अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बढ़ाने के लिए भारत के साथ कूटनीतिक पहल की जाएगी। आज संसद के बजट सत्र के पहले दिन दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने सरकार की नीति तथा कार्यक्रम की घोषणा की। विदेशी ऋण से निर्मित इन दोनों अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर अब तक अपेक्षित संख्या में अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रीय उड़ानें आकर्षित नहीं हो सकी हैं। नेपाल सरकार का मानना है कि भारत की विमानन कंपनियां चाहें तो यह दोनों ही हवाई अड्डे पूर्ण संचालन में आ सकते हैं। अपने नीति तथा कार्यक्रम में सरकार ने इस बात की घोषणा की है कि अब इन दोनों हवाई अड्डों के संचालन और विभिन्न भारतीय शहरों से सीधी उड़ान के लिए भारत के साथ तत्काल कूटनीतिक संवाद शुरू किया जाएगा।

फ्रांस लौटे यात्री में हंटावायरस के लक्षण, पांच लोगों को आइसोलेशन में रखा गया

पेरिस। फ्रांस सरकार ने पुष्टि की है कि स्पेन के टेनेरिफ से वापस लाए गए पांच फ्रांसीसी नागरिकों में से एक यात्री में उड़ान के दौरान हंटावायरस जैसे लक्षण पाए गए। इसके बाद सभी यात्रियों को एहतियातन सख्त आइसोलेशन में रखा गया है। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि संक्रमित लक्षण दिखाने वाले यात्री की पहचान के बाद स्वास्थ्य सुरक्षा प्रोटोकॉल तुरंत लागू कर दिए गए। उन्होंने बताया कि सभी पांचों लोगों को अलग रखा गया है और उनकी लगातार मेडिकल निगरानी की जा रही है। प्रधानमंत्री के अनुसार, यात्रियों की विस्तृत स्वास्थ्य जांच और लैब टेस्ट कराए जाएंगे, ताकि संक्रमण की पुष्टि की जा सके और किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है और संपर्क में आए लोगों की पहचान भी शुरू कर दी गई है। साथ ही फ्रांसीसी प्रशासन निकट संपर्क में आए लोगों के लिए भी विशेष आइसोलेशन उपाय लागू करने की तैयारी कर रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस संबंध में जल्द एक आधिकारिक आदेश जारी किया जाएगा। फिलहाल फ्रांस के स्वास्थ्य विभाग ने आम लोगों से घबराने के बजाय सतर्क रहने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। हंटावायरस एक दुर्लभ लेकिन गंभीर संक्रमण माना जाता है, जो आमतौर पर संक्रमित चूहों या अन्य कृंतकों के संपर्क से फैलता है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, सांस लेने में तकलीफ और गंभीर मामलों में फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं शामिल हो सकती हैं।